08 जनवरी, 2025
पौष, शुक्ल पक्ष, नवमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
बुधवार, वर्ष 10, अंक 81

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

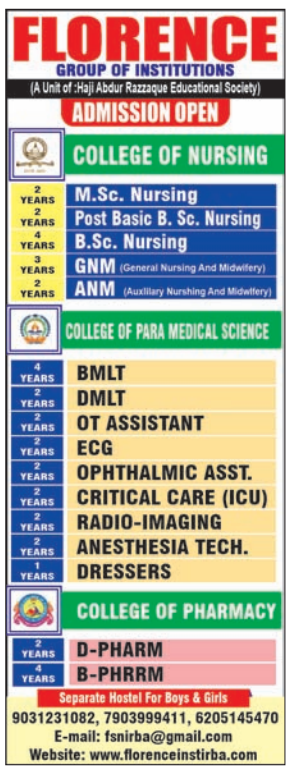

न्यूज रील्स

भाजपा के वरिष्ठ नेता कड़िया मुंडा की तबीयत बिगड़ी, मेडिका में भर्ती

रांची (आजाद सिपाही)। लोकसभा के पूर्व उपाध्यक्ष सह भाजपा के वरिष्ठ नेता कड़िया मुंडा की तबीयत खराब हो गयी है। उन्हें रांची के मेडिका हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। भारत सरकार के केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। वे लगातार मेडिका हॉस्पिटल के डॉक्टर के संपर्क में हैं। उनके स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं।

एचएमपीवी वायरस के आठ मामले, राज्यों में एलर्ट जारी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। कोरोना जैसे वायरस एचएमपीवी के देश में आठ मामले हो गये हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में दो मामले सामने आये। यहां एक 13 साल की लड़की और एक 7 साल का लड़का संक्रमित मिला है। दोनों ही बच्चों को लगातार सर्दी-बुखार था। इसके बाद प्राइवेट लैब की जांच में दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आयी। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नहीं करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है। इससे एक दिन पहले कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आये थे। इनमें ज्यादातर बच्चे हैं। केंद्र ने राज्यों को इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस और सीवर एक्यूट रेस्परेट्री इश्यूज जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और एचएमपीवी के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है।

कैबिनेट की बैठक में डीजीपी चयन की प्रक्रिया में बदलाव को मंजूरी

राज्य सरकार अब डीजीपी के नाम की अनुशंसा यूपीएससी को नहीं भेजेगी

विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से बुलाने की भी मंजूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें राज्य में डीजीपी के चयन की प्रक्रिया को बदलने से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। नयी नियमावली के तहत अब राज्य सरकार डीजीपी चयन के लिए यूपीएससी को अनुशंसा नहीं करेगी। सरकार एक समिति का गठन करेगी, वही समिति डीजीपी के नाम की अनुशंसा करेगी। इसके अलावा कैबिनेट बजट सत्र 24 फरवरी से बुलाने, 265 प्रखंडों के लिए शिक्षा प्रसार पदाधिकारी नियुक्त करने समेत कुल नौ प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी।

सचिव वंदना दादेल ने बताया कि कैबिनेट ने महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखंड (पुलिस बल प्रमुख) के चयन एवं नियुक्ति नियमावली, 2024 के गठन की स्वीकृति दी है। इसके तहत डीजीपी के चयन के लिए एक नाम निर्देशित समिति का गठन किया जायेगा।

इस समिति में उच्च न्यायालय के दो सेवानिवृत्त जज, सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक, यूपीएससी से नामित व्यक्ति, जेपीएससी अध्यक्ष या नामित सदस्य और गृह विभाग के प्रधान सचिव सदस्य होंगे। इनके द्वारा नामों की अनुशंसा की जायेगी। अब यूपीएससी को नाम भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बजट सत्र के औपबंधिक कार्यक्रम को मंजूरी : झारखंड विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से 27 मार्च तक चलेगा। इस सत्र में राज्य का बजट पेश किया जायेगा और उस पर चर्चा होगी। कैबिनेट की बैठक में बजट सत्र के औपबंधिक कार्यक्रम को मंजूरी दी गयी।

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण फैसले

- झारखंड अवर शिक्षा सेवा के पूर्व में सृजित पदों के आलोक में वर्तमान आवश्यकतानुसार पदों के चिह्नितीकरण की स्वीकृति।
- उत्पाद विभाग के सदन प्रसाद को आर्थिक पदोन्नति देने का निर्णय।
- प्री-बजट कार्यशाला के आयोजन के लिए रांची के संत जेवियर कॉलेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सीमा अखौरी एवं उनकी टीम को मनोनयन के आधार पर नॉलेज पार्टनर के रूप में चयनित करने की स्वीकृति।
- देवघर जिले में नया एम्स स्थापित करने के लिए झारखंड सरकार एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (भारत सरकार) के साथ किये जाने वाले एमओयू प्रारूप की मंजूरी।
- झारखंड परिचारिका गैर-शैक्षणिक संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं अन्य सेवाशर्त) नियमावली-2025 के गठन की स्वीकृति।
- झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड तथा इसकी अनुषंगी कंपनियों में प्रबंध निदेशक एवं निदेशक के पदों पर नियुक्ति के लिए किये गये प्रावधानों में आंशिक संशोधन करने के प्रस्ताव पर घटनोत्तर स्वीकृति।

265 प्रखंडों में शिक्षा प्रसार पदाधिकारी की नियुक्ति

झारखंड के सभी 265 प्रखंडों में शिक्षा प्रसार पदाधिकारी नियुक्त होंगे। इसके लिए झारखंड शिक्षा अवर सेवा के पदों में बढ़ोत्तरी की जायेगी। यह फैसला शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे दूर-दराज के इलाकों में शिक्षा की पहुंच बेहतर होगी।

झारखंड में विपक्ष का नेता दो हफ्ते में तय करे विपक्षी पार्टी: सुप्रीम कोर्ट

- सूचना आयुक्त के पद को भरने की याचिका पर हुई सुनवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में राज्य सूचना आयोग में रिक्त पदों को जल्द भरने का आग्रह करनेवाली हाइकोर्ट के अधिवक्ता शैलेश पोद्दार की याचिका की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने मामले में झारखंड के मुख्य सचिव को अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इससे पूर्व सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार के पूरक हलफनामे का अवलोकन किया। कोर्ट ने कहा कि जून 2024 को एक विज्ञापन दिया गया था। चयन प्रक्रिया इस कारण शुरू नहीं हुई है कि झारखंड विधानसभा चुनाव के बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता की घोषणा नहीं की गयी। चूंकि विपक्ष का नेता चयन समिति का सदस्य है, इसलिए बैठक नहीं बुलायी जा सकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि झारखंड विधानसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी अपने किसी निर्वाचित सदस्य को मुख्य सूचना आयुक्त (सीआइसी) और सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए विपक्ष का नेता नामित करे, यह आवश्यक कार्य दो सप्ताह में किया जाना चाहिए। चयन समिति इसके तुरंत बाद चयन प्रक्रिया शुरू करेगी। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अनुराग आनंद ने पक्ष रखा। दरअसल, पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड के मुख्य सचिव को निर्देश दिया था कि वे यह सुनिश्चित करें कि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया चार सप्ताह के भीतर शुरू हो और अनुपालन हलफनामा दायर किया जाये।

प्रशांत किशोर की हालत बिगड़ी, आइसीयू में शिफ्ट

- अनशन का छठा दिन, मेदांता में भर्ती हुए थे
- डॉक्टर बोले, डिहाइड्रेशन और इंफेक्शन है

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर का छठे दिन भी आमरण अनशन जारी है। सोमवार देर रात से उनकी तबीयत बिगड़ गयी। मंगलवार सुबह मेदांता अस्पताल के डॉक्टर अजीत प्रधान अपनी टीम और एंबुलेंस के साथ पीके के घर यानी शेखपुरा हाउस पहुंचे। शुरुआती जांच के बाद उन्हें मेदांता अस्पताल ले जाया गया। दोपहर में पीके को आइसीयू में शिफ्ट किया गया है। डॉक्टर प्रधान ने बताया कि उन्हें डिहाइड्रेशन और इंफेक्शन की शिकायत हो रही है। फिहलाल उनकी स्थिति अभी स्थिर है। बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर प्रशांत किशोर 2 जनवरी शाम 5 बजे से लगातार आमरण अनशन पर हैं।

गौरतलब है कि सोमवार को सिविल कोर्ट से गिरफ्तारी के 15 घंटे बाद बिना शर्त जमानत मिल गयी। इसके बाद कल देर शाम पटना स्थित शेखपुरा हाउस में उन्होंने पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोर्ट ने हम लोगों के अनुरोध को स्वीकार करते हुए अनकंडीशनल बेल दी है। ये जनता का समर्थन है। बेऊर जेल में रखने के लिए उन लोगों के पास पेपर ही नहीं था। पेपर के इंतजार में बैठे रहे। तब तक कोर्ट का फाइनल निर्णय आ गया। प्रशांत किशोर ने कहा कि मेरा अनशन जारी था, जारी है, जारी रहेगा।

दिल्ली विधानसभा चुनाव 5 फरवरी को

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों पर चुनाव आयोग ने तारीखों का एलान कर दिया है। दिल्ली में एक चरण में विधानसभा चुनाव होंगे। मतदान 5 फरवरी को होगा, जबकि मतगणना 8 फरवरी को होगी। यह जानकारी मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेस में दी। उन्होंने विपक्ष द्वारा लगातार विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट में हेरफेर करने के आरोपों और इवीएम पर उठाये गये सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ये सभी आरोप निराधार हैं। हमेशा सूची में कुछ नामों को जोड़ा जाता है और कुछ को हटाया जाता है। वोटर का नाम हटाने पर पूरी प्रक्रिया का पालन होता है। राजनीतिक दलों की सहमति से ही वोटर लिस्ट अपडेट होती है।

दिल्ली में चुनाव कार्यक्रम

चुनाव की अधिसूचना	- 10 जनवरी
नामांकन की आखिरी तारीख	- 17 जनवरी
नामांकन पत्रों की जांच	- 18 जनवरी
नाम वापसी का अंतिम दिन	- 20 जनवरी
मतदान	- 05 फरवरी
मतगणना	- 08 फरवरी

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि हर गांव में हर पोलिंग स्टेशन पर जो भी ड्राफ्ट रोल है उसकी कॉपी प्रकाशित की जाती है। दो फीसदी से अधिक के नाम कटने से एआरओ और आरओ जाकर खुद चेक करते हैं। उन्होंने इवीएम पर बोलते हुए कहा कि चुनाव से पहले नयी बैटरी डाली जाती है। उसी दिन उसे सील किया जाता है। जिस दिन पोलिंग डे होता है, उस दिन सील पोलिंग एजेंट के सामने तोड़ी जाती है। मॉक पोल किया जाता है। पोलिंग एजेंट रिकॉर्ड रखते हैं, कौन आया कौन गया। किसमें कितने वोट पड़े, इसकी संख्या उनको दी जाती है। काउंटिंग के दिन भी पूरी प्रक्रिया दोहरायी जाती है। फॉर्म 17 सी से मिलान होता है। उसके बाद बाद पांच रेंडमली सिलेक्टेड वीवीपैट की गिनती भी की जाती है। सारी चीजों को बहुत बार चैलेंज किया गया है। हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इवीएम रद्द नहीं किया जा सकता है। इसके खिलाफ कोई पुख्ता नहीं नहीं है।

2.08 लाख फर्स्ट टाइम वोटर : राजीव कुमार ने कहा कि दिल्ली में 70 विधानसभा सीटें हैं, कुल 1.55 करोड़ मतदाता है, जिसमें से पुरुष मतदाताओं की संख्या 83.49 लाख है, महिला मतदाताओं की संख्या 71.74 लाख है।

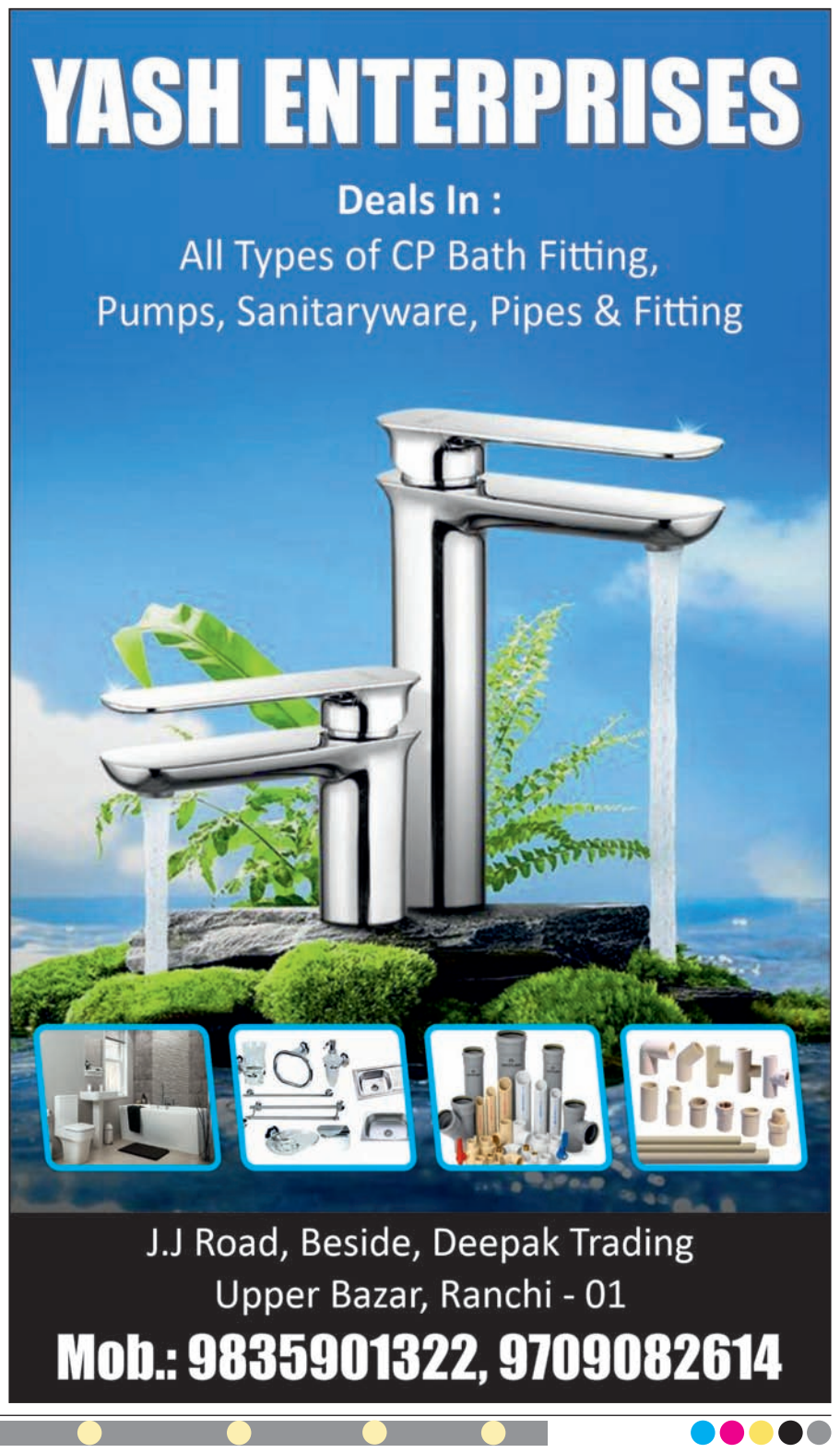

माइक्रोसॉफ्ट भारत में 25,722 करोड़ निवेश करेगा

- कंपनी के सीइओ सत्य नडेला ने किया एलान
- पीएम नरेंद्र मोदी से एक दिन पहले नडेला ने मुलाकात की थी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के सीइओ सत्य नडेला ने मंगलवार को भारत में अगले दो साल में अपने क्लाउड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) बिजनेस में 3 बिलियन डॉलर यानी 25,722 करोड़ रुपये के निवेश का एलान किया है। सत्य नडेला ने यह एलान माइक्रोसॉफ्ट अक टूर के बेंगलुरु फेज में किया। सत्य नडेला ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि देश के एआइ ट्रांसफॉर्मेशन में तेजी लाने में मदद करने के लिए भारत में एआइ इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किलिंग में हमारे नये निवेश की घोषणा करते हुए रोमांचित हूं। ।

भारत में एआइ में बहुत संभावनाएं हैं: भारत को एआइ-फर्स्ट नेशन बनाने में मदद करने के लिए कंपनी के प्रयासों के हिस्से के रूप में यह घोषणा की गयी है। नडेला ने पहले कहा था कि उनका मानना है कि भारत में एआइ में बहुत संभावनाएं हैं। सत्य नडेला ने यह भी कहा था कि वह चाहते हैं कि सॉफ्टवेयर दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट इस तेजी से फैलती टेक्नोलॉजी के लाभों को प्राप्त करने में असिस्टेंट यानी सहायक की भूमिका निभाये।

माइक्रोसॉफ्ट के प्लांस के बारे में जान कर खुशी हुई: नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि सत्य नडेला से मिलकर बहुत खुशी हुई। भारत में माइक्रोसॉफ्ट के एक्सपेंशन और इन्वेस्टमेंट प्लांस के बारे में जान कर भी खुशी हुई। हमने इस मीटिंग में टेक, इनोवेशन और अक के कई पहलुओं पर चर्चा की।

नडेला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी: सोमवार को सत्य नडेला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की थी। इस मुलाकात की एक फोटो भी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। फोटो शेयर कर नडेला ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, आपके नेतृत्व के लिए धन्यवाद। भारत को एआइ-फर्स्ट नेशन बनाने के हमारे कमिटमेंट को आगे बढ़ाने और देश में हमारे निरंतर विस्तार पर मिलकर काम करने के लिए उत्साहित हैं। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस एआइ प्लेटफॉर्म शिफ्ट से हर भारतीय को लाभ मिले।

सर्राफा

सोना (बिक्री)	73,200 रु./10 ग्राम
चांदी	93,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 08 जनवरी, 2025
www.azadsipahi.in

मंईयां सम्मान योजना सिर्फ योजना नहीं, एक हूल का आगाज है

■ फूलो-झानो की धरती पर हेमंत की इस योजना ने झारखंड की महिलाओं की किस्मत बदल दी

■ मंईयां सम्मान योजना ने झारखंड की महिलाओं के हाथों को मजबूत कर दिया

■ कभी हाथ फैलाना पड़ता था, लेकिन आज उन्हीं हाथों से बच्चों की किस्मत संवार रहीं

■ सम्मान से जी रही हैं मंईयां, इलाज, पढ़ाई और बचत का बड़ा आधार बना हेमंत का विजन

■ अब गरीबों के बच्चों के नंगे बदन पर कपड़े भी आयेंगे और हाथों में किताबें भी आयेंगी

■ अब पारिवारिक कलह की भी भेंट नहीं चढ़ेंगी झारखंड की बहन-बेटियां

■ झारखंड गठन के बाद पहली ऐसी योजना, जो सीधे लाभुक के पास जा रही, न कोई बिचौलिया, न कोई दलाल

■ हेमंत सोरेन ने मंईयां पर फूलों की बारिश तो की, बदले में रूह से निकली दुआ ले गये

आजाद सिपाही विशेष

रांची के नामकुम के खोजाटोली आर्मी कैंप मैदान में सोमवार को आयोजित मंईयां सम्मान समारोह में सीएम हेमंत सोरेन ने 56 लाख से अधिक महिलाओं के लिए वह कर दिखाया, जो आज तक झारखंड गठन के बाद किसी सरकार ने नहीं किया था। झारखंड की बहुचर्चित मंईयां सम्मान योजना के तहत 18-50 साल की महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये मिलने शुरू हो गये हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 56 लाख 61 हजार 791 लाभुकों के बैंक अकाउंट में 1415 करोड़ 44 लाख 77 हजार रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से भेज दी। मुख्यमंत्री ने जैसे ही पैसे ट्रांसफर का बटन दबाया, आतिशबाजियां हुईं। लाभुकों ने तालियां बजाते हुए सीएम का अभिवादन किया और ढेर सारा आशीर्वाद दिया। राज्य सरकार की ओर से यह पांचवीं किस्त दी गयी, जिसमें पहली बार बढ़ी हुई राशि 2500 रुपये महिला लाभुकों को दी गयी, इससे पहले 18-50 वर्ष की महिलाओं को एक हजार रुपये हर महीने दिये जा रहे थे। मंईयां सम्मान योजना झारखंड की महिलाओं के लिए सिर्फ एक योजना भर नहीं है, यह उन्हें वह ताकत प्रदान करती है, जिससे वे मुख्यधारा में खुद को जोड़ सकें। आज झारखंड की महिलाएं खुद पर इतराती हैं कि उन्होंने जिसे चुना, सही चुना। झारखंड विधानसभा चुनाव में महिलाओं ने हेमंत सोरेन को दिल खोल कर आशीर्वाद दिया और बदले में हेमंत भी महिलाओं से किया हुआ वादा निभा रहे हैं। आज झारखंड की महिलाएं एकजुट होकर हेमंत सोरेन को आशीर्वाद दे रही हैं। यह वही हेमंत सोरेन हैं, जिन्होंने अपनी पांच महीने की जेल यात्रा के दौरान भी झारखंड की महिलाओं के उत्थान के लिए सोचा। उन्होंने जेल यात्रा के समय का भी सदुपयोग किया। उन्होंने दिखा दिया कि झारखंड में विकास के अंतिम पायदान पर खड़ी मां-बहनों का विकास वह जेल में रह कर भी कर सकते हैं। बस मंशा होनी चाहिए। मंईयां सम्मान समारोह में सोमवार को जैसे ही हेमंत सोरेन ने एंट्री मारी, मानो एक अलग सी ऊर्जा उस कार्यक्रम स्थल पर जागृत हो गयी। हेमंत सोरेन महिलाओं की खुशी को देख खुद को रोक न सके और उन्होंने महिलाओं के सम्मान में उन पर फूलों की वर्षा करनी शुरू कर दी। हेमंत सोरेन ने मंईयां पर फूलों की बारिश तो की, लेकिन बदले में रूह से निकली दुआ ले गये। कहते हैं दुआ नसीब वालों को ही मिला करती है, क्योंकि वह सीधे दिल से निकलती है, रूह से निकलती है। आज हेमंत सोरेन के विजन के चलते झारखंड के गरीब बच्चों के बदन पर कपड़े दिखने लगे हैं। हाड़ कंपाती ठंड में गरीब बुजुर्ग महिलाओं के शरीर पर स्वेटर, टोपी, शॉल और कंबल भी दिखने लगे हैं। मिट्टी वाले घरों के आंगन में बच्चों के हाथों में किताबें दिखाई देने लगी हैं। अब तो झारखंड की महिलाएं बचत की बात भी करने लगी हैं। इलाज के लिए उन्हें दूसरों का मुंह नहीं देखना पड़ता है, क्योंकि उनके हाथों में सम्मान राशि आने लगी है। 2500 रुपये महीना, यानी साल में 30 हजार कोई मामूली रकम नहीं। यह राशि झारखंड की महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है। झारखंड गठन के बाद यह एकमात्र ऐसी योजना है, जहां लाभुकों को डायरेक्ट लाभ मिल रहा है। न इसमें कोई बिचौलिया है, न कोई दलाल। कैसे हेमंत सोरेन के एक विजन ने झारखंड की महिलाओं की किस्मत बदल दी, कैसे महिलाओं के हक के लिए एक और हूल का आगाज कर दिया है हेमंत सोरेन ने, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

महिलाएं गर्व कर रही हैं, कह रही हैं, जिसे चुना, सही चुना

हेमंत सोरेन, वह नाम, जिस पर झारखंड की महिलाएं गर्व कर रही हैं। कह रही हैं, उन्होंने जिसे चुना, सही चुना। महिलाओं का कहना है कि आज तक उनके बारे में किसी भी सरकार ने नहीं सोचा था। यह हेमंत सोरेन की सरकार है, जिसने उनके बारे में सोचा। उन्हें उचित सम्मान दिलाने, उन्हें उनका हक दिलाने के बारे में सोचा। यह सोच संस्कार से ही आ सकता है। यह दिशोम गुरु शिबू सोरेन और उनकी पत्नी रूपी सोरेन के संस्कार ही हैं, जिन्होंने हेमंत सोरेन को इतना लायक बनाया। महिलाओं का मानना है कि हेमंत सोरेन बहुत ही भाग्यशाली हैं, जिनके पास पत्नी के रूप में कल्पना सोरेन हैं। कल्पना सोरेन झारखंड की महिलाओं के लिए एक आदर्श हैं। कल्पना सोरेन ने एक ऐसे वक्त में खुद को साबित किया, जब हेमंत सोरेन को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। और उस पर वह खरी भी उतरीं।

हेमंत सोरेन ने जिस उद्देश्य के साथ मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की, वह उद्देश्य पूरा होता हुआ भी दिख रहा है। आज झारखंड की महिलाएं खुद को मजबूत महसूस कर रही हैं। कह रही हैं कि अब उन्हें किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं है। अब अपने बच्चों को पढ़ाने, अपना इलाज कराने के लिए उन्हें किसी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है। वे मजबूती के साथ अपने परिवार के पुरुष सदस्यों के साथ कंधे से कंधा मिला कर चल सकती हैं। वहां उपस्थित महिलाओं ने बताया कि यह राशि कैसे उनके लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि वह अपनी बच्ची को ट्यूशन नहीं पढ़ा पाती थीं, लेकिन अब पढ़ा पायेंगी। कई महिलाओं ने कहा कि वह अब हर महीने गैस सिलेंडर खरीदेंगी। एक महिला ने बताया कि उनके पति बीमार हैं और उनके लिए दवा खरीदने में दिक्कत आती थी, अब नहीं आयेगी। अब उनके पति जियेंगे। ऐसा नहीं है कि मंईयां सम्मान योजना अपनी तरह की कोई पहली योजना है। इस तरह की योजना कई राज्यों में सफलतापूर्वक चल रही हैं। जैसे मध्यप्रदेश में लाडली बहना योजना, महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना, छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना, कर्नाटक में गृहलक्ष्मी योजना, तेलंगाना में महालक्ष्मी योजना, हिमाचल प्रदेश में इंदिरा गांधी प्यारी बहना सुख-सम्मान निधि योजना, पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना, ओड़िशा में सुभद्रा योजना और गुजरात में नमो श्री योजना भी सुर्खियों में है। लेकिन मंईयां सम्मान योजना सिर्फ एक योजना भर नहीं है। यह हेमंत सोरेन का झारखंड की महिलाओं के प्रति सम्मान है।

एक हूल का आगाज कर दिया है हेमंत सोरेन ने

आखिर हेमंत सोरेन को ही झारखंड में ऐसी योजना लागू करने का खयाल कैसे आया। पहले किसी भी सरकार में ऐसी योजना को लागू क्यों नहीं किया गया। इसके पीछे भी कहानी है। हेमंत सोरेन झारखंड को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उन्हें पता है कि झारखंड की महिलाओं को किन परेशानियों से गुजरना पड़ता है। हेमंत सोरेन अबुआ राज की बात करते हैं और अबुआ राज महिलाओं को सशक्त बनाये बिना हासिल नहीं किया जा सकता।

> महिलाओं का कहना है कि आज तक उनके बारे में किसी भी सरकार ने नहीं सोचा था। यह हेमंत सोरेन की सरकार है, जिसने उनके बारे में सोचा। उन्हें उचित सम्मान दिलाने, उन्हें उनका हक दिलाने के बारे में सोचा। यह सोच संस्कार से ही आ सकता है। यह दिशोम गुरु शिबू सोरेन और उनकी पत्नी रूपी सोरेन के संस्कार ही हैं, जिन्होंने हेमंत सोरेन को इतना लायक बनाया। आज झारखंड की महिलाएं, जो हेमंत सोरेन को झोली भर-भर कर आशीर्वाद दे रही हैं, उसके वह सही मायने में हकदार हैं। हेमंत सोरेन ने आखिर झारखंड की महिलाओं के लिए वह कर दिखाया, जिसकी वे हकदार बरसों से रही हैं। चुनाव के दौरान विपक्ष ने कहा कि हेमंत सोरेन यह सब चुनाव जीतने के लिए कर रहे हैं। लेकिन महिलाओं ने विपक्ष को ऐसा जवाब दिया कि आज विपक्ष चारों खाने चित है।

1855 में संथाल हूल के नायकों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव ने अंग्रेजी सत्ता पोषित साहूकारी व्यवस्था के खिलाफ हथियार उठाया और आजादी की पहली लड़ाई लड़ी। तब उसमें उनका साथ उनकी दो बहनों, फूलो और झानो ने भी दिया था। यह इसलिए, क्योंकि आदिवासी महिलाएं पहले से ही सशक्त रहती आयी हैं। उन्हें समाज में अपना योगदान पता है। वर्ष 1899-1900 में बिरसा मुंडा के उलगुलान में भी महिलाओं की महती भूमिका थी।

बिरसा मुंडा की दो महिला अंगरक्षक भी थीं। सन 1930 के नमक सत्याग्रह के समय खूंटी के टाना भगतों की सभा में आधी संख्या महिलाओं की थी। 1978 में जंगल आंदोलन का दौर था। इसमें भी महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुई थीं। लेकिन दुर्भाग्यवश फूलो-झानो की परंपरा धीरे-धीरे अपनी चमक खोती गयी। आज आदिवासी औरतों की आवाज दब सी गयी है। यही कारण है कि आदिवासी समाज के कुछ चिंतक, लेखक और समाज सुधारकों ने यह अफवाह फैला दी कि आदिवासी औरत स्वतंत्र-आजाद हैं। उन्हें बराबरी का हक मिला हुआ है। परंतु परिस्थितियां सोच के अनुरूप नहीं हैं। इसलिए झारखंड की महिलाओं के लिए, उनके मुद्दों के लिए एक और हूल की जरूरत थी। और उस हूल का आगाज कर दिया है हेमंत सोरेन ने। हेमंत सोरेन ने उन्हें सशक्त बनाने का जो बीड़ा उठाया है, वह किसी क्रांति से कम नहीं है।

> हेमंत सोरेन झारखंड को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उन्हें पता है कि झारखंड की महिलाओं को किन परेशानियों से गुजरना पड़ता है। हेमंत सोरेन अबुआ राज की बात करते हैं और अबुआ राज महिलाओं को सशक्त बनाये बिना हासिल नहीं किया जा सकता। 1855 में संथाल हूल के नायकों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव ने अंग्रेजी सत्ता पोषित साहूकारी व्यवस्था के खिलाफ हथियार उठाया और आजादी की पहली लड़ाई लड़ी। तब उसमें उनका साथ उनकी दो बहनों, फूलो और झानो ने भी दिया था। यह इसलिए, क्योंकि आदिवासी महिलाएं पहले से ही सशक्त रहती आयी हैं। उन्हें समाज में अपना योगदान पता है। वर्ष 1899-1900 में बिरसा मुंडा के उलगुलान में भी महिलाओं की महती भूमिका थी। बिरसा मुंडा की दो महिला अंगरक्षक भी थीं।

हेमंत सोरेन की एक कल्पना ने झारखंड की महिलाओं की किस्मत बदल दी

झारखंड के आदिवासी समुदाय में लड़कियों के जन्म को गोहार भरने के साथ जोड़ा जाता है। लड़कियां सयानी बेटी के रूप में घर, परिवार और समाज में स्वीकार की जाती हैं। कन्या भ्रूण हत्या यहां न के बराबर है। अतः आदिवासी क्षेत्रों में लड़कियों की सघन उपस्थिति देखी जाती है। झारखंड के आदिवासी समुदाय के पास संघर्ष और आंदोलन का एक लंबा इतिहास है। आदिवासी समुदाय की महिलाओं को भी अपनी स्मृतियों को ताजा रखना होगा, वर्तमान यथार्थ पर बारीकी से विचार करना होगा, शिक्षा और जागरूकता से भविष्य के लिए सपने देखने होंगे।

आज झारखंड की महिलाएं, जो हेमंत सोरेन को झोली भर-भर कर आशीर्वाद दे रही हैं, उसके वह सही मायने में हकदार हैं। हेमंत सोरेन ने आखिर झारखंड की महिलाओं के लिए वह कर दिखाया, जिसकी वे हकदार बरसों से रही हैं। चुनाव के दौरान विपक्ष ने कहा कि हेमंत सोरेन यह सब चुनाव जीतने के लिए कर रहे हैं। लेकिन महिलाओं ने विपक्ष को ऐसा जवाब दिया कि आज विपक्ष चारों खाने चित है। आज झारखंड की महिलाएं आत्मविश्वास से लबरेज हैं। उनका खुद पर भरोसा बढ़ा है। आज वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की कल्पना कर सकती हैं। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ सकती हैं। सच में हेमंत सोरेन की एक कल्पना ने झारखंड की महिलाओं की किस्मत बदल दी है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
198000 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	22.7 °C	11.4 °C
सूर्यास्त (आज)	:	17.18 बजे
सूर्योदय (कल)	:	06.32 बजे

आजाद सिपाही
रांची, बुधवार, 08 जनवरी, 2025
www.azadsipahi.in

राष्ट्रीय खादी और सरस महोत्सव 2024-25 का समापन

आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतिनिधित्व करती है खादी : राज्यपाल

कहा- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक रही है खादी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड तथा ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह महोत्सव न केवल हमारी सांस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि ग्रामीण विकास और स्वरोजगार के लिए एक सशक्त मंच भी है। उन्होंने खादी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों का प्रतीक बताते हुए कहा कि खादी आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतिनिधित्व करती है। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक रही है और आज भी हमारे कारीगरों को रोजगार देने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और आत्मनिर्भरता को सशक्त बना रही है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन के कारण खादी को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से खादी को जन आंदोलन बनाने की उनकी पहल से ग्रामीण कारीगरों और श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

राज्यपाल ने कहा कि इस महोत्सव के माध्यम से महिला उद्यमियों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित उत्पादों से महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर हो सकती हैं, बल्कि देश की आर्थिक समृद्धि में भी महत्वपूर्ण योगदान कर सकती हैं। उन्होंने इस महोत्सव में भाग लेने वाले बुनकरों, हस्तशिल्पियों और कारीगरों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन कारीगरों के श्रम और कौशल ने झारखंड के ग्रामीण उद्यमों की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया है। राज्यपाल ने आम जनमानस से खादी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों को अपनाकर हम न केवल हमारे ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बना सकते हैं, बल्कि उनकी आर्थिक समृद्धि की दिशा में भी योगदान कर सकते हैं। राज्यपाल ने झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार और सभी स्टॉलधारकों एवं कारीगरों को इस आयोजन की सफलता के लिए बधाई दी।

इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्य को प्राथमिकता दें सभी उपायुक्त : अलका तिवारी

अधिकारियों को जमीन की समस्या दूर करने का भी निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य के सभी उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि इंफ्रास्ट्रक्चर के कार्यों को प्राथमिकता देकर उनमें आ रही रुकावटों को जिला स्तर पर ही दूर करें। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे कारणों से प्रोजेक्ट रुक जाते हैं। उसकी लागत भी अनावश्यक रूप से बढ़ती है। इससे रिसोर्स का और राज्य का नुकसान होता है। अगर, थोड़ा सा अतिरिक्त ध्यान दिया जाये, तो जिला स्तर पर ही समस्या का समाधान हो जायेगा। वह मंगलवार को राज्य में नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया, रेलवे ओवरब्रिज और राज्य सड़क निर्माण विभाग की उन योजनाओं की समीक्षा कर रहीं थीं, जो मुआवजा, भूमि अधिग्रहण, फॉरेस्ट क्लियरेंस और विधि व्यवस्था जैसे कारणों से बाधित हैं। बताते चलें कि राज्य में एनएचएआइ की 38 हजार 483 करोड़ की योजनाएं चल रही हैं। वहीं अनेक रेलवे ओवरब्रिज का काम भी जारी है। राज्य सरकार की सड़कों का विस्तार और चौड़ीकरण की भी हजारों किलोमीटर का काम चल रहा है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रोजेक्ट पूरा होने में देरी से राज्य को केंद्र से सड़क निर्माण की नयी योजनाएं मिलने में दिक्कत हो रही है। राज्य में सड़क निर्माण में सबसे बड़ी बाधा भूमि अधिग्रहण, मुआवजा, फॉरेस्ट क्लियरेंस और विवाद है। मुख्य सचिव ने समीक्षा के दौरान जब इस बाबत संबंधित उपायुक्तों का पक्ष जाना, तो लगभग सभी ने कुछ दिन और महीने के भीतर निर्माण में आ रही रुकावटों को दूर करने की बात कही। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि जो समयसीमा उपायुक्तों ने समस्या समाधान के लिए तय किया है, वे उसका पूरी क्षमता से पालन करें। ससमय रुकावट दूर करें। समस्या समाधान के लिए तय समय में बढ़ोत्तरी नहीं की जायेगी। समीक्षा के दौरान पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव चंद्रशेखर समेत एनएचएआइ, वन विभाग आदि के अधिकारी भी मौजूद थे। वहीं सभी संबंधित उपायुक्त वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे।

समन्वय बना कर निकालें समाधान

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी उपायुक्त जिला स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर के कामों को प्राथमिकता देते हुए उसकी सतत निगरानी करें। अनावश्यक बाधा पहुंचाने वालों पर कार्रवाई करें। लगातार सभी विभागों से समन्वय बनाते हुए तय समय पर योजना पूरी करायें। इंफ्रास्ट्रक्चर के कामों की बाधा को तत्काल दूर करें। विधि व्यवस्था, फॉरेस्ट क्लियरेंस और मुआवजा भुगतान के कारण कोई काम नहीं रुकना चाहिए।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।

वृष समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।

मिथुन आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रुचि बढ़ेगी।

कर्क काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।

सिंह कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।

कन्या बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

धनु आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मीन किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

मंत्री इरफान अंसारी के जनता दरबार में लोगों ने की शिकायतें

किसी को मंईयां सम्मान योजना की राशि नहीं मिल रही, किसी को सीओ कर रहा परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नयी सरकार गठन के बाद से सीएम हेमंत सोरेन के साथ सभी मंत्री एक्शन मोड में दिखायी दे रहे हैं। सभी मंत्री जनता दरबार लगा कर लोगों की समस्या सुनने के साथ पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दे रहे हैं। झारखंड कांग्रेस मुख्यालय में मंगलवार को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने जनता की समस्याएं सुनीं।

इस दौरान कुल 40 शिकायतें मंत्री के पास पहुंचीं, जिसमें सबसे अधिक स्वास्थ्य से जुड़ी आठ शिकायतों के साथ नौकरी से संबंधित 7, जमीन विवाद और सीओ ऑफिस के 3 और थाना से संबंधित 2 आवेदन के साथ मंईयां सम्मान और अबुआ आवास से संबंधित शिकायतों को मंत्री ने सुना। साथ ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिये। जानता दरबार में पहुंचे नगड़ी अंचल के एक फरियादी ने बताया कि उसकी 14 डिसमिल जमीन को चार डिसमिल कर दिया गया। वह सुधार के लिए एक साल से अंचल कार्यालय का चक्कर लगा रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। राजस्व कर्मचारी और सीआइ की तरफ से 10 हजार रुपये की मांग की जा रही है। वहीं दूसरे फरियादी फार्मासिस्ट थे। वह प्राइवेट कॉलेजों की शिकायत लेकर पहुंचे थे। उनका कहना था कि परीक्षा में पैसा लेकर पास कर दिया जा रहा है, जिस पर लगाम लगाने की जरूरत है, क्योंकि अगर कोई फार्मासिस्ट बिना जानकारी के काम करता है तो वह गलत दवा दे सकता है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य का नुकसान होगा। स्वास्थ्य मंत्री से मिलने आये रांची के रिम्स में कार्यरत महिला स्वास्थ्य कर्मी ने स्वास्थ्य मंत्री से अपनी समस्याओं को अवगत कराया। कहा कि मेरी समस्या है कि विगत 6 वर्षों से कांट्रैक्ट बेसिस पर कार्य कर रहे हैं और परमानेंट करने की बात हमने रखी। स्वास्थ्य मंत्री की ओर से हमें आश्वस्त किया गया है। जनता दरबार में पहुंची एक फरियादी ने बताया कि उनके पिता जी को कैंसर है और उनका इलाज मुख्यमंत्री गंभीर योजना के तहत होना है। लेकिन अस्पताल के लोगों ने बताया कि फंड में राशि खत्म हो गयी है।

इसी बीच एक महिला के पति ने बताया कि उनकी पत्नी को अब तक मंईयां सम्मान की राशि नहीं मिली है। वहीं जनता दरबार में लोगों की समस्या सुन रहे स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लोगों की परेशानियों से मैं अवगत होने के साथ आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दे रहा हूं। 14 के बाद आपको अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा।

मंईयां सम्मान योजना के नाम पर सुरक्षा से खिलवाड़ थानों की गाड़ियों में पेट्रोल भराना भी अब आफत : बाबूलाल

हिमाचल जैसे राज्यों की तरह झारखंड के सरकारी कर्मचारियों के वेतन के भी लाले न पड़ जायें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा। राज्य की अर्थव्यवथा पर सवाल खड़ा किये। सोशल मीडिया (एक्स) पर लिखा कि सूचना आ रही है कि झारखंड मुख्यालय राजधानी रांची में थानों के पुलिस वाहनों में बकाया भुगतान नहीं होने के कारण पेट्रोल पंप वाले पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति नहीं कर रहे हैं। झारखंड के 25 वर्षों के इतिहास में ऐसी बदतर आर्थिक स्थिति कभी देखने को नहीं मिली। राज्य में जिस प्रकार से हत्या, लूट, बलात्कार, चोरी, डकैती की घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में पुलिस की पेट्रोलिंग को बाधित करना राज्य को अपराध के मुंह में धकेलने जैसा है। ऐसा लगता है कि एक मंईयां सम्मान योजना में पीठ थपथपाने के लिए हेमंत सरकार ने सारे विभागों के बजट को डायवर्ट कर दिया है। मंईयां सम्मान के नाम पर बहन-बेटियों की सुरक्षा जो पहले से ही कमजोर है और कमजोर करने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। जिस प्रकार से रोज नये कारनामे उजागर हो रहे और इंडी गठबंधन के नेता वादे से मुकरने लगे हैं। यह पूरी तरह राज्य की ध्वस्त अर्थव्यवस्था को उजागर कर रहा है। आने वाले दिनों में इसकी आशंका भी प्रबल हो रही है कि हिमाचल जैसे राज्यों की तरह झारखंड राज्य के सरकारी कर्मचारियों के वेतन के भी लाले न पड़ जायें।

समाज के हर तबके को आप सरकार ने ठगा : प्रदीप वर्मा

सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने दिल्ली में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया

आजाद सिपाही संवाददाता

दिल्ली/रांची। दिल्ली प्रदेश में होनेवाले विधानसभा चुनाव के निमित्त सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने सघन जनसंपर्क अभियान चलाया और लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। आगामी विधानसभा चुनाव के आलोक में दिल्ली प्रदेश भाजपा द्वारा आयोजित स्वर्णकार सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली की सरकार दिल्ली वालों के लिए आपदा बन गयी है। समाज के हर तबके को इन्होंने ठगा और सत्ता हासिल किया। सड़कें-नालियां बदहाल स्थिति में हैं, लोग स्वच्छ पेयजल के अभाव में गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधा में गंभीर भ्रष्टाचार है। केंद्र की स्वास्थ्य योजनाओं से जनता को वंचित रखा जा रहा है। आप सरकार यमुना की सफाई में विफल हो गयी है, जनसरोकार से मुंह मोड़ लिया है, शिक्षा स्वास्थ्य और शराब में घोटाला करना, शीश महल का निर्माण करवाना इनकी प्राथमिकता हो गयी है। इस जनविरोधी भ्रष्टाचारी वादों से मुकरने वाली सरकार, जिसके कारण प्रदेश का विकास रुक गया है, उसे सबक सिखाना है। पिछले दस वर्षों से चल रहे इनके कुशासन को और जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकना है। इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा को अपना आशीर्वाद देकर डबल इंजन की सरकार बनायें, जनसरोकार को पूरा करने और प्रदेश एवं देश को मजबूत करने वाली सरकार बनायें।

बाबूलाल मरांडी, संजय सेठ, अर्जुन मुंडा समेत 40 नेता के खिलाफ हाइकोर्ट ने पीड़क कार्रवाई पर रोक रखी जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची में 23 अगस्त 2024 को भारतीय जनता युवा मोर्चा की मोरहाबादी मैदान में रैली के दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिसकर्मियों के साथ झड़प मामले में झारखंड बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद बीडी राम, संजय सेठ, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा समेत 40 आरोपियों की ओर से लालपुर थाने में दर्ज एफआइआर को निरस्त करने को लेकर दाखिल याचिका की सुनवाई झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से प्रतिशपथ पत्र दाखिल करने के लिए समय की मांग की गयी। कोर्ट ने प्रार्थियों को सरकार के प्रतिशपथ पत्र का प्रतिउत्तर दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया।

अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। तब तक हाइकोर्ट ने बाबूलाल मरांडी समेत 40 आरोपियों के खिलाफ लालपुर थाना में दर्ज प्राथमिकी में पीड़क कार्रवाई पर रोक जारी रखी है। कोर्ट में जिनके खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक लगायी है उनमें झारखंड बीजेपी अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, सांसद बीडी राम एवं संजय सेठ, पूर्व विधायक अमर कुमार बाउरी, सांसद ढुल्लू महतो, विधायक कुशवाहा शशि भूषण के अलावा भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव, शशांक राज, सत्येंद्र नाथ तिवारी, मंगल मूर्ति तिवारी, अर्पना सेनगुप्ता, अमित कुमार, अमरदीप यादव, नीरा यादव, आरती कुजूर, वरुण कुमार, इंदु शेखर मिश्रा, राज्यसभा सांसद प्रदीप कुमार वर्मा, आदित्य प्रसाद, सांसद विद्युत वरण महतो, रांची विधायक सीपी सिंह, भाजपा विधायक नवीन जायसवाल, संजीव विजयवर्गीय, कुणाल यादव, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी, नारायण दास, पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय, केदार हाजरा, रमेश कुमार सिंह, पुष्पा देवी आदि शामिल हैं। मामले में लालपुर थाना में इनके खिलाफ कांड संख्या 203/ 2024 दर्ज किया गया है। बता दें कि मामले में लालपुर थाना ने 51 नामजद और 12 हजार अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

पंचायत से पार्लियामेंट कार्यक्रम में देशभर से 500 निर्वाचित जनप्रतिनिधि आदिवासी महिलाएं नयी दिल्ली पहुंची

केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने झारखंड की 22 आदिवासी महिला प्रतिनिधियों का स्वागत किया

आजाद सिपाही संवाददाता

दिल्ली/रांची। पंचायत से पार्लियामेंट कार्यक्रम में देशभर से 500 निर्वाचित जनप्रतिनिधि आदिवासी महिलाएं नयी दिल्ली पहुंची। राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में झारखंड से भी 22 आदिवासी महिला प्रतिनिधियों की सहभागिता रही। मंगलवार को उन सभी बहनों को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने नयी दिल्ली स्थित आवास पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ के साथ अभिनंदन किया। आवास पर इन सभी महिला जनप्रतिनिधि बहनों से संवाद किया। राष्ट्रीय महिला आयोग के द्वारा आयोजित कार्यक्रम ने ऐसी बहनों को बड़ा मार्गदर्शन देने का काम किया है। अब ये बहनें महिला सशक्तिकरण के साथ आदिवासी हितों की रक्षा सहित अन्य मुद्दे पर और भी मुखर होकर समाज के साथ खड़ी रहेंगी। साथ ही संसद भवन परिसर में स्थित भगवान बिरसा मुंडा एवं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस अवसर पर भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यदुनाथ पांडेय उपस्थित थे।

डीजीपी, डीजी होमगार्ड हाइकोर्ट में हुए हाजिर

कोर्ट ने अवमानना याचिका किया ड्रॉप

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड हाइकोर्ट ने होमगार्ड जवानों को समान काम के बदले समान वेतन देने के मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान हाइकोर्ट में डीजीपी अनुराग गुप्ता और डीजी होमगार्ड अनिल पालटा कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। कोर्ट ने अवमानना याचिका को ड्रॉप करते हुए कहा कि चूंकि इस मामले में राज्य सरकार अपील (एलपीए) में गयी है, इसलिए होमगार्ड के जवानों का एरियर सरकार की अपील के फैसले पर निर्भर करेगा। कोर्ट ने कहा कि होमगार्ड को वर्तमान में मिल रही बढ़ी हुई सैलरी मिलती रहेगी। इससे पूर्व महाधिवक्ता राजीव रंजन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि हाइकोर्ट के 25 अगस्त 2017 के प्रभाव से होमगार्ड जवानों को बढ़े हुए वेतन का लाभ देने के हाइकोर्ट के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने हाइकोर्ट में अपील दाखिल की है। राज्य सरकार ने 10 अगस्त 2024 को होमगार्ड के जवानों को पुलिसकर्मियों के समकक्ष समान कार्य का समान वेतन देने का आदेश जारी किया है। जिसके आधार पर वर्तमान में होमगार्ड जवानों को बढ़ी हुई सैलरी मिल रही है। होमगार्ड जवानों को एरियर भुगतान में कई वित्तीय कठिनाइयां भी हैं, सरकार स्तर पर अभी इस पर निर्णय नहीं हुआ है।

दरअसल, पूर्व में कोर्ट ने राज्य सरकार को 25 अगस्त 2017 के प्रभाव से होमगार्ड जवानों को बढ़े हुए वेतन का लाभ देने का निर्देश दिया था। कहा कि आदेश की तारीख से पुलिसकर्मियों के समकक्ष होमगार्ड जवानों को समान कार्य के लिए समान वेतन का लाभ देना होगा। दो माह में एरियर का भुगतान करने का निर्देश दिया था। इसी आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने हाइकोर्ट में अपील दाखिल की है। उल्लेखनीय है कि प्रार्थी झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय प्रसाद ने अवमानना याचिका दायर की है। प्रार्थी ने एकल पीठ के आदेश का अनुपालन कराने की मांग की है। इस मामले में राज्य सरकार की एसएलपी सुप्रीम कोर्ट से पहले ही खारिज हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाइकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया था तथा एसएलपी खारिज कर दी थी।

बता दें कि होमगार्ड जवानों अजय प्रसाद एवं अन्य ने पुलिसकर्मियों के समान वेतन और अन्य लाभ के लिए के लिए झारखंड हाइकोर्ट में याचिका दायर की है।

यूथ फेस्टिवल में भाग लेने आइसेक्ट विवि की टीम कोलकाता रवाना

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। 38वां एआईयू ईस्ट जोन यूथ फेस्टिवल में भाग लेने परफॉर्मिंग आर्ट्स की सहायक प्राध्यापिका कुमारी सीमा व फाइन आर्ट्स के सहायक प्राध्यापक शिवदेव कुमार के साथ 28 प्रतिभागियों की टीम कोलकाता के लिए मंगलवार को रवाना हुई। बता दें कि यूथ फेस्टिवल 08 जनवरी से 12 जनवरी तक सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता में संचालित होगा। इस दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी, जिसमें आईसेक्ट विश्वविद्यालय की ओर से क्लासिक वोकल में ऋतिक राज, क्लासिकल इंस्ट्रूमेंल सोलो में साहिल सेन गुप्ता, विकास कुमार, लाइट वोकल (इंडियन) में निलेश कुमार, वेस्टर्न वोकल (सोलो) में अंशु सेन गुप्ता, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल (सोलो) में दीपक कुमार, ग्रूप सॉन्ग में नलिन, निलेश, ऋतिक, आर्यन व रोहित, लोकनृत्य में माधवी राज, शालिनी, वशु, रौशनी, स्वप्निल, अंशु, दिव्या, क्रांति, भीम व किशुन, रंगोली में निधि, मेंहदी में पल्लवी राणा, ऑन द स्पॉट पेंटिंग में कुमार कुशवाहा, क्ले मॉडलिंग में पवन कुमार, फोटोग्राफी में शैली सुमन, पोस्टर मेकिंग में निशि शर्मा, कोलाज मेकिंग में मंजू कुमारी, कार्टूनिंग में कृष्ण कुमार दांगी, इंस्टॉलेशन में निधि, कृष्ण, आनंद व पवन अपना-अपना प्रतिभा दिखायेंगे। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ साथ विश्वविद्यालय खेल-कूद व सांस्कृतिक गतिविधियों में भी विद्यार्थियों को बेहतर करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। वहीं कुलपति प्रो पीके नायक ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताया कि पिछले कुछ महीनों से जिस तरह यूथ फेस्टिवल को लेकर विद्यार्थियों ने मेहनत किया है, वह जरूर रंग लायेंगा।

विभावि नामांकन समिति की बैठक, लिये कई निर्णय

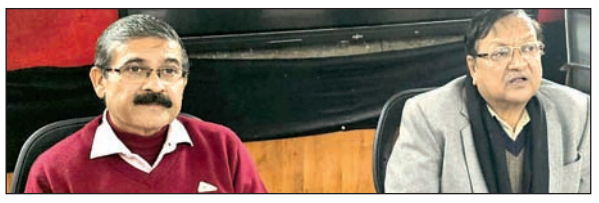

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। विनोबा भावे विश्वविद्यालय में स्नातक पाठ्यक्रमों हेतु सत्र 2025-26 के लिए नामांकन अब 12वीं की परीक्षा के प्राप्तांक के आधार पर किया जायेगा। इसी प्रकार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए नामांकन अब स्नातक के प्राप्तांक के आधार पर किया जायेगा। उक्त निर्णय शनिवार को आयोजित विश्वविद्यालय के नामांकन समिति की बैठक में लिये गये। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार ने किया। उन्होंने बताया कि नामांकन प्रक्रिया ऐसी हो जिससे विद्यार्थियों को बेवजह की परेशानी ना हो। ज्ञात हो कि यह दोनों स्तर पर नामांकन कुछ वर्षों से सीयूइटी परीक्षा के आधार पर किया जा रहा था। इससे एक तरफ जहां विद्यार्थियों को बेवजह एक परीक्षा का खर्च का वहन करना पड़ता था वही परीक्षा के दूरस्थ केंद्र को लेकर भी परीक्षार्थी परेशान होते थे। नियमित पाठ्यक्रमों में भी फिर से परीक्षा के आधार पर नामांकन लेने के औचित्य पर भी सवाल उठ रहे थे। बैठक में आंकड़ा प्रस्तुत किया गया कि सत्र 2024-25 में स्नातक स्तर पर 49423 नामांकन में से मात्र 5539 नामांकन सीयूइटी के आधार पर हुए थे। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर पर कल 4950 नामांकन में से में मात्र 950 नामांकन सीयूइटी से हुए थे। इस प्रकार केवल सीयूइटी के आधार पर नामांकन लेने से विश्वविद्यालय के 80-90 प्रतिशत स्थान रिक्त रह जाते। विश्वविद्यालय को बाध्य होकर नामांकन के लिए दो पद्धतियों का अनुसरण करना पड़ा था जिसमें बहुत समय नष्ट हुए थे। बैठक में इस पूरे मामले की समीक्षा करते हुए सदस्यों ने पाया कि इसी कारण पिछले कुछ वर्षों से लगातार सत्र अनियमित हो रहे हैं। बैठक में जनवरी महीने तक चल रहे नामांकन प्रक्रिया की समीक्षा की गयी। प्रस्ताव लिया गया कि अगले सत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया को हर हालत में दिवाली की छुट्टियां से पूर्ण संपन्न कराने की योजना बनायी जायेगी। बैठक में प्रो मिथिलेश कुमार सिंह, प्रो विमल कुमार मिश्रा, डॉ एचएन सिन्हा, डॉ विकास कुमार, डॉ सुकल्याण मोइत्रा, डॉ सादिक रज्जाक, डॉ सुनील कुमार दुबे और नामांकन कोषांग के नोडल अधिकारी डॉ इंद्रजीत कुमार उपस्थित थे।

ग्रिजली विद्यालय में करियर काउंसिलिंग

कोडरमा (आजाद सिपाही)। ग्रिजली विद्यालय के सभागार में एक कैरियर कांऊसलिंग का आयोजन किया गया। मौके पर वर्ग एकादश के विज्ञान संकाय के छात्रों को संबोधित करते हुए वक्ता और एमबीबीएस कर रहे ऋषि राज ने छात्रों को विभिन्न मेडिकल महाविद्यालयों में प्रवेश परीक्षा और पाठ्यक्रम से छात्रों को परिचित कराया। उन्होनें नीट की परीक्षा, समय प्रबंधन, मेंटल हेल्थ, स्ट्रेस मैनेजमेंट जैस गंभीर विषयों पर छात्रों से बात करते हुए कहा कि सफलता एक दिन में नही मिलती, किन्तु एक दिन जरूर मिलती है। मौके पर विद्यालय के छात्र स्मृति, गरिमा, प्राची, शौर्य तरवे, रिसीका द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर भी दिया। मौके पर अपने संबोधन में सीईओ प्रकाश गुप्ता और प्राचार्या अंजना कुमारी ने आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के सफल संचालन में स्टूडेंट सर्विस सेल के प्रभारी सुधांशु कुमार, आलोक कुमार, मनीषा चन्द्रा, संजीव कुमार जायसवाल, ब्वाईज वाईस कैप्टन सार्थक सिन्हा, गर्ल्स वाईस कैप्टन शीतल कुमारी की भूमिका सराहनीय रही।

प्रभावित संघर्ष मोर्चा की बैठक संपन्न

जयनगर (**आजाद सिपाही**)। प्रखंड के फोरलेन चौक पर एक बैठक प्रभावित संघर्ष मोर्चा के बैनर तले किया गया। बैठक की अध्यक्षता सुखदेव यादव और संचालन रामदेव मोदी ने किया। युवा नेता महेश यादव ने कहा कि जमीन हमारा, मजदूर बंगाल, बिहार, यूपी का नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ एस पौंड है, तो दूसरी तरफ प्रदूषण से हम लोगों को जीना मुश्किल हो गया है। जल, प्रदूषण वायु प्रदूषण पर रोक लगाए डीवीसी, फिर विस्तारित करण का काम करें। वही बुलाकी यादव ने कहा कि डीवीसी में अस्पताल है लेकिन विस्थापितों के लिए नहीं। शिक्षा है लेकिन बड़े लोगों के लिए। डीवीसी आज तक विस्थापितों को ठगते आ रहा है। पुखराज राणा ने कहा कि डीवीसी का विस्थापित गांव पर ध्यान नहीं है। कार्यक्रम को सांसद प्रतिनिधि मनोज साव, मुखिया संजय साव, पंसस प्रतिनिधि भुनेश्वर यादव, प्रेम कुमार यादव सहित कई लोगों ने संबोधित किया। प्रभावित संघर्ष मोर्चा के द्वारा 12 सूत्री मांग पत्र केटीपीएस के मुख्य अभियंता, सांसद, विधायक, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया गया। मौके पर दिलीप यादव, मोहन राणा, सकलदेव यादव, राजू साव, सुभाष यादव, दिनेश चौधरी, संतोष राणा, राजेश मोदी, हकीम अंसारी, राजेश यादव, संजय यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

साढ़े तीन लाख रुपये की अफीम के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

एक लाख नगद और इको कार भी हुआ जब्त

केरेडारी से यूपी ले जाने की फिराक में थे तस्कर

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। नशा कारोबारियों पर हजारीबाग पुलिस लगातार प्रहार कर रही है। इसी क्रम में हजारीबाग पुलिस ने केरेडारी से नशा के पांच सौदागर को धर दबोचा है, जिनमें तीन यूपी के रहने वाले हैं। हजारीबाग मुख्यालय डी एस पी अमित कुमार ने मंगल को प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि सोमवार शाम में हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह को गुप्त सूचना मिली थी कि केरेडारी थाना क्षेत्र के तरहेसा से मनातू जाने वाली सड़क में कुछ लोग मोटरसाईकिल से अवैध अफीम लेकर जाने वाले है। उक्त सूचना एस डी पी ओ बडकागांव पवन कुमार के नेतृत्व में सड़क पर चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के क्रम में एक मोटरसाईकिल जेएच 13 बी 9829 को रोका गया तो मोटरसाईकिल चालक भागने लगा। भागने के कम में मोटरसाईकिल चालक को पकड़ लिया गया और मोटरसाईकिल का डिक्की को चेक किया गया तो पाया कि उक्त मोटरसाइकिल के डिक्की में एक काले रंग का प्लास्टिक में रखा हुआ 700 ग्राम अफीम एव 500 रूपया का नोट 200 (दो सौ पीस) कुल-100000 (एक लाख रूपया) नकद पाया गया। मोटरसाइकिल चालक से पूछ-ताछ करने पर अपना नाम बैजनाथ महतो, पिता तुलसी महतो, गांव बिलारी, हेवई, थाना केरेडारी बताया। गिरफ्तारी व्यक्ति से जब पूछ-ताछ किया गया तो वह बताया कि जगेश्वर दांगी, पिता पुरन दोंगी, इचाक खुर्द, थाना सिमरिया, जिला चतरा से अफीम खरीदकर आये थे। और उत्तर प्रदेश के दो व्यक्ति जिनसे शाहजहापुर जेल जाने के क्रम में मुलाकत हुई थी, उनको चौपारण में उस अफीम को उपलब्ध करा देना था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इस खरीद बिक्री में शामिल पाँच लोगों को धर दबोचा। पांचों के विरुद्ध केरेडारी थाना काण्ड सं-04/25, एनडीपीएस एक्ट-1985 के तहत कांड दर्ज किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्तों में

बैजनाथ महतो, पिता-तुलसी महतो, ग्राम-बिलारी, हेवई, थाना केरेडारी, जिला हजारीबाग, जगेश्वर दांगी, पिता पुरन दाँगी, ग्राम ईचाक खुर्द, थाना सिमरिया, जिला चतरा, अतीक अली, पिता - मजननु अली, ग्राम-अललागंज, मो अफनान, पिता-नेशार अहमद, ग्राम-काट और सनर, पिता-अली राज, ग्राम-अललागंज, थाना-अललागंज सभी जिला जिला शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

बरामदः 700 ग्राम अफीम, एक लाख रूपया नकद, एक ईक्को गाडी, एक मोटरसाईकिल पैशन प्रो, 4 पीस मोबाइल बरामद।छापामारी टीम में एस डी पी ओ पवन कुमार बड़कागांव, विवेक कुमार, थाना प्रभारी, केरेडारी, पुअनि अनुप कुमार, केरेडारी थाना और छापामारी दल शामिल थे।

दिशा की बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं की हुई समीक्षा

काम की गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं: अन्नपूर्णा

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक समाहरणालय सभागार में हुई।

बैठक में सांसद मनीष जायसवाल, विधायक बरही मनोज यादव, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, विधायक बरकट्ठा अमित यादव, विधायक मांडू तिवारी महतो, विधायक बड़कागांव रोशनलाल चौधरी, विधायक बगोदर नागेन्द्र महतो,जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, उपाध्यक्ष जिला परिषद किशुन यादव, उपायुक्त नैंसी सहाय और उप विकास आयुक्त इशियाक अहमद विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक में केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण और शहरी, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेय जलापूर्ति योजना, प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, नेशनल हेल्थ मिशन, सर्व शिक्षा अभियान, इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट स्कीम,उज्जवला योजना, के तहत रेलवे, हाईवे, वाटर वेज, माइंस आदि से संबंधित आधारभूत संरचना निर्माण की योजना, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, पीएमकेएसवाई, प्रधान मंत्री आदर्श ग्राम योजना से संबंधित विषयों पर चर्चा की गयी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार की सभी योजना की पहुंच आम जनता तक सुगमता से पहुंचे हम सभी जनप्रतिनिधि और अधिकारियों की यह महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है। जनकल्याणकारी योजनाओं का सही लाभ सही लाभुक तक और गुणवत्ता और तत्परता से मिले इसके लिए हमारी सजगता और संवेदनशीलता जरूरी है। काम की गुणवत्ता के साथ समझौता स्वीकार्य नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने विभागवार किये जा रहें कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिये। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने प्रमुख तकनीकी विभागों के द्वारा जारी निविदा प्रक्रियाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और उन प्रक्रियाओं को सुगम और पारदर्शी तरीके से क्रियान्वित करने का निर्देश दिया। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने शहरी जलापूर्ति योजनाओं के कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतने को कहा। उन्होंने कहा जिलापूर्ति योजना एक महत्वाकांक्षी योजना है, इस ग्रामीण और शहरी जिलापूर्ति योजना की नियमित रूप से निगरानी की जानी आवश्यक है। कृषि विभाग के द्वारा संचालित मिलेट मिशन,टपक सिंचाई, कृषि ऋण माफी योजना, कृषक पाठशाला और कुसुम योजना के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। बड़कागांव के हेन्देगीर विद्यालय के बगल में पुलिस कैंप को हटाने और बड़कागांव के चेपाकला के मध्य विद्यालय को शिफ्ट करने की बात कही। इस दौरान टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सबों को शपथ दिलायी गयी।

चंदवारा में नये थाना प्रभारी ने लिया प्रभार

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवारा। चंदवारा थाना प्रभारी के रूप में अवर निरीक्षक धनेश्वर कुमार ने मंगलवार को पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक अरविंद कुमार ने उन्हें पदभार सौंपा। बताते चले कि अरविंद कुमार लगभग 11 माह तक चंदवारा थाना में प्रभारी के रूप में रहे। मंगलवार को चंदवारा थाना प्रभारी के पद पर योगदान देने के बाद अवर निरीक्षक धनेश्वर कुमार ने कहा कि उनकी प्राथमिकता विधि व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करना है। सभी के सहयोग से थाना क्षेत्र में अमन-चैन रहेगा। जनता से मैत्रीपूर्ण वातावरण बनाया जायेगा ताकि कोई भी व्यक्ति थाना में अपनी समस्या को लेकर बेहिचक मिल सके। इसके अलावा पुलिस और पब्लिक के बीच की दूरी को कम करना है। आमजनों से सहयोग अपेक्षित है। पुलिस हमेशा सेवा के कार्य के लिए तत्पर है।

डीसी ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जनता दरबार में आमजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और समयबद्ध कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये फरियादियों ने व्यक्तिगत और सामाजिक मुद्दों को उपायुक्त के समक्ष रखा, जिसपर उन्होने यथोचित कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। फरियादियों ने जमीन विवाद, दाखिल खारिज करने, भूमाफिया लोगों के द्वारा जमीन अतिक्रमण तथा अत्याचार करने समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं व समस्याओं को लेकर उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया। उपायुक्त द्वारा पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रखंड कार्यालय के साथ-साथ अन्य संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों का जांचोंपरान्त समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

टमाटर के दाम गिरने से किसानों को आर्थिक नुकसान

सॉस फैक्टरी खोलने की किसान कर रहे मांग

दीपक सिंह

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। हजारीबाग टमाटर उत्पादन के लिए जाना जाता है। यहां से पूरे देश भर टमाटर सप्लाई किया जाता है, जिससे किसानों की अच्छी कमायी होती है। यहां पर किसान व्यापारिक स्तर पर टमाटर की खेती लगाते हैं। पिछले 1 सालों से टमाटर के भाव 30 से 40 रुपये प्रति किलो या इससे ऊपर बना हुआ था, लेकिन महज 15 दिनों के अंदर टमाटर के भाव अचानक से नीचे आ गया है। बाजार में अभी टमाटर 10 रुपये किलो बिक रहा है। वहीं किसान अपने खेतों में 4 रुपये से 5 रुपये किलो तक इसे बेच रहे है। टमाटर के एकाएक गिरे दाम के कारण से टमाटर की खेती करने वाले किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। अब हालत ऐसी हो गयी है कि टमाटर के किसान खेतों में ही टमाटर को छोड़ दे रहे हैं। क्योंकि तुड़ाई तक का खर्च नहीं निकल पा रहा है। यह हाल टमाटर, फूलगोभी और पत्ता गोभी के साथ भी है। टमाटर की खेती करने वाले किसान बताते हैं कि कई एकड़ की भूमि पर टमाटर की खेती लगायी थी। शुरूआती 4 तुड़ाई तक बाजार में इसे 25 से 40 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बचा था, लेकिन अचानक से टमाटर के भाव नीचे आ गये हैं, जिस कारण से महज पूंजी ही निकल पायी है। हालत ऐसे है कि अब तुड़ाई करने वाले मजदूरों को खर्च निकलना मुश्किल है। जो किसान देरी से टमाटर की खेती लगाये हैं उनकी पूंजी भी डूब रही है। होलसेल व्यापारी भी टमाटर खरीदने से बच रहे है। वहीं क्षेत्र के समाजसेवी बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि किसान देश के अन्नदाता है। सरकार को गिरे हुए टमाटर के भाव के प्रति सोचना चाहिए। हजारीबाग में व्यापक मात्रा में टमाटर की खेती की जाती है। यहां पर प्रखंड स्तरीय कोल्ड स्टोरेज और फूड प्रोसेसिंग यूनिट की जरूरत है। सरकार अगर यहां टमाटर सॉस की फैक्ट्री खोल दे तो टमाटर के दाम स्टेबल हो जायेगा।

सड़क सुरक्षा को लेकर प्रखंड कर्मियों ने ली शपथ

केरेडारी (आजाद सिपाही)। सड़क सुरक्षा सप्ताह 2025 के तहत प्रखंड सह अंचल कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों और कर्मियों के बी साथ ग्रामीणों ने मंगलवार को एक जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ता की भूमिका निभाते हुए शपथ लिया। इस अवसर पर अंचल अधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल ने उपस्थित लोगों को शपथ दिलाया और लोगों को सड़क पर सावधानी पूर्वक चलने, गाड़ी चलाने के लिए अधिकृत ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने, हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, नशा में वाहन नहीं चलाने सहित अन्य ट्रैफिक नियमों के पालन करने और इसके महत्व के बारे में भी बताया। उन्होंने क्षेत्र में आये दिन सड़क दुर्घटना से बचने के लिए लोगों से ट्रैफिक नियमों और सुरक्षा मानकों का भी पालन करने की अपील किया।

विष्णुगढ़ में उच्च विद्यालय गोविंदपुर के वार्षिकोत्सव में शामिल हुए जेपी पटेल

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। मांडू के पूर्व विधायक जय प्रकाश भाई पटेल उच्च विद्यालय गोविंदपुर में वार्षिकोत्सव में पहुंचे। आयोजित वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक पटेल ने स्व टेकलाल महतो की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनको नमन किया। समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा से मानसिक विकास के साथ-साथ ज्ञान और कौशल में वृद्धि होती है। शिक्षा बच्चों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। मैं और मेरे पिताजी के द्वारा शुरू से ही विष्णुगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर संभव कार्य किये गये हैं और आगे भी शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान जारी रहेगा। वार्षिकोत्सव में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पूर्व विधायक श्री पटेल के द्वारा सम्मानित भी किया गया और उन्होंने अपनी ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों के अलावा पूर्व जिला अध्यक्ष झामुमो शंभु लाल यादव, गुरु प्रसाद साव, हीरामन महतो, सोमर महतो, तारकेश्वर महतो, समेत इंडिया गठबंधन के कार्यकर्तागण, अभिभावकगण और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

सदर विधायक ने जनता से किया सीधा संवाद, समस्याओं को जाना

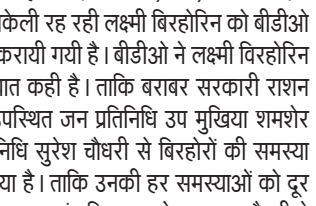

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंगलवार को सुबह अपने विधायक सेवा कार्यालय में क्षेत्र की जनता से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया। सुबह 8:30 बजे ही श्री प्रसाद अपने कार्यालय में उपस्थित हो गये थे। क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से आये नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत, सामाजिक, और प्रशासनिक समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। इनमें राशन कार्ड, पेंशन, सड़क, बिजली, पानी की समस्याएं और विकास कार्यों में आ रही बाधाओं से संबंधित मुद्दे प्रमुख थे। श्री प्रसाद ने सभी समस्याओं को सुना। विधायक ने मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान कराया। संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिये और आवश्यक फीडबैक भी प्राप्त किया। कुछ जटिल मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा की आपकी समस्याएं मेरी अपनी समस्याएं हैं। जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास के लिए मैं सदैव तत्पर हूं। हर समस्या का समाधान होगा। उपस्थित जनता ने विधायक के प्रयासों और उनकी तत्परता की सराहना की। विधायक श्री प्रसाद ने यह भी कहा कि इस प्रकार का सीधा संवाद कार्यक्रम जनता से जुड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

सीओ, बीडीओ ने बांटे कंबल और अनाज

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। सीओ मनोज कुमार, बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल अपने टीम के साथ कमार्टाड़ बिरहोर टोला पहुंचकर बिरहोर लोगों की समस्याओं से रूबरू हुए। इस दौरान सभी 20 बिरहोर सदस्यों को एक-एक कंबल दिया गया। वही अपने तीन बच्चों के साथ अकेली रह रही लक्ष्मी बिरहोरिन को बीडीओ द्वारा तत्काल 50 किलो चावल मुहैया करायी गयी है। बीडीओ ने लक्ष्मी विरहोरिन की जल्द ही राशन कार्ड बनाने की बात कही है। ताकि बराबर सरकारी राशन मिलता रहे। इस दौरान बीडीओ ने उपस्थित जन प्रतिनिधि उप मुखिया शमशेर अंसारी, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सुरेश चौधरी से बिरहोरों की समस्या उसकी डिमांड लेटर देने को कहा गया है। ताकि उनकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा सके। वहीं बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने भी बिरहोरों की समस्याओं को गंभीरता से लिया, उन्होंने कहा है कि विलुप्त हो रहे बिरहोर अनुसूचित जनजाति को बचाना बहुत जरूरी है। मैं उनकी विकास और उन्नति के लिए सदन में आवाज उठाऊंगा, मैंने मंगलवार को हजारीबाग की बैठक में भी इस मामले को उठाया है, ताकि प्रशासन द्वारा बिरहोरों की समस्याओं की अनदेखी नहीं किया जा सके।

श्री श्री शतचंडी महायज्ञ सह विश्वकर्मा प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी में जुटे श्रद्धालु

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तुईयो में श्री श्री शतचंडी महायज्ञ भगवती, हनुमत सह विश्वकर्मा प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी में भक्तजन जुट गये हैं। विदित हो कि उक्त कार्यक्रम हेतु प्राण प्रतिष्ठा 4 फरवरी से प्रारंभ की जायेगी। वहीं यज्ञ को लेकर कमेटी का गठन किया गया है। जिसमें सर्वसम्मति से उत्तिम महतो को अध्यक्ष, संयोजक आई पी भारती, राजेश कुमार को उपाध्यक्ष, बसंत कुमार को सचिव, बीरेंद्र राणा को उप सचिव, नंदकिशोर कुमार को कोषाध्यक्ष, फलजीत राणा को उप कोषाध्यक्ष, बिनोद भगत को सह उपाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। वहीं प्रचार और यज्ञ शाला के लिए कामेश्वर प्रसाद, रामू राम, बिरेंद्र राणा, खिचड़ी वितरण के लिए संदीप कुमार को चुना गया। इस मौके पर राम प्रसाद राम, नारायण प्रसाद, रामचंद्र प्रसाद, कुलदीप राणा, धीरेंद्र प्रसाद, भीखलाल राणा, लालमणि प्रसाद समेत आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

एक शाम गौ माता के नाम का आयोजन 14 को

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। श्याम शरण में आजा रे का तृतीय श्री श्याम महोत्सव व एक शाम गौ माता के नाम कार्यक्रम का आयोजन 14 जनवरी को गौशाला में किया जायेगा। इसको लेकर तैयारी जोरों पर है। कार्यक्रम के संयोजक संतोष लड्ढा, सह संयोजक विपुल चौधरी, आयुष पोद्दार ने बताया कि इस दिन संध्या 3:15 बजे से बाबा श्याम का दरबार के साथ ज्योत कार्यक्रम का आयोजन होगा।

अफीम की अवैध खेती पर चला ट्रैक्टर

हंटरगंज/चतरा(आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के जंगली इलाकों में पुलिस और वन विभाग की टीम मंगलवार को अफीम खेती के विरुद्ध जबरदस्त कार्रवाई की है। प्रखंड क्षेत्र के लूटा गांव में 4 एकड़ गैर वन भूमि और 1 एकड़ वन भूमि पर लगाये गये अफीम के फसल को 3 ट्रैक्टर और एक जेसीबी से नष्ट कर दिया है। सघन जंगली इलाकों में कार्रवाई के बाद अफीम तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी हो कि चतरा पुलिस अधीक्षक विकास पांडे के द्वारा मादक पदार्थों की खेती और बिक्री रोकने की इन दिनों एक्शन मूड में हैं लगातार पोस्ता उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है लोगो को पोस्ता की खेती से होनेवाले दुष्प्रभाव और कानूनी कार्रवाई और पोस्ता की खेती नहीं करने की शपथ दिलायी थी। इसके बावजूद लोगों ने पोस्ता की खेती की है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में मंगलवार को पुलिस और रेंजर सूर्यभूषण कुमार के नेतृत्व में वन विभाग संयुक्त टीम के द्वारा अति सघन और जंगली, उग्रवाद प्रभावित लूटा जंगल के पहाड़ की तलहटी गैरवन भूमि खेतों में लहलहा रहे मादक पदार्थ की खेती को अभियान चलाकर विनष्ट किया गया। प्रशासन द्वारा 3 ट्रैक्टर और जेसीबी मंगवा कर तैयार हो रहे पौधों को रौंद दिया गया। पुलिस के अनुसार 5 एकड़ भुमि से फसल नष्ट किया गया। अभियान एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने स्पष्ट कहा कि अफीम खेती में संलिप्त रहने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जायेगा। इस करवाई में थाना प्रभारी मनीष कुमार, सीआरपीएफ 190 बटालियन, प्रभारी वनपाल मनीष कुमार, वनरक्षी चंदन कुमार, रितेश कुमार विश्वकर्मा, और अन्य दैनिक मजदूर और पुलिस बल के जवान शामिल थे।

एलेक्सा रिसोर्ट में जुटे थे श्रीवास्तव गैंग के अपराधी, चार गिरफ्तार

रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण में लगी एमजीसीपीएल कंपनी के बेस कैंप पर चली थी गोली

अपराधियों के पास से दो पिस्टल, तीन कार और 6 मोबाइल हुआ जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जिले में संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस काफी संवेदनशीलता से कार्रवाई कर रही है। अपराधियों की भनक लगते ही पुलिस ना सिर्फ अलर्ट हो रही है, बल्कि बेहद शातिर तरीके से अपराधियों को दबोच भी रही है। रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड में एलेक्सा रिसोर्ट में जुटे अपराधियों को पुलिस ने भी बेहद नाटकीय तरीके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधी श्रीवास्तव गैंग से ताल्लुकात रखते थे। वे लोग वहां पतरातू क्षेत्र में ठेकेदारों को धमकाने की योजना बना रहे थे। मंगलवार को एसपी अजय कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया कि श्रीवास्तव गिरोह के चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें पतरातू थाने के स्टीम कॉलोनी निवासी दीपक कुमार, रोचाप गांव निवासी शहादत अंसारी, एहसान अंसारी और एक नाबालिक युवक शामिल है।

होटवार जेल में बंद अपराधियों के इशारे पर बनी योजना : एसपी अजय कुमार ने बताया कि अपराधियों की इस मीटिंग का पूरा प्लान होटवार जेल में बना था। जेल में बंद अमन श्रीवास्तव, रियाज अंसारी, शिव शर्मा और रतन सिंह के द्वारा धमकी दिये जाने और रंगदारी वसूलने की योजना बनायी गयी थी। इस मीटिंग को सफल बनाने के लिए एलेक्सा रिसोर्ट के बाहर तीन लोगों को रेकी करने के लिए लगाया गया था। एहसान अंसारी और एक अन्य नाबालिक युवक इस रेकी में शामिल था, जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। एसपी ने बताया कि दीपक कुमार और शहादत अंसारी का आपराधिक इतिहास रहा है।

टीम में एसडीपीओ पतरातू पवन कुमार, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, बासल थाना प्रभारी कैलाश कुमार, भुरकुंडा ओपी प्रभारी निर्भय कुमार गुप्ता, सब इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार रजक सहित पतरातू थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

अपराधियों में मचा हड़कंप

एसपी अजय कुमार ने बताया कि जैसे ही अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एलेक्सा रिसोर्ट को घेरा गया, वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने वहां मौजूद लोगों से पूछताछ शुरू की, तो कुछ लोगों ने चलाकी भी बरती। वह अपना फर्जी नाम पता बता कर भागने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन पुलिस को पहले पुख्ता जानकारी थी। कड़ाई से पूछताछ हुई और दीपक, शहादत, एहसान और एक अन्य अपराधी को दबोच लिया गया। दीपक और शहादत के पास से 9 एमएम का दो देसी पिस्टल और तीन जिंदा गोली बरामद हुआ है। इसके अलावा अपराधियों की स्कॉर्पियों गाड़ी जेएच 01 डीसी 5893, सुजुकी कार जेएच 01 एफएच 8859, एक बिना नंबर की कार और 6 मोबाइल जब्त हुआ है।

जेवर चुराने वाला चोर और सोनार गिरफ्तार

रामगढ़। घरों से जेवरात चोरी करने वाले चोर और जेवर गलाने वाले सोनार को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर एसपी अजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि शातिर और आदतन चोर व्यापारी साहू उर्फ.नेपाली साहू पकड़ा गया है। एसपी ने बताया कि वह शातिर चोर को हजारीबाग जिला के गिद्दी थाना क्षेत्र अंतर्गत मनुवा गांव से पकड़ा गया है। पूछताछ के दौरान उसने रामगढ़ और कुज्जू क्षेत्र में चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार अपराधी के घर से चोरी किया गया 40000 रुपए नगद, चार मोबाइल फोन, एक टैब और पांच चांदी का सिक्का भी बरामद हुआ है। उस अपराधी के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर जेवर गलाने वाले सोनार गोलपार निवासी ओमहरि सोनी को गिरफ्तार किया गया। ओमहरि सोनी की निशानदेही पर कांड में चोरी गये जेवरात को गलाकर बनाये गये विभिन्न प्रकार के आभूषण को उसके दुकान से बरामद किया गया है। बरामद आभूषण और सामान से संबंधित वैध कागजात की जब मांग की गयी तो उसके द्वारा कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। एसपी ने बताया कि दोनों गिरफ्तार व्यक्तियों को मंगलवार को जेल भेज दिया गया है। टीम में ये थे शामिल एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, रामगढ़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार, सब इंस्पेक्टर ओमकार पाल, मंजेश कुमार सिंह, आशुतोष कुमार सिंह, एएसआई सुजीत कुमार सिंह, आरक्षी निकेत कुमार, मिथिलेश यादव, बसंत यादव, ओम प्रकाश शामिल थे।

रेलवे लाइन बिछाने की योजना का विरोध

पतरातू (आजाद सिपाही)। पालू पंचायत के ग्राम किरीगड़ा सामुदायिक भवन में मंगलवार को ग्रामीण की बैठक हुई। बैठक में पूर्व मुखिया गंगाधर महतो पंसस अजय कुमार सिंह उप मुखिया उज्जवल कुमार सहित गांव के ग्रामीणों उपस्थिति थे। बैठक की अध्यक्षता बृजेश सिंह और संचालन राहुल सिंह ने किया। इस दौरान बैठक के माध्यम से पालू पंचायत के कीरीगडा गांव में पीवीयूएनएल के द्वारा नयी रेलवे लाइन बिछाने के योजना का विरोध और कड़ी निंदा की गयी। क्योंकि नयी रेलवे लाइन बिछाने से ग्राम किरीगड़ा पूरी तरह से उजड़ जायेगा। इसलिए नयी रेलवे लाइन प्रोजेक्ट को रोकने के लिए सर्व सहमति से बचाव संघर्ष समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष राहुल सिंह, सचिव इंद्रजीत कुमार, कोषाध्यक्ष भूपेंद्र कुमार, मीडिया प्रभारी ब्रजेश सिंह, उपाध्यक्ष कामेश्वर साव, सहसचिव संतोष कुमार सिंह, उपकोषाध्यक्ष मुकेंद्र कुमार, सोशल मीडिया प्रभारी उज्जवल कुमार, संरक्षक गंगाधर महतो, अजय कुमार सिंह, सुनीता देवी, हरिदास साव, छकनलाल सिंह, निरंजन सिंह, दीनदयाल सिंह, केशवर सिंह के अलावे अरविंद सिंह, सिकंदर सिंह, बलराम सिंह, उमेश सिंह, ओम कार सिंह, प्रमोद सिंह, दुर्गानंद सिंह, लोकेश्वर कुमार, सिद्धार्थ रजवार, आशीष मुंडा, देवेंद्र कुमार, विक्की कुमार, देवानंद कुमार, सोनू कुमार, कृष्णा सिंह, अखिलेश कुमार, अमन कुमार, राजेश साहू, कीर्तन साहू, पुकार साव को समिति में सदस्य के रूप में रखा गया है।

जीएम अजय सिंह को नव वर्ष की बधाई दी

उरीमारी (आजाद सिपाही)। विस्थापित समिति उरीमारी के प्रतिनिधि मंडल ने महाप्रबंधक कार्यालय बरका- सयाल पहुंच कर महाप्रबंधक अजय सिंह से मुलाकात कर नव वर्ष की बधाई दी। इस दौरान विस्थापित नेता दशई मांझी के नेतृत्व में विस्थापितों ने जीएम को अंग वस्त्र ओढ़ाकर और मिठाई खिलाकर बधाई दी। वहीं जीएम अजय सिंह ने भी विस्थापित समिति उरीमारी के सभी लोगों को मिठाई खिलाकर नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी। मौके पर विस्थापित नेता दशई मांझी, दिनेश करमाली, कार्तिक मांझी, सुखू मांझी, सुरेश मुर्मू, खेपन मांझी, जुगल करमाली, रैना मांझी, नकुल प्रजापति, तालो हांसदा, शिकारी टुडू, मनोज सिंह, परमेश्वर सोरेन, हेमलाल बेसरा, बिनोद सोरेन, अनिल मुर्मू, सिकंदर सोरेन, राजू पावरिया, दीपक मरांडी, जितेंद्र यादव, राजेश कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

यूको बैंक के 83वें स्थापना दिवस पर जीरो बैलेंस में खोला खाता

चरही (आजाद सिपाही)। चरही यूको बैंक शाखा का सोमवार को 83 वां स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर बैंक के शाखा प्रबंधक रोशन मिंज के द्वारा दीप जलाकर किया गया। मौके पर शाखा प्रबंधक रोशन मिंज ने बताया कि प्रकृति में संतुलन बनाये रखने और अपने आस पड़ोस में वातावरण को स्वच्छ बनाये रखने के लिए पौधरोपण अति आवश्यक है। उन्होंने बैंक कर्मियों और बैंक आये ग्राहकों को अपने आस पड़ोस में एक एक पेड़ लगाने की अपील की। मौके पर बैंक के मैनेजर ने बताया कि उपभोक्ताओं को बेहतर से बेहतर सुविधा प्रदान कराने को लेकर बैंक दृढ संकल्पित है। बैंक के सभी योजनाओं के बारे मे जानकरी दिया गया स्थापना दिवस पर मुख्य रूप से शामिल रोशन मिंज यूको बैंक मैनेजर चरही, चूरचू प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, समजसेवी विनायक दुबे, पूर्व उप प्रमुख चोलेश्वर महतो, जगरनाथ राणा, आलोक शरण, सुरजीत राम, मोहम्मद एहसान अंसारी, नीतीश कुमार, प्रवीण कुमार, विश्वजीत सिंह, प्रदीप करमाली, बिरसा टुडू व बैंक ग्राहक उपस्थित थे।

श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर 11 जनवरी को आयोजित होगा वार्षिकोत्सव

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। अयोध्या में श्री राम लाल की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ रामगढ़ में भी भव्य तरीके से मनायी जायेगी। इसकी तैयारी भी शुरू हो गयी है। मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद की रामगढ़ इकाई के द्वारा इस मुद्दे पर अहम बैठक की गयी। इस दौरान संगठन के जिला अध्यक्ष संतू भाई मानिक ने कहा कि अयोध्या में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अपने जन्म स्थान पर बने भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इस अवसर को हर मठ, मंदिर और घरों में उत्सव के रूप में मनाया जायेगा। रामगढ़ जिले के सभी प्रखंडों के गांव-गांव तक भगवान श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का प्रथम वर्षगांठ भव्य रूप से मनाया जायेगा। इस मौके पर मंदिरों की साफ सफाई और मंदिरों को भव्य रूप से सजाया जायेगा, सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और श्री रामलला व राम भक्त हनुमान की आरती की जायेगी, मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं के बीच आचार्य, पुरोहित अथवा विद्वानों द्वारा उद्बोधन होगा। सभी लोगों से अपने-अपने घरों में कम से कम 11 दीप जलाने की अपील की गयी। जिला मंत्री छोटू वर्मा ने बताया कि हिंदू कैलेंडर के अनुसार श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पौष शुक्ल द्वादशी (22 जनवरी 2024) को की गयी थी। वर्ष 2025 में जनवरी माह में पौष शुक्ल द्वादशी 11 जनवरी को है। ऐसे में हिंदू कैलेंडर के मुताबिक यह तिथि 11 जनवरी को है। इसलिए इसी दिन प्राण प्रतिष्ठा का प्रथम वर्षगांठ मनाया जायेगा। इस अवसर पर रांची विभाग दुर्गा वाहिनी संयोजिका कीर्ति गौरव, आलोक रतन चौधरी, अप्पु सिंह, आलोक अग्रवाल, जगत नारायण शाह, अयोध्या वर्मा, जयप्रकाश यादव, शिव सिंह चौहान, दिलीप पासवान, अशोक विश्वकर्मा, सूर्य कुमार पाठक सहित अन्य मौजूद थे।

ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए शिविर

कुंदा/ चतरा(आजाद सिपाही)। मंगलवार को ब्लॉक परिसर में ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के लिए शिविर आयोजित किया गया, शिविर में काफी संख्या के लाइसेंस बनाने वाले दोपहिया वाहन चालक पहुंचे, साथ ही प्रतापपुर ब्लॉक से भी दोपहिया वाहन चालकों के पहुंचने से भिड़ काफी हो गया, जिससे नंबर में आगे लगने के लिए आपस में धक्का मुक्की करने लगे सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह ने दल बल के साथ थाना फोर्स लेकर पहुंचे, और समझा कर लोगों को शांत करवाए। वाहन चालकों का कहना है की शिविर बीच में दोबारा लगना चाहिए क्योंकि लाइसेंस बनाने के लिए चालक काफी संख्या में होने से एक बार शिविर लगाने से सभी लोग का लाइसेंस बनना संभव नहीं है। प्रखंड क्षेत्र में शिविर लगाने से वाहन चालकों को सुविधा होता है, क्योंकि लाइसेंस बनाने के लिए चतरा आने जाने का दूरी लगभग 100 किलोमीटर दूरी होने से असुविधा होता है, और सभी लोग नहीं पहुंच पाते हैं जिससे चालकों के पास लाइसेंस नही होने से दोपहिया वाहन मालिक को फाइन भरना पड़ता है।

कुजू में सिखों ने प्रकाशोत्सव पर निकाली भव्य शोभा यात्रा

गुरु गुणगान से कोयलांचल क्षेत्र हुआ गुरुमय, पुष्प वर्षा के साथ स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाशोत्सव के मौके पर मंगलवार को कुजू गुरुद्वारा द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। आयोजित शोभायात्रा का शुभारंभ गुरुद्वारा प्रधान अरविन्दर सिंह बग्गा के कुंदरिया बांध, डटमामोड़ स्थित आवास से फूलों से सुसज्जित वाहन पर सवार पवित्र श्री गुरुग्रंथ साहिब के साथ किया गया। वहीं, भगवा वस्त्र धारण पंज प्यारे कुलबीर सिंह, सनप्रीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, रंजीत सिंह, प्रभजोत सिंह व निशान साहिब लिए चरणजीत कौर, मीठी कौर, मनप्रीत कौर, सिमरजीत कौर, गुरप्रीत कौर शोभा यात्रा का नेतृत्व में कर रहे थे। वहीं, गुरु के वाहन के पीछे चल रही महिलाएं गुरु का गुणगान कर रहे थे। शोभायात्रा के दौरान प्रसिद्ध गायक जॉली छाबड़ा, गुड़िया छाबड़ा रायपुर, मोहन छाबड़ा धनबाद द्वारा गुरु गुणगान से कोयलांचल क्षेत्र गुरुमय हो गया। जबकि टाटा नगर के गतका पार्टी के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज करतब दिखा कर लोगो को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। कलाकारों ने आंख पर पट्टी बांधकर हथौड़े से नारियल फोड़े, तलवारबाजी समेत कई अद्भुत कारनामों की प्रस्तुति दी। यात्रा डटमामोड़, कुजू बस्ती, कुजू चौक, ट्रांसपोर्ट नगर आदि स्थानों का भ्रमण कर वापस गुरुद्वारा परिसर पहुंचे। इस दौरान जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल, वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरू जी की फतेह के जयकारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो गया। वहीं, देर रात जमकर की गई आतिशबाजी से आसमान सतरंगी हो गया। यात्रा के दौरान कुजू पश्चिमी पंचायत मुखिया जयकुमार ओझा व शिव मंदिर कुजू के समीप आरएसएस, हिन्दू जागरण मंच व विश्व हिंदू परिषद ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। शोभायात्रा के समापन के बाद संगत ने गुरु के अटूट लंगर में प्रसाद ग्रहण किया। शोभायात्रा में धर्मराज राम, जिप सदस्य दयामन्ति देवी, ज्योतिंद्र प्रसाद साहू, अखिलेश सिंह, अजीत सिंह,आकाश ओझा, फुदन मिश्रा, गुरुद्वारा प्रधान अरविंदर सिंह बग्गा, मंजीत सिंह पप्पू, अमरजीत सिंह छाबड़ा, सुरजीत सिंह छाबड़ा, पाले गिल, गुरदीप सिंह गुंडे, रिक्की छाबड़ा, अरविंदर सिंह होरा, गुरमीत सिंह सलूजा, मंजीत सिंह शम्मी, दीपक सलूजा, सुरेश कपूर, गुरमीत सिंह बग्गा, अमरजीत सिंह बग्गा, सन्नी देओल, पप्पू सिंह,अंकित, रिंकल, सिरत, वर्षिप, देव बाबू, रश्मित, राजवीर, प्रीत, अंगद, यश, गोपी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

महिला सशक्तीकरण को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

हंटरगंज/चतरा (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तारकेश्वर दास के निर्देशानुसार प्रखंड पीएलवी कुमार विवेक रंजन, सरयु यादव के द्वारा मंगलवार को प्रखंड के उरैली और लरसर गांव में जागरूकता अभियान चलाया। डोर टू डोर भ्रमण कर 90 दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत लोगों को महिला सशक्तीकरण को लेकर जागरूक किया। दिव्यांग सम्मान, डायन बिसाही, दहेज-प्रथा उन्मूलन, घरेलू हिंसा, बालविवाह, वच्चों का शिक्षा के मौलिक अधिकार और वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली निःशुल्क विधिक सेवाएं और टोलफ्री नंवर सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही सरकार के द्वारा चलाया जा रहा विभिन्न प्रकार योजनाएं और पेंशन से संबंधित जानकारी दिया गया। नालसा द्वारा जारी 15100टोल फ्री नंबर और संविधान में संशोधित नये कानून की जानकारी दी गयी । उपस्थित लोगो को निःशुल्क कानूनी सलाह की जानकारी लेने हेतु प्रेरित किया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। सहयोग क्लिनिक ने शिवाजी रोड सयाल में मंगलवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा करीब 40 लोगों का बीपी, शुगर, अस्थमा, एचबीएवनसी, वजन आदि का जांच और निःशुल्क इलाज किया गया। इस अवसर पर शिविर में पाये मरीजों को अरिस्टो कंपनी और सिप्ला कंपनी की ओर से बीपी और शुगर की निःशुल्क दवा का भी वितरण किया गया। मौके पर डॉ. एमके मंजुल ने कहा कि समय से दवाई लेना, खान-पान में परहेज रखना, नियमित रूप से व्यायाम करना ही बीमारी से बचाव का सबसे बेहतर तरीका है। मौके पर केशव कुमार, नीतीश कुमार, रवि कुमार, अरविंद कुमार, रामविलास यादव, विपिन बिहारी शर्मा, रमेश सिन्हा सहित कई लोग मौजूद थे।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं. 103-आरएनसी-डीसीई-सी-एसईआर-01-2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, उप मुख्य अभियंता(निर्माण)/ रांची द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: निम्नलिखित निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। निविदा नियत तिथि को 12.00 बजे बंद की जाएगी। **कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** रांची में ऑफिसर रेस्ट हाउस (निर्माण), उप मुख्य अभियंता/निर्माण/रांची के कार्यालय और एसएसई/जेईई (निर्माण) के कार्यालयों का नवीनीकरण और पेंटिंग। **अनुमानित लागत:** रु. 51.35 लाख, **बोली प्रतिभूति:** रु. 1,02,700/-, **समापन अवधि:** 6 माह। **अंतिम तिथि:** दिनांक 07.02.2025, इच्छुक निविदाकार निविदाओं के संपूर्ण विवरण/ विवरण/विनिर्देश के लिए वेबसाइट www.ireps. gov.in देख सकते हैं और अपनी बोलियाँ ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। किसी भी स्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। **टिप्पणी:** "संभावित बोलीदाता अन्य सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए नियमित रूप से **www. ireps.gov.in** देख सकते हैं।" **(PR-985)**

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा नोटिस सं०-38 ऑफ 2024-25/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ-साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती हैं। **(i) कार्य का नाम एवं लोकेशन:** निविदा सं०-10-डीडीयू-व०मं०इंजी०-III-24-25 वरीय मंडल इंजीनियर/III/ डीडीयू के अधिकार क्षेत्र के तहत जपला के सोननगर की ओर लाइन संख्या-5 के शंटिंग नेक (50 मीटर) का विस्तार। **(ii) कार्य का अनुमानित लागत:** ₹ 2750352.85 **(iii) घरोहर राशि:** ₹ 55000.00 **(iv) ई-निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय:** 29.01.2025 को 12:00 बजे तक **(v) वेवसाईट** पर ई-निविदा की विस्तृत जानकारी: www.ireps.gov.in

मंडल रेल प्रबन्धक
पूर्व मध्य रेल, पं० दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/01863/डीडीयू/ईएनजीजी/टी/24-25/28

शपथ पत्र

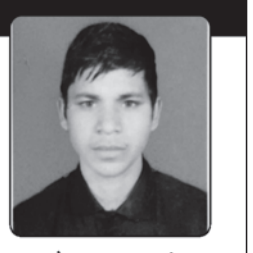

शपथ पत्र के अनुसार क्र. सं. 907/89 दिनांक 04.01.2025 मै बिनोद महतो , पिता - कैला महतो, उम्र - लगभग 41 वर्ष, धर्म - हिन्दु, पेशा- कृषि, निवासी ग्राम- खपिया, पो0 - चैनपुर, थाना - गिद्दी ए, प्रखण्ड - डाड़ी, जिला - हजारीबाग, राज्य - झारखण्ड का स्थायी निवासी हूँ । मै शपथ पूर्वक ब्यान करता हूँ की :- 1. यह कि विकाश महतो, पिता-बिनोद महतो मेरा पुत्र है जिसका आधार कार्ड संख्या- 5812 3141 6508 है । जिसमें तथा अन्य कागजात तथा शैक्षणिक प्रमाण पत्रों में मेरे पुत्र का नाम विकाश महतो दर्ज है जो कि सही एवं सत्य है । 2. यह कि मेरा पुत्र विकाश महतो बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा - गिद्दी, जिला - हजारीबाग का खाताधारी है जिसका संख्या - 482310510001219 है जिसका पासबुक मे मेरे पुत्र का नाम बिकु कुमार दर्ज है। जबकि मेरे पुत्र का सही नाम विकाश महतो है। 3. यह कि मेरे पुत्र के दोनो नामो को लेकर ग्राम पंचायत , होन्हे मोढ़ा, प्रखंड - डाड़ी, हजारीबाग के मुख्या - सिलबिना सोरेन, के द्वारा भी प्रमाणित किया गया है। 4. यह कि इस प्रकार उपरोक्त दोनो नाम विकाश महतो और बिकु कुमार एकहीं लड़का का नाम है जो मेरा पुत्र है । 5. यह कि मेरा पुत्र उपरोक्त दोनो नाम से जाना एवं पहचाना जाता है । 6. यह कि उपरोक्त विवरण सही है ।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

धनबाद मंडल के अंतर्गत कतरासगढ़, बरकाकाना, पतरातू, बरवाडीह, गढ़वा रोड, चौपन, रेणुकूट, हजारीबाग रोड, हजारीबाग टाउन और चंद्रपुरा स्टेशन का सफाई और हाउसकीपिंग का कार्य।

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिये तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव रखनेवाले ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठानों/एजेंसियों/संवेदकों "दू पैकेट बिड" पर ई-निविदायें आमंत्रित है: **(1) निविदा संख्या एवं दिनांक:** GEM/2025/B/5779023, दिनांक 03.01.2025 **(2) कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि:** धनबाद मंडल के अंतर्गत कतरासगढ़, बरकाकाना, पतरातू बरवाडीह, गढ़वा रोड, चौपन, रणुकूट, हजारीबाग रोड, हजारीबाग टाउन और चंद्रपुरा स्टेशन का चार (04) वर्षो (अर्थात 1460 दिन) की अवधि के लिए सफाई और हाउसकीपिंग का कार्य। कार्य समापन अवधि-1 वर्ष। **(3) कार्य की अनुमानित लागत:** रू. 8,14,22,475.63 (आठ करोड़ चौदह लाख वाईस हजार चार सौ पचहत्तर रूपये एवं तिरेसठ पैसे) मात्र। **(4) बयाना राशि:** रू. 5,57,200.00 (पांच लाख संतावन हजार दो सौ रूपये) मात्र। **(5) ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** तारीख 24/01/2025 को 21:00 बजे। **ई-निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** तारीख 24/01/2025 को 21:30 बजे। **(6) वेवसाईट विवरण:** https://www.gem.gov.in ई-निविदा के तहद मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/01867/डीएचएन/एमईसीएच/टी/24-25/36

रामगढ़ में गणतंत्र दिवस को लेकर डीसी ने की बैठक

कार्यक्षेत्र से हट कर विकास के लिए काम करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया जायेगा: डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। आगामी गणतंत्र दिवस को लेकर मंगलवार को जिला समाहरणालय के सभागार में डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान डीसी चंदन कुमार और एसपी अजय कुमार ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए की जा रही तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक के दौरान डीसी चंदन कुमार ने कहा कि विगत वर्ष की भांति ही इस वर्ष भी जिला प्रशासन द्वारा रामगढ़ जिला अंतर्गत वैसे लोग, संस्थाएं जिन्होंने अपने कार्य क्षेत्र से हटकर विकास के लिए अथवा कोई सराहनीय कार्य किया हो उन्हें 'रामगढ़ गणतंत्र दिवस पुरस्कार' से सम्मानित किया जायेगा। इस संबंध डीसी ने आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

25 से 26 जनवरी तक मधशालाओ और बधशालाओं को बंद रखे: गणतंत्र दिवस के अवसर पर 25 जनवरी रात्रि 12:00 बजे से 26 जनवरी रात्रि 12:00 बजे तक जिले के सभी मधशालाओ एवं बधशालाओं को बंद रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश डीसी ने सहायक आयुक्त उत्पाद को दिया।

इन स्थान पर होगा झंडोत्तोलन

गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह स्थानीय सिदो-कान्हू मैदान में पूर्वाह्न 9:05 बजे से शुरू होगा। डीसी कार्यालय में प्रातः 10:45 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रातः 10:50 बजे, उप विकास आयुकत कार्यालय में प्रातः 10:55 बजे, अनुमंडल कार्यालय में प्रातः 11:10 बजे, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय में प्रातः 11:15 बजे और पुलिस लाईन रामगढ़ में प्रातः 11:30 बजे झंडोत्तोलन किया जायेगा। इसके अलावा बैठक में झंडोत्तोलन के समय परेड की व्यवस्था, परेड के पूर्वाभ्यास की व्यवस्था, राष्ट्रीय गान, विधि व्यवस्था आदि विषयों पर भी चर्चा करते हुए महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये गये। बैठक में उप विकास आयुक्त सह अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला स्तरीय प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

19, 20, 22 और 23 जनवरी को पूर्वाभ्यास किया जायेगा

गणतंत्र दिवस के दिन आयोजित होने वाले परेड के लिए 19, 20, 22 और 23 जनवरी को पूर्वाभ्यास किया जायेगा और अंतिम अभ्यास 24 जनवरी को संपन्न होगा। इस संबंध में डीसी ने सिविल सर्जन रामगढ़ को पूर्वाभ्यास के दौरान मैदान में एंबुलेंस और चिकित्सा दल की प्रतिनियुक्ति करते हुए किसी भी स्वास्थ्य इमरजेंसी के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया।

मैदान की सौंदर्यीकरण और साफ-सफाई का निर्देश

गणतंत्र दिवस के अवसर पर मैदान के सौंदर्यीकरण, साफ-सफाई, जमीन समतलीकरण और अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में डीसी ने नजारत उप समाहर्ता सहित अन्य अधिकारियों को आपस में समन्वय करते हुए कार्य संपन्न कराने का निर्देश दिया।

आइआइटी में महिला रिजर्वेशन के फायदे

देश के आइआइटी में लड़कियों के लिए रिजर्वेशन की व्यवस्था वहां जिस तरह के बदलाव ला रही है, वे चौंकाने वाले हैं। आरटीआइ आवेदन के जरिए निकाली गई सूचनाओं के मुताबिक पिछले छह वर्षों में हुए बदलावों से ये संस्थान अब अलग ही नजर आने लगे हैं। जैसे बंद पड़ी गाड़ी हलके से धक्के से स्टार्ट होकर रफ्तार पकड़ लेती है, कुछ उसी तरह रिजर्वेशन के इस धक्के के बाद आइआइटी में बदलाव की प्रक्रिया रफ्तार पकड़ने लगी। ज्यादातर आइआइटी ने 2018-19 में 14% रिजर्वेशन के साथ इस दिशा में कदम बढ़ाये थे। लेकिन 2019-20 में ही यह बढ़ कर 19% और 2020-21 तक ज्यादातर संस्थानों में 20% तक पहुंच गया। 2017 के मुकाबले 2024 में आइआइटी कानपुर में लड़कियों की संख्या 133% बढ़ी। आइआइटी रुड़की में यह इजाफा 76.36% रहा। अन्य आइआइटी में भी बढ़ोतरी इसके आसपास ही रही। दिल्ली और बॉम्बे आइआइटी जरूर इस मामले में अपवाद कहे जायेंगे कि वहां 20% लड़कियों की सीमा रिजर्वेशन की यह व्यवस्था लागू होने से पहले ही हासिल की जा चुकी थी। सबसे बड़ी बात, लड़कियों की बढ़ती संख्या ने इन संस्थानों के अंदर स्टूडेंट्स और टीचर्स के व्यवहार में ही नहीं, प्रशासन के नजरिए में भी बदलाव सुनिश्चित किये। न केवल गर्ल्स हॉस्टल्स और लेडीज वॉशरूम की संख्या बढ़ी, बल्कि गर्ल्स हॉस्टल्स के लोकेशन भी बदले गये। पहले गर्ल्स हॉस्टल कैंपस के किसी कोने में होते थे, लेकिन बाद के दिनों में ये एक्टिविटी सेंटर के करीब लाये गये। कैंपसों के स्पोर्ट्स कल्चर में भी बदलाव आया। खास तौर पर जेंडर सेंसिटाइजेशन बढ़ा। देखा गया कि रैगिंग या सेक्शुअल हैरासमेंट के मामले आने पर लड़कियों की ही गलती बताने की प्रवृत्ति कम हो रही है। इसमें दो राय नहीं कि समाज की तरह इन संस्थानों में भी अभी काफी कुछ किया जाना है, लेकिन बदलावों के ये उदाहरण बेहतरीन मिसाल तो पेश करते ही हैं।

ज्यादातर आइआइटी ने 2018-19 में 14% रिजर्वेशन के साथ इस दिशा में कदम बढ़ाये थे। लेकिन 2019-20 में ही यह बढ़ कर 19% और 2020-21 तक ज्यादातर संस्थानों में 20% तक पहुंच गया।

अभिमत
आजाद सिपाही

जीवन बस अभी के पल को अर्थपूर्ण जीने और बनाने में है। यह क्षण ही जीवन है। जीवन प्रतिपल है। हमने अगर उस पल को खो दिया, तो पल-पल के साथ दिन, साल और अंततः जीवन भी खो देते हैं। यही प्रकृति का नियम है कि जो अभी है वह कुछ देर बाद नहीं होगा। सुबह का फूल शाम को मुरझा जाता है, यद्यपि वह पेड़ से जुड़ा होता है। इसी प्रकार जीवन में बूंद-बूंद सुख आते हैं, इकटठा सुख कभी नहीं बरसता है। सब कुछ बूंद-बूंद मिलता है। बस उसको ही स्वीकार करना होता है। एक पल ही अपना है, वहीं हमारे हाथ में आता है, फिर वह हमारे साथ नहीं रहता है। सुख बस उस क्षण को पूर्णतः में जीना है।

हमारा सबसे अच्छा दिन आज ही है!

डॉ मयंक मुरारी

वर्तमान क्षण से हमारा क्या तात्पर्य है? हम पहले से ही मान लेते हैं कि हमें पता है कि क्या होना है, जबकि यह ऐसा नहीं है। वर्तमान क्षण पर ध्यान देने का एक तरीका है अतीत और भविष्य को छोड़ देना। हरिवंश राय बच्चन की कविता है- जो बीत गईं सो बात गईं...। इस बात पर चिंतन करते हुए ज्ञान बोध के साथ स्वयं आगे बढ़े, न कि हम अतीत की ओर देखें ?

इस जगत में कुछ भी रुकता नही है। हमारे जीने के वर्षों की गणना संभव है, लेकिन जीवन उन वर्ष में सिमटा नहीं होता है। जीवन बस अभी के पल को अर्थपूर्ण जीने और बनाने में है। यह क्षण ही जीवन है। जीवन प्रतिपल है। हमने अगर उस पल को खो दिया, तो पल-पल के साथ दिन, साल और अंततः जीवन भी खो देते हैं। यही प्रकृति का नियम है कि जो अभी है वह कुछ देर बाद नहीं होगा। सुबह का फूल शाम को मुरझा जाता है, यद्यपि वह पेड़ से जुड़ा होता है। इसी प्रकार जीवन में बूंद-बूंद सुख आते हैं, इकटठा सुख कभी नहीं बरसता है। सब कुछ बूंद-बूंद मिलता है। बस उसको ही स्वीकार करना होता है। एक पल ही अपना है, वहीं हमारे हाथ में आता है, फिर वह हमारे साथ नहीं रहता है। सुख बस उस क्षण को पूर्णतः में जीना है। उस पल को पीना है। हम विराट की आशा करते है, और लघुता से असहमति जताते हैं। हमारी चाहत शाश्वत सुख की होती है और उस सुख के क्षण में स्थिर होना नहीं चाहते हैं। हम हर पल को नष्ट करते हुए शाश्वत को दूर करते जाते हैं।

सुख क्षणिक है। उस पल की स्थिरता में ही शाश्वत का दर्शन है, उसमें ही विराट की अनुभूति है। कल जो बीत गया, वहीं श्रेष्ठ था।

सुख क्षणिक है। उस पल की स्थिरता में ही शाश्वत का दर्शन है, उसमें ही विराट की अनुभूति है। कल जो बीत गया, वहीं श्रेष्ठ था। हमने उसे क्षणिकता में छोड़ दिया। सुख प्रतिपल है। जो सुख मैंने बीते कालखंड में बिताया, उसे अब दुबारा कहां पाया जा सकता है ? समय का सवाल उस सुख को अब सपना बना दिया है। उन सुनहरे पल के साथ सुख की धारा चली थी, संगीत की लहर बही थीं और परिवेश में एक मादक प्यास का आलम था। आज सब खत्म हो गया। ऐसे पल में एक पंक्ति याद आती है-कभी कभी दो लम्हों का साथ जिंदगी का प्रेम दे जाता है। और कभी-कभी जिंदगी भर का साथ भी दो लम्हों का सुकून नहीं दे पाता है। हमारी सुख हमारी इंद्रियों का मोहताज है। हमारी तार्किक बुद्धि हरेक सुख को दुखद अंत में बदल डालती है। हम अपने सुख की निंदा करते हैं। प्रेम की, मित्रता की, भोजन की और अपने शरीर की भी निंदा से नहीं चुकते हैं। वर्तमान का जीवन दुखी जीवन है जिसमें सुख के कोई पल नहीं है। बगीचा में ओस की बूंदों के कारण चमकने वाले फूल की पंखुड़ियां सदैव वैसी नहीं रहती है। इस कारण हम फूल के सौंदर्य को इंकार नहीं कर सकते हैं। ऐसा फूल नहीं मिलेगा, जो खिला रहे।

शक्ति क्षण में ही नीहित है। इस पर प्रख्यात लेखक द्वय स्विच और मेड टू स्टिक ने एक किताब लिखी है, जिसका नाम है- दी पावर ऑफ मोमेंट। इसमें उन्होने इस का पता लगाया है कि कुछ संक्षिप्त अनुभव हमें कैसे झकझोर सकते हैं, हमें ऊपर उठा सकते हैं और हमें बदल सकते हैं - और हम अपने जीवन और काम में ऐसे असाधारण क्षणों का निर्माण कैसे कर सकते हैं। जबकि मानव जीवन अंतहीन रूप से परिवर्तनशील है। हमारे जीवन में क्षण भी निर्णायक हो सकते है। इस किताब में बताया गया है कि हमारे सबसे यादगार सकारात्मक क्षणों में चार तत्व हावी होते हैं- उत्थान, अंतर्दृष्टि, गर्व और संबंध। यदि हम इन तत्वों को अपनाते हैं, तो हम और अधिक महत्वपूर्ण क्षणों को याद कर सकते हैं। क्यों हम किसी अनुभव के सबसे अच्छे या सबसे बुरे पल को याद रखते हैं, साथ ही अंतिम पल को भी, और बाकी को भूल जाते हैं ? क्यों जब चीजें निश्चित होती हैं तो हम सबसे अधिक सहज महसूस करते हैं, लेकिन जब वे निश्चित नहीं होती हैं तो हम सबसे अधिक जीवंत महसूस करते हैं। और क्यों हमारी सबसे प्रिय यादें हमारी युवावस्था के दौरान एक संक्षिप्त अवधि में एकत्रित होती हैं ? हममें से अधिकतर लोग जीवन को अपने से दूर जाने देते हैं। हम जीते नहीं। हम बस मौजूद रहते हैं, लेकिन सवाल जरूर करते है कि समय नहीं मिलता है ! काफी व्यस्त जिंदगी है। अगर हम हर पल का सबसे अच्छा उपयोग करते हैं तो ही जीवन सफल बनता है।

हमारे जीवन में कई निर्णायक क्षण संयोग या दुर्भाग्य के परिणाम होते हैं - लेकिन हम अपने सबसे सार्थक, यादगार और ऊर्वर क्षणों को संयोग पर क्यों छोड़ना चाहेंगे ! सभी क्षण समान नहीं होते हैं तो सभी क्षण में से कुछेक की यादें हमारे साथ चलती है। हमारी स्मृति उन्हीं क्षण को याद रखती है जो हमारे जीवन में अर्थपूर्ण होते हैं, ऊंचाई की ओर ले जाते है या हमका दुख का कारण बन जाते हैं। हम किसी क्षण को तभी अर्थपूर्ण बना पायेंगे, जब हमारी अंतर्दृष्टि सहज रहेगी। अंतर्दृष्टि सहज होने पर हमारा नजरिया बदल जाता है और जीवन जीने के तरीके में भी बदलाव आ जाता है। ऐसी स्थिति में हम खुद सत्य को जानते हैं उसके साथ रहना पसंद करते हैं। यह सकारात्मकता को बढ़ता है और दूसरों की पहचान में मदद करता है। कभी-कभी मोमेंट के कुछेक शब्द ही जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। परिवर्तन उसी क्षण संभव है जब हम चीजों की वास्तविकता को उसी रूप में स्वीकार कर लेते हैं, जैसी वे हैं। भविष्य चिंता, पछतावा, योजना, दिवास्वप्न आदि चरित्रगत बातों को छोड़ना सीख सकं तो हमारी दुनिया अधिक सरल, दयालु और आकर्षक बन जायेगी।

वर्तमान क्षण से हमारा क्या तात्पर्य है? हम पहले से ही मान लेते हैं कि हमें पता है कि क्या होना है, जबकि यह ऐसा नहीं है। वर्तमान क्षण पर ध्यान देने का एक तरीका है अतीत और भविष्य को छोड़ देना। हरिवंश राय बच्चन की कविता है- जो बीत गईं सो बात गईं...। इस बात पर चिंतन करते हुए ज्ञान बोध के साथ स्वयं आगे बढ़े, न कि हम अतीत की ओर देखें ? टेरेसा अमाबिले और स्टीवन क्रेमर ने द प्रोग्रेस प्रिंसिपल में बताया है कि कार्य के दौरान खुशी, जुड़ाव और रचनात्मकता को उर्वर बनाने के लिए छोटी जीत या खुशी का उपयोग करना चाहिए। प्रगति को सक्षम करने वाली दो शक्तियों को सक्रिय करना होता है। पहली शक्ति उत्प्रेरक है, जो सीधे कार्य को सुविधाजनक बनाती हैं। दूसर तत्व पोषक है। पारस्परिक घटनाएं जो लोगों का उत्थान करती हैं, जिसमें प्रोत्साहन और सम्मान और सहकारिता का प्रदर्शन शामिल है। दूसरों को पहचानें, तो कभी-कभी कुछ सकारात्मक शब्द ही प्राप्तकर्ता के लिए गर्व का बड़ा क्षण बन सकते हैं। समय में रिश्तों को मजबूत करने की शक्ति होती हैं। एक सार्थक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक साथ काम करना शक्तिशाली हो सकता है। इसमें रोचक कहानी, प्रेरणा और खट्टे मीठे अनुभव होते हैं, जो जीवन में शक्तिशाली क्षणों को बार-बार लाते हैं।

(लेखक : विचारक और लेखक हैं।)

देश-विदेश की खबरें

गृह मंत्री अमित शाह ने किया भारतपोल का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

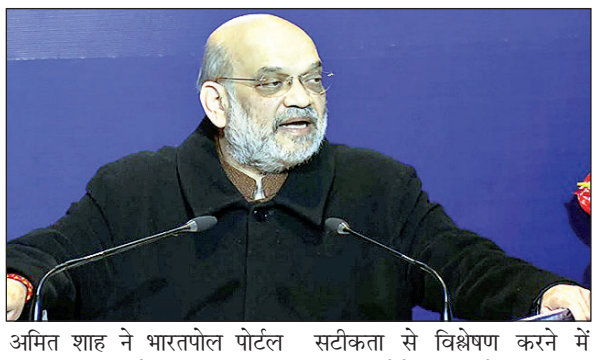

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारतपोल पोर्टल लांच किया और कहा कि यह पहल आने वाले दिनों में हमारे देश की अंतरराष्ट्रीय जांच को एक नए स्तर पर ले जायेगी। शाह ने कहा, भारतपोल हमारे देश की अंतरराष्ट्रीय जांच को एक नये युग में ले जायेगा। सीबीआइ इंटरपोल के साथ काम करने वाली एकमात्र एजेंसी थी, लेकिन भारतपोल के लॉन्च होने से हर भारतीय एजेंसी और सभी राज्य पुलिस बल आसानी से इंटरपोल से जुड़ सकेंगे। यह पोर्टल इंटरपोल के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहायता के लिए सभी अनुरोधों को सुव्यवस्थित करेगा, जिसमें रेड नोटिस और अन्य रंग-कोडित इंटरपोल नोटिस जारी करना भी शामिल है। गृह मंत्री अमित शाह ने भारतपोल पोर्टल की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसके माध्यम से हमारे देश के पुलिस विभाग विभिन्न प्रकार के वैश्विक अपराधों का अध्ययन और विश्लेषण करेंगे, जिससे हम इन अपराधों को अपने देश में होने से पहले ही रोकने के लिए एक ढांचा तैयार कर सकेंगे। उन्होंने कहा, इसके माध्यम से हम अनेक अंतरालों को पाटने, ढेर सारी जानकारी प्राप्त करने तथा विभिन्न प्रकार के वैश्विक अपराधों का सटीकता से विश्लेषण करने में सक्षम होंगे, जिससे हम इन अपराधों को हमारे देश में घटित होने से पहले ही रोकने के लिए एक ढांचा तैयार कर सकेंगे। उन्होंने कहा, भारतपोल के साथ, देश की हर एजेंसी और राज्य पुलिस बल अपनी जांच में तेजी लाने के लिए इंटरपोल से जुड़ सकेंगे।

अमित शाह ने यह भी कहा कि भारतपोल न केवल अपराधियों का पता लगाने में सहायता करेगा, बल्कि हमारे देश में अंतर्राष्ट्रीय अपराधियों का पता लगाने के लिए एक प्रणाली स्थापित करने में भी मदद करेगा। गृह मंत्री शाह ने कहा, भारतपोल के माध्यम से हम अपने अपराधियों का पता लगाने में सक्षम होंगे और भारत में दुनिया भर के अपराधियों का पता लगाने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रणाली भी स्थापित करेंगे। इसके अतिरिक्त, 195 देशों को कवर करने वाले इंटरपोल के संदर्भों के साथ, इंटरपोल चैनल के माध्यम से जांच के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता प्रदान करना और प्राप्त करना बहुत आसान हो जायेगा। इस कार्यक्रम में शाह ने 35 सीबीआई अधिकारियों/कर्मचारियों को पुलिस पदक भी प्रदान किये, जिन्हें विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक और जांच में उत्कृष्टता के लिए केंद्रीय गृह मंत्री पदक से सम्मानित किया गया है।

राज्य में एचएमपीवी वायरस को लेकर घबराने की नहीं, सतर्कता बरतने की जरूरत: मंत्री हसन मुश्रीफ

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। नागपुर में दो संदिग्ध मामले सामने आने के बाद महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सह-रुग्णता वाले बच्चों और बुजुर्गों को सतर्क रहने की जरूरत है। एचएमपीवी वायरस पर आयोजित बैठक में बोलते हुए मुश्रीफ ने कहा, एचएमपीवी वायरस का असर दुनिया के कई देशों में देखा जा रहा है। घबराने की जरूरत नहीं है। 5 मरीजों में से एक मरीज को छुट्टी दे दी गयी है। बाकी मरीज ठीक हो रहे हैं। सह-रुग्णता वाले बच्चों और बुजुर्गों को सतर्क रहने की जरूरत है। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दिनेश वाघमारे, आयुक्त राजीव निवतकर, संचालक डॉ अजय चंदनवाले, आयुष विभाग के संचालक डॉ रमन घुंगरालकर सहित राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के डीन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे। हसन मुश्रीफ ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि कुछ राज्यों में एचएमपीवी के मामले पाये गये हैं। हमारे राज्य के नागरिकों को घबराना नहीं चाहिए क्योंकि सरकार जल्द ही इस स्थिति के बारे में व्यापक दिशा-निर्देश जारी करेगी और इस बीमारी को नियंत्रित करने के लिए निवारक उपाय करेगी। उन्होंने कहा, सभी प्रधानाचार्यों को दवाओं, ऑक्सीजन और आइसोलेशन के साथ संभावित परिस्थितियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

उन्हें अतिरिक्त और प्रचुर मात्रा में दवाओं के लिए संबंधित जिले के जिला कलेक्टर से संपर्क करना चाहिए। मंत्री मुश्रीफ ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य में इस बीमारी को फैलने से रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए और प्राचार्य सतर्क रहें तथा अपने अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करें। उन्होंने नागरिकों से दिशा-निर्देशों का पालन करने और लोगों में इस बीमारी के बारे में जागरूकता पैदा करने की अपील की है। निवारक उपायों और सावधानियों के तहत स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को टिशू से ढकें। बुखार, खांसी या जुकाम जैसे लक्षण होने पर मरीजों को डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। इस बीच, देश में एचएमपीवी के पांच मामले सामने आए हैं, जिनमें से दो मामले बेंगलुरु, एक अहमदाबाद और दो संदिग्ध मामले नागपुर में हैं। एचएमपीवी एक ऐसा वायरस है जो सांस संबंधी बीमारियों से जुड़ा हुआ है। हालांकि, भारत में इसके मामलों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है।

अमेरिका में भयंकर बर्फीले तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त, बिजली बाधित

आजाद सिपाही संवाददाता

अमेरिका। अमेरिका में भयंकर बर्फीले तूफान से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बर्फीले तूफान के कारण लाखों लोग अपने घरों में फंस गये हैं। सड़कें जाम हो गयी हैं। कुछ लोगों की जान भी चली गयी है। पूर्वी तट से लेकर न्यूजर्सी तक बर्फीले तूफान से 60 मिलियन से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। बर्फबारी, बर्फ, तेज हवाओं और तापमान में गिरावट के कारण अमेरिका के कुछ हिस्सों में हालात खतरनाक हो गये हैं। बर्फीले तूफान ने देश में हर किसी को डरा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्जीनिया में 175,000 से ज्यादा लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। बर्फीले तूफान के कारण 2,400 उड़ानें रद्द कर दी गयी हैं। एक हजार से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई है। बर्फीले तूफान के कारण रेलवे यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। 50 से ज्यादा ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। सड़कों पर 18 इंच बर्फ जमी हुई है। अमेरिका में लगातार बर्फबारी के कारण कई सड़कें बंद हो गयी हैं। कई एयरपोर्ट बर्फ की मोटी परत से ढके हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, बर्फीले तूफान के कारण कई इलाकों में तापमान न्यूनतम माइनस 18 डिग्री तक पहुंच गया है। विभाग ने लोगों को बहुत जरूरी न होने पर घरों से बाहर न निकलने की चेतावनी दी है। बर्फीले तूफान और सर्द हवाओं के कारण जनजीवन लगातार प्रभावित हो रहा है। अमेरिका में बर्फीले तूफान के कारण कई राज्यों में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गयी है। साथ ही लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गयी है। इस बर्फीले तूफान के कारण पूरे अमेरिका में करीब 60 मिलियन लोग प्रभावित होंगे। देश के उत्तर-पश्चिम में रॉकी पर्वतों में मोंटाना से लेकर मैरीलैंड, डेलावेयर और वर्जीनिया के तटीय राज्यों तक शीतकालीन तूफान की चेतावनी जारी की गयी है।

कर्नाटक में दिल का दौरा पड़ने से नाबालिग की मौत

बेंगलुरु (आजाद सिपाही)। कर्नाटक में एक दुखद और दिल दहला देने वाली घटना में, एक आठ वर्षीय लड़की की कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गयी। घटना के समय लड़की कक्षा में थी। शिक्षिका को अपनी नोटबुक दिखाने के लिए अपनी सीट से उठी ही थी कि वह दीवार से चिपक गयी और बेहोश हो गयी। यह घटना कर्नाटक के बेंगलुरु शहर से करीब 175 किलोमीटर दूर चामराजनगर के एक निजी स्कूल की है। लड़की की पहचान तेजस्विनी के रूप में हुई है। अपनी बेटी की मौत की खबर सुनकर लड़की के परिवार में मातम छा गया।

शिजांग भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 95 हो गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

बीजिंग। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, शिजांग स्वायत्त क्षेत्र के शिगाजे शहर के डिंगरी काउंटी में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 95 हो गयी है, जबकि प्रारंभिक संख्या 53 बतायी गयी थी। इससे पहले, क्षेत्रीय आपदा राहत अधिकारियों के हवाले से शिंहुआ ने 53 लोगों की मौत और 62 लोगों के घायल होने की सूचना दी थी। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार दोपहर को बताया कि 130 अन्य लोग घायल हुए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिंहुआ ने बताया कि भूकंप का केंद्र टिंगरी काउंटी में 1,000 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गये हैं। भूकंप के केंद्र के पास का इलाका कम आबादी वाला है। माना जाता है कि भूकंप के केंद्र के 20 किलोमीटर के दायरे में 27 गांवों में लगभग 6,900 लोग रहते हैं। भूकंप के केंद्र से सबसे नजदीकी प्रमुख शहर शिगात्से शहर है, जो लगभग 180 किलोमीटर दूर है। भूकंप के बाद एक बयान में, चीनी नेता शी जिनपिंग ने अधिकारियों से जीवित बचे लोगों की खोज और बचाव, हताहतों की संख्या को कम करने, प्रभावित निवासियों को उचित रूप से समायोजित करने और सर्दियों की ठंड में उनकी सुरक्षा और गर्मी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आह्वान किया, सीएनएन ने बताया। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह 09:05 बजे 10 किलोमीटर की गहरायी पर 7.1 तीव्रता का भूकंप आया और उसके बाद कई झटके आये। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के अनुसार, कुल 49 झटके दर्ज किये गये। थिएटर कमांड की वायु सेना ने तुरंत एक आपदा राहत आपातकालीन योजना को सक्रिय कर दिया, साथ ही आपदा राहत में सहायता के लिए परिवहन और चिकित्सा विमानों, हेलीकॉप्टरों और जमीनी बलों की एक टीम को स्टैंडबाय पर रखा गया है। इन क्षेत्रों में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सभी को ससमय खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित करें पदाधिकारी: अध्यक्ष शबनम

झारखंड राज्य खाद्य आयोग रांची की प्रभारी अध्यक्ष -सह- सदस्य शबनम परवीन की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। प्रभारी अध्यक्ष -सह- सदस्य झारखंड राज्य खाद्य आयोग रांची शबनम परवीन के द्वारा भंडरिया प्रखंड के बिजका ग्राम में प्राप्त शिकायत के अलोक में स्थल भ्रमण किया गया। इसके दौरान अध्यक्ष शबनम परवीन ने बताया कि माह जून 2024 में राशन नहीं मिलने की शिकायत आयोग को व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त हुई थी। जिसके समाधान हेतु आज भंडरिया प्रखंड के ग्राम बिजका में प्राप्त शिकायत के निवारण हेतु स्थल निरीक्षण का कार्य किया गया। पंचायत भवन बिजका में कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों कई समस्याओं के बारे में पूछी गयी तथा स्वयं स्थल निरीक्षण कर वास्तविक वस्तु स्थिति की जांच की गयी। बिजका ग्राम के कुल 45 परिवारों को विगत एक वर्षों से राशन नहीं मिलने की शिकायत को अध्यक्ष श्रीमती परवीन द्वारा जिला शिकायत निवारण पदाधिकारी को 15 दिनों के अंदर मामले को सुलझाते हुए आयोग को प्रतिवेदित करने का निदेश दिया गया। बैठक के दौरान आमजनों की एक-एक समस्याओं को सुना गया और उनके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को निदेशित किया गया।

स्थल भ्रमण के पश्चात परिसदन भवन गढ़वा के सभागार में अध्यक्ष झारखंड राज्य खाद्य आयोग रांची परवीन की अध्यक्षता में उपायुक्त शेखर जमुआर, अपर समाहर्ता -सह- जिला शिकायत निवारण पदाधिकारी राज महेश्वरम, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रामगोपाल पांडे समेत जिले के सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी के साथ समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम भंडरिया प्रखंड के बिजका ग्राम के 45 परिवारों को पिछले एक वर्षों से नहीं मिलने वाले राशन के शिकायत का निवारण करने हेतु जिला शिकायत निवारण पदाधिकारी को निर्देशित किया गया और अगले 15 दिनों के अंदर मामले को सुलझाते हुए आयोग को प्रतिवेदन करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त शेखर जमुआर द्वारा उक्त समस्या के त्वरित निष्पादन हेतु जिला निवारण पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी और विशेष रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी भंडरिया को उक्त सभी शिकायतकर्ता लाभुकों को 09 जनवरी 2025 को जिला कार्यालय में बुलाकर समस्याओं का त्वरित निष्पादन करने हेतु निदेशित किया गया। उक्त समीक्षात्मक बैठक के दौरान जिले में खाद्यान्न वितरण से संबंधित आमजनों से प्राप्त अन्य समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए ससमय निष्पादित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया। इसके अतिरिक्त जिले में उपलब्ध आकस्मिक खाद्यान्न कोष की स्थिति के बारे में जानकारी ली गयी। मौके पर उपस्थित सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को अपने-अपने प्रखंडों के लिए आकस्मिक खाद्यान्न के लिए डिमांड जिला आपूर्ति पदाधिकारी को भेजने और अविलंब प्राप्त करने का निर्देश दिया गया, ताकि आवश्यकता अनुरूप उस राशि का उपयोग किया जा सके।

रमना: मकर संक्रांति मेला समिति की बैठक संपन्न, मनीष चंद्रवंशी बने अध्यक्ष

रमना (आजाद सिपाही)। आगामी 14 जनवरी को मकर सक्रांति पर्व के अवसर पर चांदराज पहाड़ी के प्रांगण में सफल मेले के आयोजन को लेकर एक बैठक का आयोजन श्री सीताराम मानस मंदिर के प्रांगण में किया गया। बैठक में प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रखंड मुख्यालय स्थित चांदराज पहाड़ी पर 14 जनवरी को होने वाले मेले को सफल संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा करते हुवे कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। जिसमें मंदिर को फूल डेकोरेशन से सजाने, विधवत रूप से पूजा पाठ कराने, महाप्रसाद वितरण करने, सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल है। जिसे लेकर एक कमिटी का गठन किया गया, इसमें सर्वसम्मति से मनीष चंद्रवंशी को अध्यक्ष, रामचंद्र राम को उपाध्यक्ष, विनय ठाकुर को सचिव, दिनेश गुप्ता को कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं बनारसी ठाकुर, जगदीश यादव, गोपाल प्रसाद गुप्ता, बिरंची पासवान, मुन्ना प्रसाद गुप्ता, उमेश मिस्त्री, अनुज चंद्रवंशी, बबलू गुप्ता, परशु मेहता, अमित, धनंजय गुप्ता, दिलीप को संरक्षक मनोनीत किया गया।

घघरी पंचायत में किया गया कंबल का वितरण

सगमा (आजाद सिपाही)। प्रखंड में जारी सीतलहर के बीच घघरी पंचायत में मुखिया सरोज देवी तथा जिप सदस्य प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित नंदगोपाल यादव के द्वारा संयुक्त रूप से 100 कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर कंबल लेने वालो की लंबी कतार देखा गया, मगर प्रखंड से निर्धारित संख्या के कारण सभी जरूरतमंदों के बीच वितरण नहीं किया जा सका। इसे लेकर कंबल की आस में पंचायत भवन पहुंचे गरीब वृद्ध जनो ने सरकार को कोसते हुए वापस चले गये। इसे देखकर मुखिया सरोज देवी ने लोगों को समझाते हुए कहा कि इसके लिए सरकार से अतरिक्त कंबल की मांग किया जायेगा। जबकि पूर्व जिप सदस्य नंद गोपाल यादव ने कहा कि सरकार के द्वारा निर्धारित कोटा के तहत कंबल का वितरण किया जा रहा है जो गरीबों तथा असहाय लोगों के साथ ना इंसाफी है। सरकार को चाहिए की पंचायत प्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्र के सभी जरूरतमंद लोगों का सर्वे के आधार पर कंबल की आपूर्ति किया जाना चाहिए, तब जाकर सरकार का मकसद पूरा हो सकता है। आधा अधूरा लोगों को कंबल मिलने से सरकार के प्रति लोगों में पक्षपात पूर्ण संदेश जा रहा है । कंबल वितरण के अवसर पर अन्य लोगों के अलावा मुख्यरूप से पंचायत सचिव सुरेंद्र ठाकुर, मुखिया पति अशोक राम, लालमोहन शाह महेंद्र राम, दिनेश ठाकुर, लोकेंद्र यादव उपस्थित थे।

रामा साहू और ज्ञान निकेतन स्कूल ने फाइनल में प्रवेश किया

गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता जूनियर वर्ग

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। 23वीं गढ़वा जिला अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में रामा साहू ने बीएनटी संत मैरी को छह विकेट से और ज्ञान निकेतन बेलचंपा ने साउथ पॉइंट को दो विकेट से हराकर फाईनल में प्रवेश किया।

पहले मैच में बीएन टी संत मैरी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नकी के 34 रन के सहारे 70 रन बनायें। रामा साहू की टीम की और से कवि राज ने तीन ,अंश ने दो विकेट लिया। जवाबी पारी खेलने उतरी रामा साहू की टीम मयंक के 27 रन के सहारे चार विकेट खोकर जीत दर्ज करते होए पहली बार फाईनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे मैच में साउथ पॉइंट पब्लिक स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में आयुष के 27 शारिक के 16, अबान के 18 रन के सहारे 99 रन बनाये। ज्ञान निकेतन की ओर से उज्जवल ने तीन विकेट लिया। जवाबी पारी खेलने उतरी ज्ञान ज्ञान निकेतन फहीम और नंदन के 22, 22 रन के सहयोग से आठ विकेट खोकर जीत दर्ज कर फाईनल में प्रवेश किया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार फहीन और कविराज को प्रतियोगिता के अध्यक्ष मदन प्रसाद केशरी ने प्रदान किया। इस मौके पर कोषाध्यक्ष कमलेश कुमार दुबे, अभिषेक द्विवेदी, मनीष उपाध्याय, रोहन तिवारी, आकाश, धीरज प्रबीन मिश्रा, प्रिंस खान, मनोज तिवारी, नमन आकाश कुमार, नैतिक, हेमंत, गोलू दास सहित कई लोग उपस्थित थे।

डंडइ में सरकारी आदेशों की अवहेलना छुट्टी के बाद भी खुले रहे निजी स्कूल

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। शीतलहर और कड़ाके की ठंड को देखते हुए सरकार की ओर से कक्षा आठ तक की सभी सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालयों को 13 जनवरी तक बंद करवा दिया गया है। इसके बाद भी डंडई प्रखंड के कई निजी विद्यालय प्रबंधक सरकार के आदेशों को अवहेलना करते हुए शीतकालीन अवकाश में भी स्कूल संचालन कर रहे है। विद्यालय में अवकाश न होने के कारण मजबूरी में छोटे छोटे बच्चे ठिठुरते हुए इस कड़ी ठंड में भी स्कूल जाने को मजबूर है। इस समय क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सुबह तापमान जहां 10 से 12 डिग्री रहता है वहीं शाम तक तापमान 14 से 16 डिग्री हो जाता है। इसके चलते भीषण ठंड हो रही है। ऐसे में लोगों को घर से भी निकलना दूभर हो रहा है। शीत लहर व कड़ाके की ठंड को देखते हए सरकार ने कक्षा आठ तक सभी सरकारी व निजी शिक्षण संस्थानों में 13 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित किया है। लेकिन निजी स्कूलों पर इस आदेश का कोई असर दिखायी नहीं पड़ रहा है। निजी स्कूल संचालक इस कड़े ठंड में भी विद्यालय खोल रहे हैं और इससे मजबूरन नौनिहालों को स्कूल पहुंचना पड़ रहा है।

सरकारी आदेश का उल्लंघन करेंगे, तो होगी कार्रवाई : डीएसइ

इस मामले में पूछे जाने पर जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज ने बताया कि स्कूल खुलने की जानकारी हमें नहीं है। अगर जो भी प्राइवेट स्कूल सरकारी आदेशों को उल्लंघन करेंगे, तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

सरकारी आदेश के बाद भी ये स्कूल खुले रहे

मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय के सृजन पब्लिक स्कूल, पैराडाइज पब्लिक स्कूल, आरजीएसएम पब्लिक स्कूल और आइडियल पब्लिक स्कूल तसरार, कॉटिनेंटल पब्लिक स्कूल तसरार, सीएचभीबीडी शिक्षा निकेतन रारो बाजार, ब्राइट फ़्यूचर पब्लिक स्कूल रारो कड़ी ठंड में भी खुला रहा। सरकार के अवकाश घोषित होने के बाद भी इस विद्यालय में छुट्टी नहीं दी गयी और यहां एक से कक्षा आठ तक की कक्षाएं धड़ल्ले से संचालित की जा रही हैं। विद्यालय प्रबंधन पर सरकारी आदेश भी बेअसर है। विद्यालय में अवकाश न होने के कारण मजबूरी में छोटे छोटे बच्चे इस कड़ी ठंड में भी स्कूल आने को मजबूर हैं।

पत्नी की पुण्यतिथि पर किया भंडारा का आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। पत्नी की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को रंका मोड़ के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर के पास शिवदास विश्वकर्मा और उनके परिवार वालों के द्वारा भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। बता दें कि प्रसिद्ध मंदिर में प्रत्येक मंगलवार को स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता और समाजसेवियों द्वारा भंडारे का आयोजन विगत 58 सप्ताह से निरंतर किया जा रहा है। समाजसेवियों की प्रेरणा से अपनी पत्नी स्वर्गीय फूलपति देवी की पांचवी पुण्यतिथि पर मझिआंव मोड़ निवासी शिवदास विश्वकर्मा और उनके परिजन द्वारा यहां भंडारा का आयोजन किया गया। परिजनों के अनुसार धार्मिक प्रवृत्ति की स्वर्गीय फूलपति हमेशा परिवार के सदस्यों को समाज और गरीब परिवार से जुड़कर रहने का निर्देश देते रहती थी। वे सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थी। परिजनों ने कहा उनकी याद तथा उनके द्वारा बताए गए कार्यों को करने का छोटा प्रयास विगत 5 वर्षों से करते आ रहा हूं। भंडारे में लोगों को प्रसाद के रूप में पूड़ी, सब्जी, बुंदिया, मीठा, हलवा आदि का वितरण किया गया। भंडारे में परिवार के नीरज विश्वकर्मा (बाबू लोहार), पंकज विश्वकर्मा के अलावे सुरेंद्र विश्वकर्मा, समाजसेवी विजय केसरी, आकाश केसरी, शुभम केशरी, उमंग सोनी आदि ने भंडारा के संचालन में सहयोग किया।

बाल श्रम कराने वाले नियोजकों की खैर नहीं : प्रणव कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। मंगलवार को बाल श्रम उन्मूलन हेतु धावा दल के द्वारा श्रम अधीक्षक की अध्यक्षता में गढ़वा जिले के डंडई एवम नगर प्रखंड के विभिन्न ईंट भट्ठों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में कोई भी बाल श्रमिक कार्यरत नही पाया गया। श्रम अधीक्षक के द्वारा ईंट भट्ठे के मालिकों को निर्देश दिया गया कि बाल श्रमिको से कार्य लेना गंभीर अपराध है। यदि बाल श्रमिक कार्यरत पाये गये तो नियोजकों पर कानूनी करवाई की जायेगी। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि बाल श्रम कराने पर नियोजकों को 6 माह से 2 वर्ष की सजा एवम बीस हजार से पच्चास हजार का जुर्माना अथवा दोनों से दंड का प्रावधान है। उक्त धावा दल में संजय आनंद श्रम अधीक्षक के अलावे बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रणव कुमार, संजय ठाकुर संरक्षण अधिकारी, राजीव कुमार रवि जिला समन्वयक सीएचएल गढ़वा, गणेश कुमार जिला समन्वयक लोहरदगा ग्राम स्वराज्य संस्थान, दीपक कुमार आउट रिच वर्कर आदि उपस्थित थे।

मेराल: विधायक प्रतिनिधि ने डीएफओ से किसानों को मुआवजा देने की मांग रखी

फसलों के बचाव के लिए अनुदानित राशि पर कटीले, जालीदार तार उपलब्ध कराने तथा नुकसान हुए फसलों का जांच करा कर मुआवजा दिया जाये

आजाद सिपाही संवाददाता

विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन।

मेराल। विधायक प्रतिनिधि डॉ लालमोहन ने मंगलवार को उत्तरी वन प्रमंडल के डीएफओ को पत्र लिखकर मेराल प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में जंगली जानवर, नील गाय से किसानों के फसल को बचाने के लिए अनुदानित राशि पर कटीले तार और आसानी से मुआवजा देने का आग्रह किया है। पत्र में कहा गया है कि मेराल प्रखंड कृषि बहुल्य इलाका है, जहां किसान कड़ी मेहनत कर धान, गेहूं, तेलहन, दलहन के अलावे जुआ की तरह साग सब्जी का उत्पादन करते हैं। लेकिन आज उनकी स्थिति यह है कि इस कड़ाके की ठंड में निलगाय से फसल बचाव के लिए रात्रि में प्रहरी का कार्य करना पड़ रहा है। वे अपने स्तर से फसलों को बचा पाने में असमर्थ हो रहे हैं। किसानों के इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए फसलों के बचाव के लिए अनुदानित राशि पर कटीले, जालीदार तार उपलब्ध कराने तथा नुकसान हुए फसलों का जांच करा कर आसानी से मुआवजा देने का आग्रह किया है।

कंचनपुर पंचायत सचिवालय में 15वें वित्त आयोग की बैठक आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका प्रखंड अंतर्गत कंचनपुर पंचायत सचिवालय में मंगलवार को पंचायत के मुखिया प्रतिमा देवी की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग की ग्राम सभा बैठक आयोजित की गयी। जिसमें 9 एलएसडीजी विषय में से एक विषय का चुनाव हेतु उपस्थित ग्रामीणों के बीच चर्चा की गयी। इस अवसर पर मुखिया ने सभी वार्ड सदस्यों से अपने अपने वार्ड की जरूरी योजनाओं को लिखाने का निर्देश दिया, वहीं ग्रामीण मनोज तिवारी, अशोक दूबे आदि लोगों ने फसल और बागवानी को जानवरों से सुरक्षा के लिए तार की जाली उपलब्ध कराने की मांग की। इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर कुमार, उपमुखिया प्रतिनिधि चंद्रशेखर तिवारी, पंचायत सचिव शोभा मिश्रा, एनआरएम रंका सह कनिय अभियंता मत्स्य जिला गढ़वा ऋषभ तिवारी, रोजगार सेवक शशि कुमार सोनी, कंप्यूटर ऑपरेटर श्रीराम ओझा, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि विजय कुमार भुईयां, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि सत्येंद्र कुमार रवि, वार्ड सदस्य आशुतोष तिवारी, प्रवीण तिवारी, लवली उरांव, शफीक, अजय, रावत, संजय, धर्मेंद्र, स्वयंसेवक प्रतिनिधि सुरेंद्र, कन्हाई, राजेश प्रजापति सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। प्रखंड क्षेत्र के बलिगढ़ पंचायत अजानिया मोड़ के पास बिरसा मुंडा कॉस्को क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ झामुमो नेता मुक्तेश्वर पांडे और थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के अनुमंडल अध्यक्ष मुक्तेश्वर पांडे ने कहा की खेल से मानसिक और शारीरिक विकास होता है समय-समय पर इस तरह का क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन होना बहुत जरूरी है। वहीं थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी ने कहा कि केतार प्रखंड जैसे सुदूरवर्ती इलाकों में इस तरह का खेल प्रतियोगिता का आयोजन होने से क्षेत्र के खिलाड़ियों के अंदर छिपी प्रतिभा में निखार आती है। हमें खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए, खेल में अनुशासन की भी बहुत जरूरी है। उद्घाटन मैच केतार बनाम कैलान के बीच खेला गया, इसमें शुरूआती पारी में कैलान की टीम 10 ओवर में 52 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी, वहीं जवाबी पारी में केतार ने 4 विकेट गंवाकर 5 ओवर में 53 रन बनाकर जीत हासिल किया। पवन कुमार को मैन ऑफ द मैच देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन प्रसाद गुप्ता झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर सिंह युवा प्रखंड अध्यक्ष छोटन कुमार सिंह चंद्रदेव सिंह रमेश राम, मनीष, सुशील, अनूप, संत सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

उजाला क्रिकेट क्लब ने 145 रन से मैच जीता

गढ़वा (आजाद सिपाही)। गढ़वा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित लीग का बारहवां मैच यूथ क्रिकेट क्लब तथा उजाला क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। जिसमें पहले टॉस जीत कर पहले बलेबाजी करते हुए उजाला क्रिकेट क्लब ने 268 रनों का लक्ष्य दिया। जिसमें सचिन कुमार ने 106 रन और अभिषेक कुमार सिंह ने 44 रनों का योगदान दिया। वहीं जवाबी पारी खेलने उतरी वाईसीसी क्रिकेट क्लब की टीम ने122 रन ही बना पायी। उजाला की टीम यह मैच 145 से जीत लिया। वाईसीसी की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए जिसना खान ने 36 और तन्मय कुमार ने 16 रन बनाए। उजाला की तरफ से गेंदबाजी करते हुए जसवंत सिंह ने और संदीप ने 3 विकेट लिए। मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सचिन कुमार को मन ऑफ द मैच का पुरस्कार सीनियर प्लेयर अटल पांडेय के द्वारा दिया गया।

उचित कार्रवाई नहीं हुई तो न्यायालय की शरण में जायेंगे : संजय

खजूरी जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति लिमिटेड ने किया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पुराना समाहरणालय गढ़वा के सामने खजूरी जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति लिमिटेड, बीरबंधा ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में पहुंचे राष्ट्रीय मछुआरा संघ के प्रदेश महासचिव बसंत कुमार चौधरी ने कहा कि समिति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, जो समिति कई वर्षों से अपने अधिकार की लड़ाई लड रही है उसे बंदोबस्त न करके दूसरे समिति को बंदोबस्त किया जाना बिल्कुल गलत है। समिति अध्यक्ष संजय चौधरी का स्पष्ट कहना है कि हमारे समिति के लोग लगातार बंदोबस्त के लिए प्रयास करते आये हैं और हर स्तर पर हमेशा सकारात्मक आश्वासन मिलता रहा है। लेकिन स्थानीय पदाधिकारी के रवैया से हम लोग काफी परेशान हैं। खजूरी जलाशय मत्स्य जीवी सहयोग समिति लिमिटेड, बीरबंधा एक निबंधित संस्था है, जो खजूरी जलाशय में मत्स्य पालन हेतु समिति बंदोबस्ती लेना चाहती है। खजूरी जलाशय में मत्स्य पालन हेतु दिनांक 27.7.2021 को बीरबंधा में समिति ने बैठक किया। जिला मत्स्य पदाधिकारी, गढ़वा के पत्रांक 520 दिनांक 23.7.2021 के द्वारा बंदोबस्ती प्राप्त करने हेतु सहायक निबंधक सहयोग समितियां, गढ़वा और जिला सहकारिता पदाधिकारी, गढ़वा से अनुशंसा सहित स्वच्छता प्रमाण पत्र मांगा गया था। जिसका पत्रांक 199 दिनांक 30.7.2021 तथा पत्रांक 378 दिनांक 12.12.2023 को निर्गत किया गया है। बंदोबस्ती के लिए संपूर्ण अहताएँ पूरी करने के बावजूद भी जिला मत्स्य पदाधिकारी, गढ़वा के द्वारा तरह-तरह के बहाना बनाकर बेवजह परेशान किया गया। कागजात को देखते हुए तत्काल बंदोबस्ती को रद्द करते हुए विधि संगत न्याय किया जाए। खजूरी जलाशय विस्थापित मत्स्यजीवी सहयोग समिति से तीनों पदाधिकारीयों नें पैसा लेकर अवैध तरीके से बंदोबस्ती किया है, जो गलत है। खजूरी जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति लिमिटेड बीरबंधा के सभी सदस्य स्थानीय हैं, परंपरागत है, प्रशिक्षण प्राप्त हैं। गरीब, असहाय, भूमिहीन, दिव्यांग सहित 200 लोगों का रोजगार की समस्या उत्पन्न हो गयी है। सभी लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच गये। जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं सहायक निबंधक सहयोग समितियां, गढ़वा के द्वारा दुर्व्यवहार करते हुए एक एक लाख रुपया रिश्वत मांगा जा रहा है, जो समिति के लोग देने में असमर्थ हैं। इस विषय को लेकर उच्च पदाधिकारीयों से निवेदन है कि इसे गंभीरता पूर्वक लेते हुए न्याय संगत उचित समिति को जलाशय बंदोबस्त किया जाए ताकि मछुआरा परिवार को रोजगार मिल सके और अपने परिवार को पालन पोषण करने में सहयोग मिल सके। उचित कारवाई हेतु उपायुक्त, गढ़वा को ज्ञापन सौंपा गया है। मौके पर समिति सचिव संजय कुमार चौधरी, कोषाध्यक्ष अजय चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य सुकुल चौधरी, उपेंद्र, चलितर सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे

चंदवा में दस एकड़ में लगी पोस्ता की फसल नष्ट

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा में मंगलवार को थाना क्षेत्र के मालहन पंचायत अंतर्गत जपुआटांड मे चंदवा पुलिस और वन विभाग ने अभियान चलाकर करीब लगभग दस एकड़ में लगे पोस्ते की खेती को नष्ट किया। लातेहार पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर चंदवा थाना से एक टीम का गठन किया गया। जिसमें चंदवा पुलिस सदल बल के साथ पहुंची। उसके बाद वन विभाग और चंदवा पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर लगभग दस एकड़ भूमि मे लगे पोस्ते की खेती को रौंद कर नष्ट किया। इस संबंध में लातेहार पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पोस्ते की खेती में शामिल लोगो को बख्शा नहीं जायेगा। इस मामले मे प्राथमिकी दर्ज कर दोषी लोगो की पहचान कर कार्रवाई की जायेगी। यह अभियान चंदवा पुलिस इंस्पेक्टर रणधीर कुमार के नेतृत्व थाना के जवानों के साथ अंजाम दिया जा रहा है।

चतरा सांसद कालीचरण सिंह के सौजन्य से बुजुर्गों के बीच कंबल का वितरण

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। कड़ाके की ठंड को ध्यान में रखते हुए चतरा सांसद कालीचरण सिंह के सौजन्य से छेंचा शक्तिकेंद्र के चपरी ग्राम में असहाय और बुजुर्गों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर पार्टी के महामंत्री मनोज प्रसाद ने कहा कि ठंड के प्रकोप को देखते हुए सांसद कालीचरण सिंह द्वारा किये जा रहे कंबल वितरण का यह प्रयास सराहनीय है। कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष बंसी प्रसाद ने भी सांसद महोदय के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर बंधवा मासोमात, तेतरी मासोमात, सेडू भुईया, मालती मासोमात, छठनी मासोमात, ठेघू भुईया समेत कई जरूरतमंद लोगों ने कंबल प्राप्त करते हुए सांसद महोदय को धन्यवाद दिया। इस नेक पहल से गांव के असहाय और बुजुर्गों को कड़ाके की ठंड से राहत मिली है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्थानीय कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

लोहरदगा के इंस्पेक्टर बने सुधीर साहू

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा अंचल के 20 वें पुलिस निरीक्षक के रूप में सुधीर प्रसाद साहू ने पदभार ग्रहण किया। ज्ञातव्य हो की सुधीर प्रसाद साहू पुलिस विभाग में 1994 ई में जॉइनिंग किये थे। वे इससे पूर्व लोहरदगा थाना प्रभारी के रूप में 2014 से 2019 तक थाना प्रभारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। सुधीर प्रसाद साहू एक तेजतर्रार पुलिस पदाधिकारी माने जाते है और एक स्वच्छ छवि के रूप में अपनी पहचान बनाये है। सुधीर साहू ने कहा कि लोहरदगा को अपराध मुक्त कर आम जनता को उत्कृष्ट पुलिस सेवा प्रदान करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। कांडों का त्वरित निष्पादन पर जोर देकर आपराधिक घटनाओं में कमी लाने पर फोकस किया जायेगा। कांडों के त्वरित गति से निष्पादन करने पर उनका विशेष जोर रहेगा। साथ ही घटित आपराधिक घटनाओं, लूट-पाट, कुर्की जब्ती, दागी वारंटी सहित अन्य घटनाओं पर उनकी नजर बनी रहेगी। इधर लोहरदगा अंचल पुलिस निरीक्षक के रूप में पदभार ग्रहण करने पर लोहरदगा वासियों ने बधाई देते हुए उम्मीद जताया है की लोहरदगा में एक अच्छी सोशल पुलिसिंग का कार्य होगा।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से नाबालिग बच्चे की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा/ लोहरदगा। सेन्हा थाना क्षेत्र के अरु धरधरिया पथ पर चौकनी गांव के समीप मंगलवार को गोबर खाद गिरा कर लौट रहा ट्रैक्ट अनियंत्रित हो पक्की सड़क से नीचे खेत में कूद गया। जिससे सवार बालक को अंदरूनी एवं बाहरी गंभीर चोट आने से घटने स्थल पर मौत हो गयी। बताया जाता है कि डाडू धौठा टोली की ओर बिना रजिशटेशन नंबर के ट्रैक्टर जा रहा था। इस दरमियान अनियंत्रित हो खेत में जा घुसा जिससे अप्रिय घटना हुआ। मृतक बालक की पहचान अरु कदम टोली ग्राम निवासी रंथु उरांव के 12 वर्षीय पुत्र नितेश उरांव के रूप में किया गया। फिलहाल शव को पुलिस कब्जे में ले पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल लोहरदगा भेज ट्रैक्टर को जब्त कर अग्रतर कार्रवाई चालक के विरुद्ध आरंभ कर दिया गया। घटना की सूचना पर सेन्हा थाना प्रभारी अजीत कुमार, एसआइ साहेब कुंवर, एएसआइ जमशेद खान दल बल के साथ घटना स्थल पहुंच घटना का लिया जायजा।

तेतरचुम्मा के अधेड़ ने घर में लगायी फांसी

भंडरा (आजाद सिपाही)। भंडरा थाना क्षेत्र के ख्वास खिजरी के तेतरचुम्मा के रहने वाले एक 50 साल के अधेड़ ने अपने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। बीती देर रात उसका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची भंडरा पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लोहरदगा सदर भेज मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक भंडरा थाना क्षेत्र के ख्वास खिजरी गांव के तेतरचुम्मा के रहने वाले 50 वर्षीय एतवा उरांव पिता बिरसा उरांव का शव एक कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मृतक की पति एतवरिया उरांव द्वारा देखा गया था। सूचना मिलते ही भंडरा पुलिस मौके पर पहुंच गयी थी। मृतक की पत्नी एतवरिया ने बताया की वह सोमवार की सुबह मंईयां सम्मान योजना में रांची गयी हुई थी।

नवोदय विद्यालय पूर्ववर्ती छात्र संघ का गठन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जवाहर नवोदय विद्यालय जोगन में पूर्व छात्रों की एक बैठक हुई। जिसमें नवोदय विद्यालय पूर्ववर्ती छात्र समागम के साथ पूर्व छात्र संगठन का चुनाव किया गया। इस चुनाव में कलिंदर उरांव अध्यक्ष, सागर वर्मा सचिव, गुलाम जिलानी कार्यकारी अध्यक्ष और नेसार अंसारी कोषाध्यक्ष चुने गये। चुनाव के बाद संघ के सचिव सागर वर्मा ने कहा की नवोदय विद्यालय भारतवर्ष के लगभग सभी जिलों में 1986 से शुरू की गई थी। प्रत्येक वर्ष जिले के होनहार 80 विद्यार्थियों का चयन इस विद्यालय में होता है। इस तरह लोहरदगा जिला में अभी तक लगभग 3000 विद्यार्थी यहां से शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं। इसी तरह पूरे देश में लाखों छात्र यहां से लाभान्वित होकर आज देश सेवा में लगे हैं। जिसमें आज पांच सांसद, लगभग 30 विधायक, सैकड़ो आइएएस एवं आईपीएस हैं, तथा विभिन्न उच्च पदों पर हजारों पूर्व छात्र अपनी सेवा दे रहे हैं। कार्यकारी अध्यक्ष गुलाम जिलानी ने कहा की जाति धर्म से उपर उठकर समाज का कार्य करना है। हर दबे कुचले का भला करना है। पहले हम संगठन को मजबूत कर लें। अपने एक-एक लोगों को साथ में जोड़कर इस अभियान को आगे बढ़ाएंगे और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। हम सामाजिक और शैक्षणिक कार्यों में जिले को आगे ले जाने की पुरजोर कोशिश करेंगे। समाज में फैले विद्वेष को दूर कर सामाजिक सौहार्द लाने की हर संभव कोशिश करना है।

धूमधाम के साथ मनायी गयी गुरु गोबिंद सिंह की जयंती

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। साइडिंग पावरगंज स्थित बाबा गोविंद दास के मठ (बाबा मठ) में गुरु गोबिंद सिंह की जयंती धूमधाम के साथ मनायी गयी। सर्वप्रथम पुरोहित गोपाल पांडे के द्वारा पूजा, पाठ, अरदास, आरती के पश्चात कडाह प्रसाद का वितरण किया गया। महिलाओं के द्वारा सुखमणि साहब एवं जपजी साहब का पाठ किया गया। उसके पश्चात भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो लोग शामिल हुए एवं भव्य भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

गुरु गोविंद सिंह के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए पुरोहित गोपाल पांडे ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह का जन्म बिहार के पटना में हुआ था यह सिखों के दसवें गुरु थे और इन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की थी और देश धर्म की रक्षा हेतु अपने पूरे वंश का बलिदान दिया था। उनके चार पुत्र, माता एवं उनके पिता ने इस देश धर्म के वास्ते अपनी शहीदी दी थी। आज हम सबको इनके दिखाये रास्ते पर चलने की जरूरत है। समाज के अगुवा एवं विभिन्न धार्मिक संगठनों के संरक्षक राजेंद्र खत्री ने कहा कि आज के दिन हम लोग बड़े उत्साह के साथ गुरु गोबिंद सिंह की जयंती मना रहे हैं। आने वाले वर्षों में इसे और भव्य रूप दिया जायेगा। निवर्तमान वार्ड पार्षद अविनाश कौर ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के उपदेश थे कि कोई गरीब भूखा ना रहे, किसी के उपर जुल्म ना हो और सब अपने-अपने धर्म को अच्छी तरह मानते हुए चले, जात पात का भेदभाव ना हो। आज जरूरत है कि हम उनके दिखाये रास्ते पर चले और समाज का कल्याण करे। जयंती कार्यक्रम में मुख्य रूप से कवलजीत सिंह, जितेंद्र सिंह, अमृता कौर, संग्राम पृथ्वी चौहान, खोखन दा, आशुतोष पांडेय, गुप्तेश्वर गुप्ता, राजेंद्र खत्री, सुबोध राय, राजू साहू, राजू गुप्ता, विजय साहू, राजेश शर्मा, संजीव शर्मा, सनी सिंह, पंकज शर्मा, हिमांशु केसरी, निशांत कांस्यकार, प्रसनजीत घोष, रोहित ओझा सहित सैकड़ो भक्तगण उपस्थित थे।

सदस्य संख्या में अव्वल पार्टी है भाजपा : ओम सिंह

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा 22 दिसंबर 2024 से शुरू सदस्यता अभियान जिला से मंडल, पंचायत एवं बूथ स्तर तक पहुंच चुकी है। 14 जनवरी तक चलने वाली सदस्यता अभियान को लेकर वरिष्ठ से लेकर कनिष्ठ कार्यकर्ता अपने लक्ष्य को लेकर घर घर संपर्क करते हुए मोबाइल एवं पर्ची काट कर लोगो को सदस्य बनाते हुए भाजपा से जोड़ रहे है। इस क्रम में 7 जनवरी को मंडल अध्यक्ष अशोक साहू के नेतृत्व में भजपा जिला उपाध्यक्ष सह जिला सदस्यता अभियान संयोजक अजय पंकज, वरिष्ठ कार्यकर्ता ओम सिंह एवं उमेश कांस्यकर द्वारा सेन्हा चौक में लगभग एक दर्जन दुकानदारों को मोबाइल के माध्यम से सदस्य बना कर भाजपा परिवार से जोड़। मौके पर वरिष्ठ कार्यकर्ता ओम सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कई वर्षों से सदस्य संख्या के मामले में अन्य पार्टियों से अव्वल है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद से लोग काफी संख्या में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। मौके पर जिला मीडिया प्रभारी विजय सोनी, मंडल उपाध्यक्ष नवल साहू, राज वर्मा, तान्या सोनी साहू आदि उपस्थित थे।

डीसी ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को किया रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार सड़क सुरक्षा माह-2025 के तहत समाहरणालय परिसर से जागरूकता रथ को उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के सभी प्रखंडों में जाकर सड़क दुर्घटना के रोकथाम के लिए लोगों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा नियमों के बारे जानकारी प्रदान करने का कार्य किया जायेगा।

इस मौके पर उपायुक्त ने कहा जीवन बहुत मूल्यवान है। सड़क दुर्घटनाओं के रोकथाम एवं अपनी सुरक्षा के लिए जिम्मेदारीपूर्वक तथा यातायात नियमों का अनुपालन करते हुये वाहन चलायें। दुपहिया वाहन चलाते समय अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट का प्रयोग करें, कार चलाने के समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें। 18 वर्ष से कम उम्र के नाबालिक बच्चों के अभिभावक से दो पहिया एवं चार पहिया वाहन नहीं चलाने देने का आग्रह किया गया।

मौके पर उपविकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, ज़िला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद कुमार, अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

युवा दिवस के शुभ अवसर पर एक शाम अंजन धाम के नाम : सचिन कुमार

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। मां आंजन महोत्सव 12 जनवरी 2025 को एक साथ दोपहर 3:00 बजे, सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया जायेगा। जिसमें आप सभी हनुमान भक्त इस सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ में आमंत्रित हैं। जिले के सभी धार्मिक और सामाजिक संगठन से अनुरोध है कि एक शाम आंजन धाम के नाम कार्यक्रम में आप सब आमंत्रित हैं। कार्यक्रम के राष्ट्रीय सचिव सचिन कुमार साहू, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंदन गोयल एवं अशोक कांस्यकार आज नगर में लोगों को निमंत्रण पत्र देकर एक शाम अंजन धाम के नाम लोगों को आने का निमंत्रण पत्र दिया गया।

कोल्हान की खबरें

भाजपा महानगर ओबीसी मोर्चा के कैंप में सैंकड़ों लोगों ने ली सदस्यता

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के द्वारा साकची बसंत टॉकीज के समीप सदस्यता अभियान के तहत विशेष कैम्प लगाया गया। कैम्प के माध्यम से मोर्चा के महानगर अध्यक्ष सागर राय के नेतृत्व में 180 से अधिक नये सदस्यों को पार्टी से जोड़ा गया। अभियान के दौरान लोगों में उत्साह देखा गया। सभी ने स्वेक्षा से भाजपा की प्राथमिक सदस्यता प्राप्त की। अभियान में भाजपा के कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। जिलाध्यक्ष सागर राय ने कहा सदस्यता अभियान में समाज के हर वर्ग को भाजपा की विचारधारा से जोड़ने का प्रयास है। हमारा उद्देश्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं बल्कि समाज के हर व्यक्ति को राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास व उत्थान में योगदान देने के लिए सभी लोगों को भाजपा से जुड़ने की अपील की।मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष बबुआ सिंह, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हलदर नारायण शाह, मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता धर्मेंद्र प्रसाद,ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष सागर राय, सदस्यता संयोजक डॉ. राजीव कुमार, चिंटू सिंह, वीर सिंह, राज कुमार साह, महेंद्र प्रसाद, मीरा शर्मा, मधुमाला, ओम पोद्दार,विकाश दास, ब्रजेश सोनकर, मुनचुन, सतीश, संजय शर्मा, सुख सागर गुप्ता सहित अन्य शामिल रहे।

12 जनवरी को होगा रेड पाव्स रेस्क्यू फाउंडेशन का मैराथन फॉर सनातन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। राष्ट्रीय सनातन संगठन के तत्वाधान में जमशेदपुर रेड पाव्स रेस्क्यू फाउंडेशन के सहयोग से आगामी 12 जनवरी को मैराथन फॉर सनातन दौर का आयोजन किया जायेगा। जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के समीप डायमंड पार्क से मैराथन दौर 5 किलोमीटर का सफर तय कर पुनः डायमंड पार्क में समाप्त होगा। 12 जनवरी को सुबह 6:00 बजे डायमंड पार्क में ध्वजारोहन कार्यक्रम के बाद दौर की शुरूआत की जायेगी। जानकारी देते हुए अनंत कुमार दुबे व अनीज पटेल ने बताया कि संस्था के द्वारा प्रतिभागियों को टीशर्ट, रिफ्रेशमेंट पैक, प्रमाण पत्र, सरप्राइज रीवार्ड्स और तीन विजेताओं को नगद राशि से पुरस्कृत की जायेगी। मैराथन फॉर सनातन दौर में भाग लेने के लिए "https://marathon4sanatan.com लिंक के माध्यम से ऑनलाइन रेजिस्ट्रेशन या रजिस्ट्रेशन से संबंधित सहायता हेतु अनंत कुमार दुबे 6202814768 व अनीज पटेल 9386698020 में संपर्क कर सकते है।

डीसी, एसपी और डीटीओ ने सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को किया रवाना

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। सरायकेला खरसावां जिला में 01 जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है।मंगलवार को जिले में सड़क सुरक्षा में जागरूकता लाने के लिए डीसी रवि शंकर शुक्ला, एसपी मुकेश कुमार लुणायत एवं डीटीओ गिरजा शंकर महतो ने संयुक्त रूप से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।जागरूकता रथ के माध्यम से जिले में आमजनों के बीच सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं यातायात नियमों के पालन के लिए जानकारी दी जायेगी। ताकि वाहन चालकों की लापरवाही से सड़क पर होने वाले हादसों को कम किया जा सके। मौके पर डीसी ने कहा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी लोगों को यातायात नियमों का पालन आवश्यकता करना चाहिए। अभियान के दौरान विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों व सार्वजनिक स्थलों पर सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता कार्यक्रम, पोस्टर वितरण, सड़क सुरक्षा साइनबोर्ड लगाने व अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी और सतर्कता बढ़ाना है। जागरूकता रथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में घूम कर चालकों को हेलमेट का उपयोग,चार पहिया या भारी वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, शराब पीकर वाहन नहीं चलाने और 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने में हतोत्साहित करने पर बल दिया जायेगा।

एनएसपीसी क्रिकेट टूर्नामेंट में एसवाइबीसी का कब्जा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। न्यू सिद्धगोड़ा पूजा कमेटी के द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सिनेमा मैदान मे क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। मंगलवार को क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में मुख्य अतिथि पूर्व अंतराष्ट्रीय क्रिकेटर सौरभ तिवारी, विशिष्ट अतिथि कमिटी के संरक्षक चन्द्रगुप्त सिंह, समरेश सिँह,जीतेन्द्र उपाध्याय, रॉकी सिंह उपस्थित हुए। अतिथियों के द्वारा खिलाड़ियों के साथ परिचय करते हुए बेटिंग व बोलिंग कर फाइनल मैच का शुभारंभ किया गया। मौके पर एसवाइबीसी की टीम ने कड़ी मेहनत करते हुए पहला स्थान में कब्जा जमाया। वही दिव्यांश इलेवन की टीम को दूसरे स्थान में उपविजेता घोषित किया गया। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा एसवाइबीसी की विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार 50 हजार रुपए और ट्रॉफी एवं उपविजेता दिव्यांश इलेवन की टीम को 30 हजार रुपये और ट्रॉफी भेट कर सम्मानित किया गया।

सीएसआइआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला में सज्जीकरण और संकुलन पर कार्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। सीएसआइआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) ने मंगलवार को व्याख्यान कक्ष में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अधिकारियों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। उद्घाटन समारोह की शुरूआत मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन समारोह के साथ हुई, जिनमें सीएसआइआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी, सीएसआईआर-एनएमएल के खनिज प्रसंस्करण प्रभाग के प्रमुख डॉ. देवब्रत मिश्रा, मानव संसाधन समूह के प्रमुख एवं मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस. शिवाप्रसाद शामिल थे।

डॉ. संदीप घोष चौधरी, निदेशक, सीएसआईआर-एनएमएल ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के सभी अधिकारियों का स्वागत किया और एनएमएल की विरासत और इतिहास तथा देश के इस्पात उद्योगों और खनिज समृद्ध क्षेत्र में इसकी मौजूदगी के बारे में जानकारी दी। देश में तेजी से बढ़ती धातु उत्पादन क्षमताओं के मद्देनजर खनिज प्रसंस्करण का महत्व सर्वोपरि है, जैसे कि घरेलू इस्पात उत्पादन को वर्तमान 140 मिलियन टन से बढ़ाकर 2030 तक 300 मिलियन टन करना। उन्होंने खनिज प्रसंस्करण प्रभाग की अनूठी अत्याधुनिक बेंच और पायलट स्केल सुविधाओं तथा इसके विविध ज्ञान आधार के बारे में भी बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उद्योग के अधिकारियों के लिए बेहद मददगार साबित होगा।

विस अध्यक्ष से मिले संजीव सरदार, नये साल की दी बधाई

आजाद सिपाही संवाददाता

पोटका। पोटका विधायक संजीव सरदार ने झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो से रांची स्थित उनके आवास में शिष्टाचार मुलाकात की। मंगलवार को मुलाकात कर दौरान विधायक ने गुलदस्ता भेंट कर नए साल की ढेर सारी बधाई व शुभकामनाएं देते हुए आशिर्वाद लिया। मौके पर विधायक के साथ झामुमो के पोटका प्रखंड सचिव भुबनेश्वर सरदार, फूलचंद सरदार (लाल), ईश्वरलाल सरदार सहित अन्य उपस्थित रहे।

लेवी वसूली के मामले में दो गिरफ्तार

पहाड़ी चीता गिरोह का पूर्व एरिया कमांडर निकला मास्टर माइंड

आजाद सिपाही संवाददाताता

डुमरी। लेवी वसूल करने के आरोप में डुमरी पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ कर जेल भेज दिया। डुमरी थाना ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चैनपुर के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए लेवी वसूली के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी डुमरी के व्यवसायी राजेश केशरी की शिकायत पर हुई है। राजेश केशरी ने बीते 2 जनवरी को लेवी मांगने से संबन्धित मामला दर्ज कराया था।

मामले का खुलासा

एसडीपीओ ने मीडिया कर्मियों को बताया कि आरोपी हेमंत गुप्ता ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने एक होटल की महिला का फोन चुराया और उसका सिम कार्ड निकालकर फोन लौटा दिया था। 2020 में जेल में उसकी मुलाकात पहाड़ी चीता उग्रवादी संगठन के एरिया कमांडर रामावतार साहू से हुई थी। जेल से रिहा होने के बाद रामावतार से फिर टांगीनाथ धाम में मुलाकात हुई, जहां लेवी वसूलने की योजना बनायी गयी। बीते 2 जनवरी को गुमला के टावर चौक पर दोनों आरोपियों ने मिलकर डुमरी के व्यवसायी राजेश केशरी, संदीप गुप्ता और जून उरांव से फर्जी सिम कार्ड के जरिए पीएलएफआई संगठन के नाम पर लेवी की मांग की और जान से मारने की धमकी दी।

आरोपियों का आपराधिक इतिहास

मुख्य आरोपी रामावतार साहू उर्फ रामा (35 वर्ष) ग्राम पोढ़ा, थाना सिसई, गुमला का निवासी है। वह पहाड़ी चीता नक्सली संगठन का पूर्व एरिया कमांडर रह चुका है और उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं।

बरामद सामान

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लेवी वसूली में प्रयुक्त आई-टेल कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल और अन्य मोबाइल फोन बरामद किया।

कार्रवाई टीम में शामिल सदस्य

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अनुज कुमार, एसआइ मनोज कुमार, एसआइ संजय कुमार चौबे, मो. जहांगीर राइनी असिस्टेंट कमांडेंट, एसएसबी आरक्षी जीतू तिग्गा, रामजीलाल यादव, विष्णु उरांव, संजय मिंज सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। जबकि पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व एसडीपीओ चैनपुर कर रहे थे।

साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस आयोजित

गुमला (आजाद सिपाही)। चंदाली स्थित समाहरणालय में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों को उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान सड़क निर्माण, रोजगार, पारिवारिक विवाद, आवास योजना और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से संबंधित कई मामलों पर चर्चा की गयी। ओकबा पंचायत से आये जागरण क्लब के अध्यक्ष श्री ईश्वर गोप ने अपने क्षेत्र में सिसई-बसिया मुख्य सड़क से ममरला कब्रिस्तान होते हुए बोंगालोया गांव तक जर्जर सड़क की मरम्मत की मांग की। इस पर उपायुक्त ने फण्ड विभाग को पत्र जारी कर जल्द से जल्द सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिये।

पहुंच पथ नहीं होने के कारण नाला का पानी पीने को मजबूर हैं खूंटी टोली अंबा गढ़ा के ग्रामीण

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। जारी प्रखंड के सीकरी पंचायत के खूंटी टोली अंबागढ़ा गांव के ग्रामीण आज भी नाला और चुआं का पानी पीने को मजबूर हैं। इस चुआं के पानी को गांव के ग्रामीण और मवेशी दोनों पीते हैं। खुले स्थान में चुआं होने के कारण मवेशी उस पानी को पीते भी है और उसमें नहाते भी हैं। लेकिन इस पानी को पीना ग्रामीणों की मजबूरी है। ग्रामीणों ने बताया जल मीनार लगने के बाद 5 सालों तक इसे मेंटेनेंस करने का नियम है लेकिन आज तक कोई इसे देखने में नहीं आता है। पेय जल विभाग में शिकायत करने के बाद भी आज तक स्थिति यथावत बनी हुई है। इस गांव में करीब 15 परिवार निवास करते हैं। करीब 1 वर्ष पूर्व गांव में जल मीनार बना था लेकिन एक साल से जल मीनार खराब पड़ा है। जिस कारण ग्रामीण पीने के पानी के लिए 500 मीटर दूर जाकर पानी ढोकर लाते हैं। वही गांव की महिलाओं को पीने का पानी व अन्य कार्यों के लिए काफी दूर से पानी ढोकर लाना पड़ता है। वही ग्रामीणों ने बताया सड़क से गांव की दूरी 1 किलोमीटर है लेकिन अब तक गांव पहुंच के लिए सड़क नहीं बना है। बरसात के दिनों में ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया चुनाव के समय नेताओं का दौरा होता है नेता गांव आते हैं पानी और सड़क की समस्या को दूर करने की बात कह कर वोट भी मांगते हैं। लेकिन उसके बाद मुड़कर गांव की ओर नहीं देखते हैं। मौके पर गांव के मन कुंवर महतो, गोवर्धन महतो, धनी महतो, राजू महतो, जानकी देवी, सनमइत देवी, सोनामुनी देवी, गुड्डी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

अरमइ शरीफ में मनाया ख्वाजा गरीब नवाज का 813वां उर्स

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिला मुख्यालय से सटे अरमई के खानकाह नूरी चिश्तिया असदकिया में सोमवार को सुलतान उल हिंद हजरत ख्वाजा गरीब नवाज का 813 वां उर्स बड़े धूम धाम से मनाया गया। उर्स का आगाज बाद नमाज ए असर नारों की बुलंद आवाज के साथ परचम कुसाई की रश्म अदा करते हुए किया गया। परचम कुसाई के बाद,बाद नमाज ए मगरिब जश्न ए ख्वाजा गरीब नवाज कांफ्रेंस का अयोजन किया गया। जिसकी सरपरस्ती खानकह असदककिया चिस्तीया अरमई शरीफ के पीर ए तरीकत सैय्यद अतहरउद्दीन असदकी चिस्ती ने की। उसके बाद कांफ्रेंस की शुरूआत पीर ए तरीकत हजरत सैय्यद गुलाम नूर जिलानी ने तिलावत ए कुरआन ए पाक से की। त्तपश्चत खतिब पीर ए तरीकत हजरत अल्लामा मौलाना मुफ़्ती सैय्यद असरारूल हक ने बयान किया। उन्होंने अपनी तकरीर के दौरान सुल्तान उल हिन्द हजरते ख्वाजा गरीब नवाज के विषय पर सारा बयान किया मुफ़्ती साहब ने अपनी तकरीर मे गरीब नवाज के कई वाकियत बयान किए। गरीब नवाज संजर से हिंदुस्तान किस तरह आए तमाम लोगो को बताया और गरीब नवाज हिंदुस्तान आकर लोगों को इस्लाम का पैगाम कैसे दिया, इन तमाम वाकियत को बयान किया। नवादा बिहार से आए हाफिज सरफुद्दीन असदकी ने बयान फरमाया। रांची से हाफिज नूर और हाफिज व कारी अब्दुल्लाह ने भी अच्छे अंदाज मे वाकियत ए गरीब नवाज बयान किए। उसके बाद हजरत मोहम्मद पर जामा मस्जिद के इमाम इनाम रब्बानी ने सलाम का नजराना पेश किया। लंगर ए गरीब नवाज संचालित किया गया। कार्यक्रम के अयोजन में कलाम असदकि, फिरोज असदकी, गुलाम ख्वाजा असदकी शकील असदकी हाजी सलीम कादरी असदकी, लईकुल रहमान असदकी, अल्ताफ असदकी आदि की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

चैंबर चुनाव : मतदाताओं की सूची के द्वितीय चरण का अंतिम प्रकाशन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। चैंबर ऑफ कॉमर्स गुमला के आम चुनाव 2025 को लेकर मंगलवार को द्वितीय चरण का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया। यह प्रकाशन सूची चैंबर के अध्यक्ष दामोदर कसेरा व सचिव बबलू वर्मा द्वारा मुख्य चुनाव पदाधिकारी व सहायक चुनाव पदाधिकारी को सौंपी गयी।

मतदाता प्रकाशित सूची के अनुसार आजीवन सदस्य की कुल संख्या 195 बतायी जा रही है। वहीं सामान्य मतदाता सदस्यों की संख्या 615 है। यानी कुल सदस्यों की संख्या 810 होगी। सत्र 2025 के होने वाले आम चुनाव के लिए यह संख्या दर्ज करवायी गयी है।

मतदाता सूची का फाइनल व अंतिम प्रकाशन के अनुसार ही आगामी 19 जनवरी को चैंबर के अध्यक्ष व सचिव द्वारा उपलब्ध करवाये गये मतदाता सूची से आम-चुनाव संपन्न होगा।

व्यापारियों के अनुरोध पर चुनाव को लेकर 8 जनवरी को प्रातः 11 बजे से 12 बजे तक नामांकन पत्रों की बिक्री होगी। पुनः अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक चुनाव हेतु नामांकन पत्रों की बिक्री एवं नामांकन होगी।

वहीं 9 जनवरी को भी अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक नामांकन पत्रों की बिक्री व नामांकन किया जायेगा।

उपलब्ध करवाये गये मतदाता सूची में अब यदि कोई त्रुटि या गलती होगी तो इसकी सारी जिम्मेवारी खुद संबंधित व्यापारियों की होगी। इन मुद्दों को लेकर मुख्य चुनाव पदाधिकारी के आदेशानुसार मंगलवार को गुमला शहरी क्षेत्र में ऐलान भी करवाया गया है।

मौके पर मुख्य चुनाव पदाधिकारी रमेश कुमार चीनी, सहायक चुनाव पदाधिकारी पवन कुमार अग्रवाल, हिमांशु केशरी, दिनेश अग्रवाल, सत्यनारायण पटेल, चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष दामोदर कसेरा और सचिव बबलू वर्मा राजेश सिंह आदि उपस्थित थे।

हिंडालको सीएसआर ने किया कंबल का वितरण

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। अमतीपानी चिरोडीह खनन क्षेत्र में हिंडालको सीएसआर के तहत बढ़ते ठंड से बचाव के लिए वृद्धजनों के बीच कंबल का वितरण किया गया। अमतीपानी चिरोडीह अंतर्गत ग्राम अमतीपानी, चापकोना, चौरापाठ, छातासराई और लोदापाठ आदि ग्राम के वृद्ध जनों के बीच ग्रामीण के सहयोग से एवं अधिकारियों के मार्गदर्शन में कंबल का वितरण किया गया। अब तक 150 कंबल का वितरण वृद्ध जनों के बीच बढ़ती ठंड से बचाव हेतु उन्हें प्रदान किये गये हैं। कंबल वितरण कार्यक्रम का मार्गदर्शन वरीय खान प्रबंधक शंभु सरन वशिष्ठ के नेतृत्व में किया। कंबल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ सुधीर उपनिदेशक खान सुरक्षा के हाथों किया गया एवं सहयोग अन्य अधिकारी गण इस मौके पर मानव संसाधन अधिकारी नागेश वर्मा एवं सीएसआर विभाग के दीपक सिंह, सहायक प्रबंधक, डॉक्टर असगर जिवन मोहंती, अमित प्रधान, निशार दास, आसिफ अंसारी सहित कई लोग उपस्थित हुए।

घाघरा में जीपीएफटी विषय पर प्रशिक्षण शुरू

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा ब्लॉक परिसर सभागार में जीपीएफटी विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी ने दीप प्रज्वलित कर किया प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुखिया पंचायत सचिव वी स्वयंसेवक शामिल हुए। प्रशिक्षण कर्ता रीमा कुमारी ने 9 थीम पर जानकारी दी। जिसमें गरीब गरीबी मुक्त गांव और उन्नत आजीविका स्वास्थ्य गांव, तहसील गांव जल पर्याप्त गांव, स्वच्छ और हरा भरा गांव, आत्मनिर्भर इंफ्रास्ट्रक्चर वाला गांव, सामाजिक रूप से न्याय संगत और सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव, सुशासन वाला गांव, महिला हितैषी गांव, जैसे विषय पर जानकारी दी गई। साथ ही ग्राम सभा में योजना लेने, विशेष योजना लेने साथ ही उसके क्रियान्वयन की जानकारी दी गई। मौके पर बीडीओ दिनेश कुमार ने कहा कि सभी मुखिया पंचायत कर्मी स्वयंसेवक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। इस मौके पर बीपीआरओ शंकर साहू मुखिया विनीता कुमारी, अग्नि उरांव, लोदो एक्का, चांदनी देवी, फिरंगी उरांव सहित कई उपस्थित थे।

अंधविश्वास-नशापान को रोकने के लिए डीसी को सौंपा ज्ञापन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला में नशा पान का बढ़ते प्रचलन और अंधविश्वास की पराकाष्ठा पर झारखंड प्रदेश प्रतिज्ञा महिला एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष देवकी देवी ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर अंधविश्वास के कारण बढ़ते अपराध और युवाओं में नशापान के बढ़ते प्रचलन पर अंकुश लगाने के लिए सामूहिक प्रयास की पहल करने का अनुरोध किया है। कहा कि समय रहते अंधविश्वास और नशापान पर रोक नहीं लगता हे तो आने वाला दिन गुमला नरक हो जायेगा। उन्होंने नशापान और अंधविश्वास से बढ़ते अपराध को रोकने के लिए उपायुक्त से पहल करने की मांग की है। कहा कि प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस प्रशासन, पंचायत के प्रतिनिधि, स्वयं सेवी संगठन, प्रबुद्ध जन आदि की संयुक्त बैठक कर नशापान और अंधविश्वास से बढ़ते अपराध को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने और प्रभावी कार्रवाई करने की जरूरत है। उनका संगठन लोगों के बीच जागरूकता फैला रही है लेकिन प्रभावी नहीं हो रहा है। सामूहिक प्रयास से उनका अभियान प्रभावी हो सकता है।

धरधरी जलप्रपात से युवक का शव बरामद

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के भीतर सेरका निवासी अजलइत देवी के 23 वर्षीय नाती बबलू खेरवार का शव मंगलवार शाम सेरका पंचायत स्थित पिकनिक पॉइंट धरधरी जलप्रपात से पुलिस ने बरामद किया है। मृतक का नानी अजलइत ने बताया कि बबलू सोमवार सुबह नहाने जा रहे हैं कहकर घर से निकला और लौट कर घर वापस नहीं आया सोमवार दोपहर से ही हम लोग उसे ढूंढ रहे थे परंतु उसका कुछ भी पता नहीं चला। मंगलवार शाम गांव से कुछ दूरी पर स्थित धरधरी जलप्रपात में किसी का शव होने की सूचना गांव के चरवाहों के द्वारा दिया गया। इसके बाद हम लोगों ने घटना की सूचना बिशुनपुर थाना को दी। बिशनपुर थाना के पुलिस बल मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से जंगल में स्थित जलप्रपात से शव को नीचे उतारा गया है।

मोटरसाइकिल चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए की गयी काउंसिलिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। जिला परिवहन पदाधिकारी के निर्देशानुसार गुमला जिला में सड़क सुरक्षा के नियमो के अनुपालन तथा थानों के द्वारा बिना हेलमेट मोटरसाइकिल वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े जाने 45-50 मोटरसाइकिल ड्राइवरों को यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने को लेकर सड़क-सुरक्षा के टीम के द्वारा रोड सेफ्टी काउंसलिंग किया गया। इस दोरान आये लोगो को यातायात नियमो एवं वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट जैसे सुरक्षित उपकरणों के इस्तेमाल से कैसे सड़क पर होने वाले दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है और अपनी व यातायात का उपयोग कर रहे अन्य व्यक्तियों के जान की रक्षा की जा सकती है। इसके साथ हिट एंड रन एवं गुड समरितन के बारे मे बतलाया गया इसके साथ ही सड़क सुरक्षा के द्वारा सड़क सुरक्षा संबंधित पुस्तिका एवं पैंपलेट सभी छात्र एवं छात्राओ को बांटा गया। नेक व्यक्तित्व के बारे में अवगत कराया गया जैसे मोटरवाहन जनित सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की सहायता करने के उद्देश्य से गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाने में वाले नेक व्यक्ति को प्रोत्साहित करने हेतु दो हजार रुपये मात्र नगद के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान करने की योजना लागू है। इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ ताकि किसी भी व्यक्ति के सड़क दुर्घटना के क्रम में घायल व्यक्ति को एक घंटा के अंदर (गोल्डन ऑवर में) अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को पांच हजार रुपए की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिये जाने का प्रावधान किया गया है।

राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय खोरा की लाइब्रेरी में चोरी, केस दर्ज

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला थाना क्षेत्र अन्तर्गत राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय खोरा में पिछले 30 दिसंबर 24 को चोरी की घटना हुई है। इस संबंध में विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका रेशमा कुमारी ने मंगलवार की अपराह्न 4 बजे गुमला थाना में लिखित शिकायत कर चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। कहा कि स्कूल में शीतकालीन अवकाश चल रहा है। विद्यालय में अवकाश होने के कारण वह गुमला मुख्यालय से बाहर थी। तभी तीस दिसंबर की रात लगभग साढ़े आठ बजे मोबाइल पर सूचना मिली की विद्यालय के लाइब्रेरी का ताला टूटा हुआ है। पुस्तक का बोरा बाहर रखा हुआ है। लोगों से दूसरा ताला लगवाया गया। अवकाश बिताकर लौटने के बाद विद्यालय और लाइब्रेरी कक्ष का निरीक्षण की। जिसमें देखा कि लाइब्रेरी के कुछ पुस्तकें और बेंच डेस्क आदि गायब है। एचएम ने कहा है कि विद्यालय में बाउंड्री नहीं है। विद्यालय परिसर में शाम ढलते ही नशेडियों का अड्डा रहता है। उन्होंने चोरी की प्राथमिकी दर्ज करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का विधानसभा स्तरीय मिलन समारोह

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का मंगलवार को विधानसभा स्तरीय मिलन समारोह परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम के प्रांगण में किया गया। परमवीर अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया। इस मौके पर करीब दो दर्जन नये कार्यकर्ता झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा संगठन में शामिल हुए। नये सदस्यों को माला पहनाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी गयी। गुमला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी निशा भगत, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा संगठन के जिला अध्यक्ष रघुनंदन उरांव, संयोजक हंदू भगत,प्रदेश सचिव अनूप फ्रांसिस कुजूर, महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष यशोदा देवी सावित्री देवी की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूर्व प्रत्याशी निशा भगत ने कहा कि झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा गुमला जिले में विधानसभा चुनाव से पूर्व से चर्चा में आयी है। मोर्चा के द्वारा गुमला जिले के तीनों विधानसभा में चुनाव भी लड़ा गया, जिसमें हमें पूरी सफलता नहीं मिली, लेकिन आने वाले समय में कार्यकर्ता कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार पूर्वक पार्टी संगठन से जुड़कर कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से विधानसभा के चुनाव में मोर्चा के प्रत्याशी जरूर जीत हासिल करेंगे। 2024 में हुए विधानसभा के चुनाव में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी संगठन के सुप्रीमो जयराम कुमार महतो ने जीत हासिल कर विधानसभा में जनता के मुद्दों को उठाना शुरू कर दिया है। अपने नये पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी और गांव स्तर से जुड़ने वाले सभी कार्यकर्ताओं को गांव की समस्या को चिन्हित कर समस्या को दूर करने की दिशा में कार्य करने की अपील की,। प्रदेश सचिव अनूप फ्रांसिस कुजूर ने कहा कि संगठन की मजबूती में कार्यकताओं की भूमिका अहम होती है आने वाले समय में और नए सदस्य जुड़ते जाएंगे। जिससे मोर्चा संगठन में मजबूती प्रदान होगी जिसे की आगामी विधानसभा हो या लोकसभा का चुनाव हो उसमें हमारे प्रत्याशी चुनाव मैदान में होंगे और जीत हमारे साथ में होगी। लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के संयोजक हंदू भगत ने नये पार्टी कार्यकताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी और पार्टी संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने की अपील की।

मौके पर प्रियंका स्मृति कुजूर अमित साहू, संदीप टोप्पो अशोक यादव, जगदेव उरांव, चिलगू उरांवमंगलेश्वर उरांव मुकेश महतो, हंदू भगत, रघुनंदन उरांव, अनूप कुजूर अमित साहू संदीप कुमार सुकरा उरांव, राजकुमार उरांव, संजय उरांव, करमचंद उरांव, गंगा राम उरांव, प्रियंका स्मृति कुजूर सावित्री देवी आदि कई लोग मौजूद थे।

कांग्रेस महिला उपाध्यक्ष के पुत्र ने लगायी फांसी

आजाद सिपाही संवाददाता

गौतम भगत की फाइल फोटो ।

घाघरा। कांग्रेस की प्रदेश महिला वरीय उपाध्यक्ष बॉबी भगत के बड़े पुत्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक गौतम भगत घाघरा थाना क्षेत्र स्थित पाकरटोली का निवासी था। परिजनों ने बताया कि 24 वर्षीय गौतम कंप्यूटर इंजीनियर था। परिजनों ने यह भी बताया कि चंडीगढ़ में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद कई नौकरी छोड़कर अपने पिता का व्यापार संभालता था। हर दिन सुबह लेट तक पढ़ाई करता था और कमरे से दोपहर के बाद निकाल था। मंगलवार को भी वह अपने कमरे में दरवाजा बंद कर सो रहा था। सभी लोगों को लगा कि गौतम विलंब से उठता है तो उठ ही जायेगा। इधर नारी न्याय सदस्य सम्मान को लेकर के कांग्रेस पार्टी के नेत्री प्रदेश महिला उपाध्यक्ष बॉबी भगत के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम से लौट कर जब वह शाम 6:00 बजे घर लौटी तब भी गौतम का कमरा बंद था। लोगों को शक हुआ तो दरवाजा तोड़कर देखा गया। दरवाजा खुलते ही नजर आया कि वह फंदे से झूल रहा था। घाघरा पुलिस को घटना की सूचना दी गयी। पुलिस जाकर पूरे मामले की जांच में जुट गयी है। यहां बता दे कि गौतम इंजीनियरिंग करने के बाद कई देशों में जाकर कंप्यूटर से संबंधित सेमिनार में भाग ले चुका था और कई सॉफ्टवेयर कंपनियों में ट्रेनिंग भी ले चुका था।

नदी से हो रहा बालू का अवैध कारोबार

गुमला (आजाद सिपाही)। नागफेनी स्थित आरआइबी कैंप के पीछे नावाटोली नदी से रात दिन अवैध रूप से बालू की तस्करी की जा रही है। मंगलवार की सुबह 9 बजे करीब दो दर्जन ट्रैक्टर बालू की ढुलाई करने नदी पहुंचे। हालांकि इस बात की जानकारी खनन विभाग और पुलिस अधिकारियों को भी है लेकिन पैसों के बल पर सारा मामला दब जाता है। ऐसा ग्रामीण बताते हैं। ग्रामीणों ने बताया है कि रात भर ट्रैक्टर और हाइवा की आवाज सुनाई देती है। अब तो बालू तस्कर बेखौफ होकर दिन में भी नदी से बालू की तस्करी कर रहे हैं। बता दें कि अवैध रूप से बालू का खनन हो रहा है बालू को गुमला जिला सहित रांची में भी भेजा जाता है जहां ऊंचे दाम में बालू की बिक्री की जाती है। इस धंधे में स्थानीय कई प्रतिनिधि और अधिकारियों का कमीशन बंधा है। गुमला के एक बड़े पुलिस अधिकारी को सबूत के साथ इस बात की जानकारी दी गयी थी लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गयी। बालू तस्करों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करना कई सवालों को जन्म देता है। एक ग्रामीण ने नाम उजागर नहीं करने के शर्त पर बताया सप्ताह में गुमला से एक अधिकारी आते हैं और मोटी रकम लेकर चले जाते हैं।

बीडीओ ने किया प्री बोर्ड परीक्षा का औचक निरीक्षण

चतरोचट्टी (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित जिला स्तरीय आंतरिक प्री बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाएं तीन चरणों में चल रही। इसी क्रम में गोमिया के बीडीओ महादेव महतो ने चतरोचट्टी स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से जारी निर्देश में कहा गया कि प्री-बोर्ड की परीक्षा ठीक बोर्ड की तरह ही कराई जानी हैं। विद्यार्थियों को उसी की तैयारी और अनुभव के लिए आंतरिक प्री-बोर्ड परीक्षा ली जा रही है, ताकि मानसिक तौर पर आगामी परीक्षाओं के लिए वे तैयार हो सकें। इसी के लिए विद्यालयों में निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के बाद इसकी रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजी जायेगी। वहीं, प्रभारी प्रधानाध्यापक दीपक बाबू ने बताया कि यह प्री बोर्ड परीक्षा जिला स्तरीय से आयोजित की जा रही है। जिला प्रशासन के निर्देश के अनुसार 10वीं व 12वीं के आंतरिक मूल्यांकन की परीक्षा तीन चरणों में बीच कराई जाएगी।

पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में पांकी विधायक ने दिये कई निर्देश

दलालों से मुक्त हो प्रखंड और अंचल कार्यालय : शशिभूषण

वृद्ध महिलाओं में कंबल व छात्र-छात्राओं के बीच किया साईकिल का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

जेएसएलपिएस बहनों को नौ लाख रुपये का चेक वितरित करते पांकी विधायक डॉ शशिभूषण मेहता व अन्य गणमान्य।

पांकी/पलामू। पांकी प्रखंड कार्यालय सभागार में मंगलवार को विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने प्रखंड एवं अंचल कर्मियों के साथ ही जेएसएलपीएस और बाल विकास परियोजना के कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सबसे पहले बीडीओ ललित प्रसाद सिंह और सीओ राजकुंवर सिंह ने विधायक का स्वागत किया। इसके बाद विधायक ने प्रखंड एवं अंचल कर्मियों से परिचय प्राप्त किया। लगे हाथ विधायक ने सभी कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि ग्रामीण दूर-दराज से अपने आवश्यक काम के लिए प्रखंड कार्यालय आते है। उन्हें बेवजह परेशान नहीं किया जाय। अन्यथा भ्रष्ट कर्मचारी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि विभिन्न विाग के पदाधिकारी काम नहीं करते हैं, जिसका फायदा दलाल उठाते हैं और सीधे-साधे ग्रामीणों को अपने चंगुल में फंसाकर मोटी रकम वसूल लेते हैं। उन्होंने चेताते हुए कहा कि अगर मुझे ऐसा सुनने को मिला तो उसे बर्दास्त नहीं करुंगा। विधायक ने बीडीओ एवं सीओ को निर्देश दिया की प्रखंड और अंचल कार्यालय दलाल से मुक्त हो। दूसरी ओर, जेएसएलपिएस बहनों को नौ लाख का चेक और वृद्ध महिलाओं के बीच कंबल एवं छात्र-छात्राओं के बीच साईकिल का वितरण किया। इसके अलावा जिम उपकरण का विधिवत उद्घाटन किया। साथ ही बाल विकास परियोजना की ओर से गोद भराई कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इस मौके पर प्रो बचन ठाकुर, जिला प्रतिनिधि प्रकाश मेहता, सुनील प्रसाद गुप्ता, रोशन सिंह, राजेन्द्र यादव, मिथिलेश यादव, जयकिशोर प्रसाद, उमेश यादव, पप्पू यादव, रीमा शर्मा, संतोष वर्मा, रामचरित्र सिंह, संजय भुइयां व शैलेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

लगान रसीद निर्गत करने को लेकर विश्रामपुर और हरिहरगंज में हुआ शिविर का आयोजन

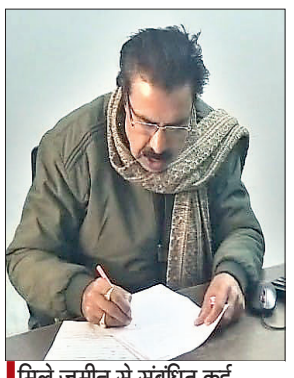

मिले जमीन से संबंधित कई आवेदन, निस्तारण की प्रक्रिया शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/हरिहरगंज/पलामू। जिला अपर समाहर्ता के निर्देशानुसार जमीन संबंधित समस्याओं के निपटारे के लिए मंगलवार को विश्रामपुर अंचल कार्यालय सभागार में शिविर का आयोजन किया गया। राजस्व उप निरीक्षक अरविंद मिश्रा ने बताया कि शिविर किसी कारण से जमीन का रसीद नहीं कट पा रहा हो या ऑनलाइन रसीद कटवाने में अड़चन आ रही हो तो आवेदन दें, उसका तत्काल निदान किया जायेगा। इसमें अलावा जमीन से संबंधित सभी समस्याओं का निराकरण भी किया जायेगा। इस दिन आयोजित शिविर में जमीन से संबंधित कई आवेदन भी प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि 10 जनवरी को भी शिविर लगाया जायेगा। जो लोग आज शिविर का लाभ नहीं ले सके, वे 10 जनवरी के शिविर में अपना आवेदन जमा करा सकते हैं। दूसरी ओर, जिला प्रशासन के निर्देश पर हरिहरगंज अंचल कार्यालय में लगान रसीद निर्गत करने को लेकर शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों रैयत अंचल कार्यालय पहुंचे। हालांकि लगान रसीद निर्गत करने से सबंधित मात्र 31 आवेदन ही प्राप्त हुए। इस अवसर पर अंचल अधिकारी मनीष सिन्हा ने बताया कि छोटे-मोटा कारणों से रसीद नहीं कट पा रहा है, बाकि सब ठीक है। उन्होंने बताया कि प्राप्त 31 आवेदन को रसीद निर्गत करने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही 10 जनवरी को भी शिविर लगाया जाएगा। इस मौके पर अंचल के बड़ा बाबू प्रभाकर राम, किरानी रंजन मनोज, सीआइ संजीव कुमार, राजस्व कर्मचारी संतोष उरांव और रामपत प्रजापति आदि मौजूद थे।

पलामू पुलिस और फुटबॉल आयोजन समिति फरवरी में आयोजित करायेगी अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस एवं पलामू फुटबॉल आयोजन समिति के तत्वावधान में आयोजित होने वाले अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर मंगलवार को बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने की। इसमें फरवरी महीने के मध्य तक अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट कराने को लेकर चर्चा की गयी। एसपी ने ने बताया कि इसके पहले भी पलामू पुलिस एवं फुटबॉल आयोजन समिति की माध्यम से सफलतापूर्वक टूर्नामेंट का आयोजन किया जाता रहा है, जिसमें समाज के प्रबुद्ध नागरिक एवं जनप्रतिनिधियों का विशेष सहयोग मिलता रहा है। ऐसे में पलामू में खेल के प्रति रुचि देखते ही बनती है। वहीं, पलामू फुटबॉल आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष आलोक वर्मा ने पूर्व में कराए गए टूर्नामेंट की पूरी रूपरेखा सदस्यों के बीच रखी। जबकि, धन्यवाद ज्ञापन समिति के सचिव मनोहर कुमार लाली ने किया। बैठक में पलामू फुटबॉल आयोजन समिति के सदस्य एवं पलामू पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित थे। इनके अलावा मेदिनीनगर के पूर्व उपमेयर मंगल सिंह, विभाकर नारायण पांडे, दुर्गा जौहरी, ललन सिन्हा, मुमताज खान, अविनाश देव, सोनू सिंह नामधारी, प्रसनजीत दा, राजकुमार गुप्ता, हिमांशु त्रिवेदी, बबलू गुप्ता, ललन सिन्हा, शिव कुमार, प्रमोद रंजन, परशुराम ओझा, महेश तिवारी, बिपिन वर्मा, विकाश सिंह, गुरवीर सिंह, बृजेश शुक्ला, अनूप गुप्ता, धीरेंद्र पांडे, डॉ आनंद, रवि शंकर, भीभाकर पाण्डेय, विजय गुप्ता, मुमताज खान, सुनील ओझा, बलराम उरांव, सुशील सिन्हा, नरेंद्र सिंह, संदीप राम, जय प्रकाश पूरी और समाल अहमद आदि उपस्थित थे।

कोलकाता में आयोजित खेलो इंडिया खेलो प्रतियोगिता में संत मरियम के छात्रों ने जीता गोल्ड-सिल्वर-ब्रांज मेडल

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। संत मरियम विद्यालय के कराटे के छह बाल खिलाड़ियों ने कोलकाता में आयोजित तृतीय खेलों इंडिया खेलो ओपेन नेशनल कराटे चैंपियनशिप के कुमिते और काता इवेंट में अपने वेट में प्रतिभा का प्रर्दशन करते हुए तीन गोल्ड, तीन सिल्वर और चार ब्रांज मेडल जीता। संत मरियम स्कूल के छात्र शुभम कुमार सिंह कुमिते और काता में दो गोल्ड मेडल, रितू राज कुमिते और काता में दो सिल्वर मेडल, रितिक कुमार सिंह कुमिते में गोल्ड और काता में ब्रांज मेडल, अभिषेक कुमार सिंह कुमिते और काता में दो ब्रांज मेडल, गौरव कुमार सिंह ने कुमिते में सिल्वर, युवराज कोरवा कुमिते में ब्रांज मेडल जीता है। यह चैंपियनशिप शितो-रियु कराटे डू फेडरेशन के तत्वावधान में वेल्स ग्लोबल स्कूल हावड़ा में पांच जनवरी को आयोजित हुई थी। यह टीम शिहान संतोष कुमार के नेतृत्व में कोलकाता गई थी। जबकि टीम मैनेजर अमित कुमार प्रजापति को नियुक्त किया गया था। विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने इस बड़ी उपलब्धि के लिए बाल खिलाड़ियों के साथ ही प्रशिक्षक को भी शुभकामनाएं दी व उज्जवल भविष्य कि कामना की है।

कम राशन देने वाले डीलरों पर होगी सख्त कार्रवाई

छूटे हुए कार्डधारियों का ई-केवाईसी फरवरी महीने के 25 तक पूरा कराएं : एमओ

चैनपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। चैनपुर प्रखंड सभागार में मंगलवार को क्षेत्र के सभी जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के साथ बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने की। मौके पर मौजूद सभी जनवितरण दुकानदारों को छूटे हुए राशन कार्डधारी का ई-केवाईसी 2025 फरवरी तक जरूर कर लेने का निर्देश दिया गया। एनएफएसए अंतर्गत पीएच और अन्त्योदय कार्डधारियों को दिसंबर 2024 का खाद्यान्न वितरण 25 जनवरी तक पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। चना दाल नवंबर 2024 का वितरण समय सीमा के भीतर वितरण करने का निर्देश दिया। वहीं डीलरों को कहा कि राशन का समय पर वितरण को प्राथमिकता देते हुए ई-केवाईसी के कार्यों का निष्पादन करना सुनिश्चित करें। सभी कार्डधारियों को धोती, साड़ी साथ ही अंत्योदय कार्डधारियों को अप्रैल 2024 का चीनी व नमक का वितरण समय पर करने का निर्देश दिया। सात ही चेताते हुए कहा कि जो भी डीलर 20 प्रतिशत से कम राशन वितरण करेंगे वैसे डीलर पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी को दुकान समय पर खोलने और निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। सभी डीलर को झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना का राशन उठाव कर वितरण करने का निर्देश दिया।

स्टोन डस्ट लदा तीन हाइवा जब्त

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। जपला-छतरपुर मुख्य पथ के कुर्मी पुर गांव के समीप सोहिया पहाड़ से स्टोन डस्ट लेकर जा रहे हाइवा की जांच की गई। इस दौरान तीन हाइवा को ओवरलोड पाया गया। जिसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी ने तत्काल सीओ पंकज कुमार को तीनों ओवरलोडेड हाइवा को जब्त कर अग्रेत्तर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी चतरा।
–: आम सूचना :–

चतरा जिला के सभी पशुपालकों को सुचित किया जाता है कि विभागीय राज्यादेश संख्या–15 रा0(विभाग),दिनांक–01.07.2024 के आलोक में जिला अन्तर्गत सभी प्रखण्डों के कुल 152 पंचायतों में द्वितीय चरण में दो दिवसीय विशेष पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पशुपालकों से अनुरोध है कि निर्धारित तिथि को शिविर स्थल में अपने पशुओं के साथ आकर टैगिंग करालें तथा चिकित्सा, बधियाकरण, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान एवं स्वास्थ जाँच निःशुल्क करावें एवं योजना का लाभ उठावें। Pashudhan टैगिंग के बिना सरकार द्वारा किसी प्रकार का लाभ नही दिया जायेगा। शिविर का समय सुबह 09:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे निर्धारित है।

क्रमांक	पंचायत का नाम	आयोजन स्थल का नाम	आयोजन की तिथि	उत्तरदायी पशु चिकित्सक का नाम/पदनाम
प्रखण्ड:– सिमरिया				
1	बन्हे	प्रखण्ड मुख्यालय	10.01.2025 / 11.01.2025	डॉ0 अलोना संगम, भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, जोरी।
2	बानासाढ़ी	बानासाढ़ी / रोल	12.01.2025 / 13.01.2025	
3	पुण्डरा	पुण्डरा / सिकरी	14.01.2025 / 15.01.2025	
4	एदला	बड़ा एदला / छोटा एदला	16.01.2025 / 17.01.2025	
5	डाढ़ी	डाढ़ी / बकथोमा	18.01.2025 / 19.01.2025	
6	पगार	सोहर / खपीया	20.01.2025 / 21.01.2025	
7	सबानो	सबानो / बारा	22.01.2025 / 23.01.2025	
8	जाँगी	जाँगी / चौराही	24.01.2025 / 25.01.2025	
9	सेरनदाग	सेरनदाग / पिपराडीह	27.01.2025 / 28.01.2025	
10	बगरा	बगरा / लूतीडीह	29.01.2025 / 30.01.2025	
प्रखण्ड:– हण्टरगंज				
24	नवाडिह	प्रखण्ड मुख्यालय	10.01.2025 / 11.01.2025	डॉ0 मो0 रेहान अहमद रजा, भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, दंतार।
25	नवाडिह पनारी	गोसपुर / सैयपुर	12.01.2025 / 13.01.2025	
26	जबड़ा	बांका / गंगटा	14.01.2025 / 15.01.2025	
27	मीरपुर	मीरपुर / आमिन	16.01.2025 / 17.01.2025	
28	डाहा	डाहा / ढेबो	18.01.2025 / 19.01.2025	
29	गोसाइडिह	नागर / पिंडरी कला	20.01.2025 / 21.01.2025	
30	गैरूआ	भंडारी / बडही बिघा	22.01.2025 / 23.01.2025	
31	लेंजवा	सगासोत / अकौना	24.01.2025 / 25.01.2025	
32	गेंजना	खराटी / ढोलीया	27.01.2025 / 28.01.2025	
33	पाण्डेपुरा कला	करानी / पचमो	29.01.2025 / 30.01.2025	
प्रखण्ड:– प्रतापपुर				
52	रामपुर	प्रखण्ड मुख्यालय	10.01.2025 / 11.01.2025	डॉ0 कुमार सौरभ, भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, प्रतापपुर।
53	प्रतापपुर	प्रतापपुर / कोसीआरा	12.01.2025 / 13.01.2025	
54	बभने	चैनपुर / विरमात कुम	14.01.2025 / 15.01.2025	
55	गजवा	पाती / ननई खुर्द	16.01.2025 / 17.01.2025	
56	मोनिया	मोनिया / लोधीया	18.01.2025 / 19.01.2025	
57	योगीडीह	महकमपुर / जोतडीह	20.01.2025 / 21.01.2025	
58	बरूरा	रहरिया / नारायणपुर	22.01.2025 / 23.01.2025	
59	डुमरवार	चरका खुर्द / अन्गगराह	24.01.2025 / 25.01.2025	
60	सिदकी	सतवाहीनी / मझगावा	27.01.2025 / 28.01.2025	
61	भरही	राजपुर / केवलिया	29.01.2025 / 30.01.2025	
प्रखण्ड:– टण्डवा				
70	कल्याणपुर	प्रखण्ड मुख्यालय	10.01.2025 / 11.01.2025	डॉ0 पिंकी तिग्गा, भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, टण्डवा।
71	पदुमपुर	पदुमपुर / लेम्बुआ	12.01.2025 / 13.01.2025	
72	धनगड़ा	खैरका / धनगड़ा	14.01.2025 / 15.01.2025	
73	मिश्रौल	शिवपुर / टेकठा	16.01.2025 / 17.01.2025	
74	नावाडीह उर्फ तेलियाडीह	खदैया / नावाडीह	18.01.2025 / 19.01.2025	
75	कबरा	उरदा / किशुनपुर	20.01.2025 / 21.01.2025	
76	पोकला	कसियाडीह / घाघरा	22.01.2025 / 23.01.2025	
77	कोयद	गोडवार / कुमरांग खुर्द	24.01.2025 / 25.01.2025	
78	सरांदू	उपकापानी / सरांदू	27.01.2025 / 28.01.2025	
79	गाड़ीलौंग	गाड़ीलौंग / कामता	29.01.2025 / 30.01.2025	
प्रखण्ड:– पत्थलगड़ा				
89	सिंहानी	प्रखण्ड मुख्यालय	10.01.2025 / 11.01.2025	डॉ0 सरोज कुमार, भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, शिला।
90	नावाडीह	नवाडीह / डमील	12.01.2025 / 13.01.2025	
91	बरवाडीह	बेलहर / कुण्डा	14.01.2025 / 15.01.2025	
92	नोनगाँव	गोपीपुर / बन्दरचुँआ	16.01.2025 / 17.01.2025	
93	मेराल	मेराल / खैरा	18.01.2025 / 19.01.2025	
प्रखण्ड:– कान्हाचट्टी				
94	राजपुर	प्रखण्ड मुख्यालय	10.01.2025 / 11.01.2025	डॉ0 इन्द्रजीत कुमार, भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, कान्हाचट्टी।
95	चिरिंदिरी	चिरिंदिरी / नईकी हेसांग	12.01.2025 / 13.01.2025	
96	कोल्हैया	कोल्हैया / भांग कुरकुटटा	14.01.2025 / 15.01.2025	
97	बेंगोकला	बेंगोकला / मनगड़ा	16.01.2025 / 17.01.2025	
98	तुलबुल	तुलबुल / करमा	18.01.2025 / 19.01.2025	
99	मदगड़ा	मदगड़ा / चौरट	20.01.2025 / 21.01.2025	
100	बकचुम्बा	बकचुम्बा / जोरी	22.01.2025 / 23.01.2025	
101	कैण्डीनगर	कैण्डीनगर / कादे	24.01.2025 / 25.01.2025	
102	जमरी बकसपूरा	जमरी बकसपूरा / हउवाग	27.01.2025 / 28.01.2025	
103	चारू	चारू / राजाचक	29.01.2025 / 30.01.2025	
प्रखण्ड:– ईटखोरी				
110	ईटखोरी	प्रखण्ड मुख्यालय	10.01.2025 / 11.01.2025	डॉ0 नकुल कुमार मेहता, भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, ईटखोरी।
111	टोनाटांड	टोनाटांड / नगवाँ	12.01.2025 / 13.01.2025	
112	हलमता	हलमता / मुरूमदांग	14.01.2025 / 15.01.2025	
113	धनखेरी	धनखेरी / परोका	16.01.2025 / 17.01.2025	
114	पितौज	हुरनाली / पितौज	18.01.2025 / 19.01.2025	
115	घुना	घुना / सोनोया	20.01.2025 / 21.01.2025	
116	कोनी	कोनी / पुनील	22.01.2025 / 23.01.2025	
117	परसौनी	कुर्जुन / लीटा	24.01.2025 / 25.01.2025	
118	मलकपूर	बडहीधक / तेतरचक	27.01.2025 / 28.01.2025	
119	नवादा	राजानरवा / कजीया	29.01.2025 / 30.01.2025	
प्रखण्ड:– चतरा				
132	पाराडीह	प्रखण्ड मुख्यालय	10.01.2025 / 11.01.2025	डॉ0 अंजु कुजुर, भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चतरा।
133	आरा	आरा / होलमगढ़ा कला	12.01.2025 / 13.01.2025	
134	सीमा	हफुआ / टिकुलिया	14.01.2025 / 15.01.2025	
135	जाँगी	लक्षणपुर / सरैया	16.01.2025 / 17.01.2025	
136	गंधरिया	गंधरिया / लोवागढ़ा	18.01.2025 / 19.01.2025	
137	दारियातु	गंगाजीत / तेलिया लोवागढ़ा	20.01.2025 / 21.01.2025	
138	लेम	पचमहला / सतीर	22.01.2025 / 23.01.2025	
139	डमडोइया	डमडोइया / कड़लगा	24.01.2025 / 25.01.2025	
140	देवरिया	लिपदा / देवरिया	27.01.2025 / 28.01.2025	
141	टीकर	चंगेर / टीकर	29.01.2025 / 30.01.2025	

PR 343719 Animal Husbandry(24-25)D

जिला पशुपालन पदाधिकारी,चतरा।

सपोर्ट्स

चिरू प्रीमियर लीग के 18वें संस्करण के फाइनल मुकाबले में पठखाही टीम को रोमांचक मुकाबले में 9 रनों से हराकर चिरू की टीम ने खिताब पर अपना कब्जा जमा लिया है।

साइम में टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज, 24 टीमें ले रही हिस्सा

ललपनिया (आजाद सिपाही)। गोमिया प्रखंड अंतर्गत साइम पश्चिमी पंचायत के ज्योति क्लब क्रिकेट मैदान में एनवाइएस ज्योति क्लब की ओर से टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन क्षेत्र के समाजसेवी सूरजलाल सिंह एवं व्यवसायी जयप्रकाश तिवारी ने संयुक्त रूप से किया। इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच गोमिया ड्रैगन-11 बनाम तुलबुल निंजा-11 के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ड्रैगन 11 ने निर्धारित 20 ओवर में 123 रन बनाए। वहीं जवाबी पारी खेलते हुए निंजा 11 की टीम निर्धारित ओवर में 60 रन ही बना सकी। इस तरह ड्रैगन 11 की टीम 63 रनों से जीत गई। इस अवसर पर समाजसेवी सूरजलाल सिंह ने कहा कि साइम का ज्योति क्लब आज अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है, जो क्षेत्र वासियों के लिए गौरव की बात है। यह क्लब लगातार क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन कर वर्षों से यहां के युवाओं को बेहतर प्लेटफार्म देते आ रहा है। इस तरह के टूर्नामेंट से गांव की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

पठखाही को नौ रनों से हराकर चिरु बना चैंपियन

खेल से समाज को बदलने की दिशा में आगे बढ़ें : डॉ कौशल

आजाद सिपाही संवाददाता

विजेता-उपविजेता कैप्टन को कप और पौधा देते डॉ कौशल पार्षद अमित व अरविंद।

मेदिनीनगर। जिले के छतरपुर अनुमंडल के चिरु स्थित फर्म मैदान में आयोजित चिरु प्रीमियर लीग के 18 वें संस्करण के फाइनल मुकाबले में पठखाही को नौ रनों से हराकर चिरु की टीम ने कप पर कब्जा जमा लिया। इससे पहले पर्यावरण धर्मगुरु डॉ कौशल किशोर जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के प्रार्थना व राष्ट्रीय गान के उद्घोष के बीच छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल के साथ टूर्नामेंट का औपचारिक शुभारंभ किया। वहीं, टॉस जीतने के बाद चिरु की टीम ने 16 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 123 रन बनाये। जबकि जवाबी पारी खेलने उतरी पठखाही की टीम 114 रनों पर ही सिमट गयी। इस तरह 9 रनों के अंतर से चिरु की टीम ने मुकाबला जीत लिया। उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल डॉ कौशल किशोर और उनके पुत्र सह जिला पार्षद अमित जायसवाल ने विजेता टीम को 15 हजार रुपये नकद और उपविजेता टीम को 7,500 रुपके के अलावा ट्राफी देकर सम्मानित किया। इसके अलावा कैच लेने वाले खिलाड़ियों को भी प्रति कैच 600 रुपये का इनाम देकर प्रोत्साहित किया गया। इसस अवसर पर डॉ कौशल ने दोनों टीमों के कप्तानों को थाईलैंड प्रजाति के बारहमासी आम का पौधा देकर पर्यावरण की रक्षा करने की जिमेवारी सौंपी। कहा कि टूर्नामेंट के बहाने हम सभी पर्यावरण रक्षा का संकल्प लें और खेल से समाज को बदलने की दिशा में आगे बढ़ें। वहीं जिला परिषद सदस्य अमित कुमार जायसवाल ने कहा कि खेल दिलों को जोड़ता है युवाओं की शक्ति को जगाता है। वहीं, समाजसेवी अरविंद गुप्ता उर्फ चुनमुन, मुखिया प्रतिनिधि प्रमोद यादव, डॉ बीके यादव ने खिलाड़ियों और पर्यावरणविद डॉ कौशल व पार्षद अमित के कार्यों की सराहना की। मैच के समापन पर मनोज शाह और नारायण सिंह ने जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरित किया। इस मौके पर निरंजन सिंह, नरेश सिंह, राजीव रंजन कुमार, डॉ दिलीच प्रसाद, डॉ मैमुदीन अंसारी, डॉ मनिष कुमार, वीरेंद्र यादव, बिनोद यादव, श्रवण यादव, सहदेव यादव, सूर्यदेव यादव, मुखनरायन सिंह और मदन लाल उपस्थित थे। वहीं चिरू कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र कुमार, सचिव राहुल कुमार, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार पासवान, अंपायर राहुल कुमार व राजेंद्र सिंह, महेन्द्र कुमार, आशीष कुमार, जय प्रकाश, विकास कुमार सचिन, विशाल, रमन सिंह आदि ने मैच के सफल संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पत्रकार दीपेंद्र प्रभंजन पंच तत्व में विलिन, नम आंखों से दी गयी अंतिम विदाई

बोकारो (आजाद सिपाही)। ऊजार्वान पत्रकार दीपेंद्र प्रभंजन का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव नावाडीह में हुआ। उनके अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।48 वर्षीय दीपेंद्र को पेट और सीने के पास दर्द की शिकायत रर बोकारो के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां सोमवार की शाम उनका निधन हो गया था। उनके पुत्र के कोलकता में शिक्षारत स्थिति को देखते हुए पार्थिव शरीर को मर्चरी में रखने के बाद मंगलवार को पार्थिव शरीर को पैतृक आवास लाया गया। जहां से शवयात्रा निकली गयी। इजसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

इसमें पूर्व विधायक डॉक्टर लंबोदर महतो, आजसू नेत्री यशोदा देवी, आजसू नेता संतोष महतो, अखिलेश महतो, मुखिया विश्वनाथ महतो, मुखिया प्रदीप कुमार वर्मा, पूर्व प्रमुख मोहन महतो, पूर्व मुखिया दिलीप कुमार, नंदलाल नायक, नरेश महतो, इंद्रदेव महतो, चेतलाल महतो, प्रेस क्लब के अध्यक्ष बासु बिहारी, बोकारो के पत्रकार नीरज सिंह, धीरज सिंह, बॉबी पटेल, दीपक महतो, बालेश्वर महतो आदि शामिल थे। दूसरी ओर, बोकारो से आजाद सिपाही के प्रतिनिधि रहे दीपेंद्र प्रभंजन के अंतिम यात्रा में **आजाद सिपाही** संस्थान की ओर से महाप्रबंधक पशुपति नाथ सिंह, प्रबंधक नामधारी प्रसाद, पत्रकार विजय कुमार सिंह, संदीप सिंह, और नंदकिशोर महतो भी शामिल हुए। नवाडीह के पैतृक गांव में दिवंगत दीपेंद्र के पार्थिव शरीर को मिट्टी में दफन किया गया। इसके पूर्व महाप्रबंधक पशुपति नाथ सिंह, प्रबंधक नामधारी प्रसाद और विजय कुमार सिंह ने संस्थान की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही दिवंगत दीपेंद्र के पुत्र को ढांढस बंधाना गया। इसके बाद आजाद सिपाही के सभी प्रतिनिधि उनके पैतृक घर भी गये और दिवंगत के पिता और पत्नी से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त किया। पशुपति सिंह ने कहा कि महाविपदा की इस घड़ी में पूरा आजाद सिपाही परिवार उनसे साथ खड़ा है।

पिठाक्यारी गांव से तीन साइबर ठग गिरफ्तार

निरसा (आजाद सिपाही)। थाना अंतर्गत पिठाक्यारी में साइबर अपराध लगातार बढते जा रहा है। जिसपर अंकुश लगाने के लिए गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए निरसा पुलिस एवं साइबर थाना ने संयुक्त रूप से पिठाक्यारी प्राथमिक उपचार केंद्र तालाब के पीछे छटकू रविदास के घर में छापामारी कर तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से 16 सीम, 10 मोबाइल फोन व साइबर से जुड़े कागजात जब्त किये गये हैं। इसकी जानकारी निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला ने दी। वे मंगलवार को अपने कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिले में बढ़ते साइबर अपराधियों की

सक्रियता की सूचना पर धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक निर्देश पर छापामारी की गई। जहां से मुकेश रविदास, लक्ष्मण रविदास और सुखदेव रविदास नामक आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड, साइबर ठगी में इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल फोन व दस्तावेज जब्त किया गया। पूछताछ में सभी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। बताया कि उनके अन्य सहयोगियों द्वारा मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया जाता था। जिससे ठगी कर पैसा साथियों के खाते में भेज दिया जाता था। भेजे गए पैसों को निकाल कर 40 प्रतिशत काटकर शेष राशि को इन लोगों को वापस भेज दिया जाता था। इनके पास प्रतिबिंब में प्लोटेड एक सिम भी पड़ा है। जिसके विरुद्ध तेलंगाना एवं तमिलनाडु में साइबर ठगी का मामला दर्ज किया गया है। जब्त सूची में 10 मोबाइल फोन, 16 सिम कार्ड, ठगी किए गए मोबाइल नंबरों का दस्तावेज हाथ लगी हैं। इस छापामारी में निरसा थाना प्रभारी मंजीत कुमार, पुनि विश्वजीत ठाकुर, साइबर थाना, पुनि कुंदन कुमार सिंह, सुमन कुमार कंठ, निरसा थाना आदि शामिल थे।

महिलाओं के लिए शौचालय को लेकर मजदूर मोर्चा की बैठक

धनसार (आजाद सिपाही)। विश्वकर्मा लोडिंग प्वाइंट में महिलाओं के लिए शौचालय नहीं होने एवं ट्रक लोडिंग के लिए पर्याप्त कोयला नहीं मिलने से नाराज असंगठित मजदूर मोर्चा ने मंगलवार को बैठक की। इस दौरान नेताओं व मजदूरों ने प्रबंधन पर भेदभाव व तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया। भाकपा माले नेता सह मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष धरम बाउरी ने कहा कि विश्वकर्मा लोडिंग प्वाइंट पर 700 से अधिक असंगठित मजदूर ट्रक लोडिंग का कार्य करते है। जिसमें 300 से अधिक महिलाएं है। लेकिन इनके लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं है। 2008 से शौचालय के बिना महिलाएं ट्रक लोडिंग का काम करती आ रही हैं। धनसार कोलियरी प्रबंधन को कई बार मांग पत्र सौंपकर शौचालय की व्यवस्था कराने की मांग की गयी, लेकिन प्रबंधन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। मजदूरों में इस बात का भी आक्रोश है कि यहां ड्यूटी पर तैनात दो तीन सीआईएसएफ जवान के लिए एक शौचालय की व्यवस्था कर दी गई, लेकिन प्रबंधन इन महिलाओं के शौचालय के लिए ध्यान नहीं दे रही है।

गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी बीसीसीएल से नाराज

बिना उचित समझौते और मुआवजे का कोई कार्य नहीं करायें : सांसद

पत्रकारों के सवाल पर तिलमिलाए महाप्रबंधक, पक्षधर होकर सवाल करने का लगाया आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। गोविंदपूर क्षेत्र संख्या-3 अंतर्गत खरखरी कोलियरी में प्रस्तावित एमडीओ के तहत हिल टॉप कंपनी की ओर से बाउंड्री वाल समेत अन्य कार्यों को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ने पर सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में मंगलवार को बीसीसीएल एरिया-3 के महाप्रबंधक गणेश चंद्र शाहा के साथ बैठक हुई। सांसद ने महाप्रबंधक से हिलटॉप कंपनी द्वारा तैयार की गई खनन योजना की पूरी रिपोर्ट और वर्तमान में चल रहे कार्य के आदेश पत्र की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक सभी प्रक्रियाओं का पालन नहीं होता, तब तक किसी भी कार्य को तत्काल रोक दिया जाए। सांसद ने आरोप लगाया कि यह

कार्यकर्ताओं से मिलकर अभिवादत स्वीकारते सांसद सीपी चौधरी।

कंपनी बिना किसी स्थानीय संवाद और कानूनी प्रक्रिया के ग्रामीणों की जमीन पर जबरन काम कर रही है। कहा कि ग्रामीणों की ओर से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कंपनी ने ऐसे विवादित व्यक्तियों को काम पर रखा है, जिनसे पूरा गांव और समाज प्रभावित हो रहे हैं। सांसद ने बीसीसीएल महाप्रबंधक से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि बिना उचित समझौते और मुआवजे के कोई कार्य ना किया जाए। इस पर, महाप्रबंधक गणेश चंद्र शाहा ने सफाई दी कि कंपनी केवल अपनी जमीन पर ही कार्य कर रही है। रैयतों की जमीन पर काम करने से पहले सभी गाइडलाइंस का पालन किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है, तो उसकी जिम्मेदारी वे खुद लेंगे। इसके साथ ही, महाप्रबंधक ने सांसद के निर्देश पर काम को तत्काल रोकने के सवाल को उच्चाधिकारियों के आदेश पर छोड़ने की बात तो की हैं, जिससे यह स्थिति और जटिल हो गई। इस बीच पत्रकारों ने महाप्रबंधक से सवाल किया कि जब हिलटॉप कंपनी की परियोजना अभी प्रक्रियाधीन है, तो कंपनी कार्य कैसे कर रही है। इस पर, महाप्रबंधक ने पत्रकारों पर ही पक्षधर होकर सवाल पूछने का आरोप लगा दिया। इधर, ग्रामीणों ने बीसीसीएल और हिल टॉप कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि प्रबंधन और हिलटॉप कंपनी गुंडों के माध्यम से गोली-बम चलवाकर उनकी जमीनों पर जबरन कब्जा करना चाहती है। इस वार्ता के बाद क्षेत्र के लोग अब भी आशंका और असंतोष के साथ बीसीसीएल की आगामी योजनाओं पर नजर रखे हुए हैं। बैठक से पूर्व सांसद ने खरखरी स्थित सांसद प्रतिनिधि रामशंकर तिवारी के आवासीय कार्यालय पहुंचकर सैकड़ों महिला-पुरुष कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उन्हें नव वर्ष की बधाई दी।

किन्नर समाज ने निकाली भव्य शोभा यात्रा

धनबाद (आजाद सिपाही)। बारामुड़ी में आयोजित अखिल भारतीय किन्नर समाज के महाअधिवेशन के छठे दिन मंगलवार को किन्नर समाज की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जो मटकुरिया से शुरू होकर जोड़ाफाटक शक्ति मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा में देश-विदेश से आए हजारों किन्नर शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल से बस व सैकड़ों गाड़ियों से पांच हजार किन्नर मटकुरिया पहुंचे। यहां से शोभायात्रा शुरू हुई। सजे रथ में किन्नर समाज की प्रदेश अध्यक्ष छमछम देवी, सचिव श्वेता किन्नर के साथ सभी राज्यों से आयी किन्नर की नायक विराजमान हुई। सभी नाचते-गाते मंदिर पहुंचे। यहां माता के दरबार में पूजा अर्चना कर 21 किलो का घंटा चढ़ाया गया। इस दौरान ट्रैफिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पुलिस कर्मियों ने मोर्चा संभाला था। इस दौरान देश-विदेश से आये किन्नरों ने कोयलांचलवासियों पर आशीष बरसाया। कहा कि कार्यक्रम में मिल रहे सम्मान से वे अभिभूत हैं। हम दुआओं का खजाना लेकर झारखंड आयें हैं। बता दें कि किन्नर समाज का यह महाधिवेशन 2 जनवरी से ही शुरू है जिसका समापन 10 जनवरी को होगा। इस मौके पर अध्यक्ष छम छम देवी नायक, आलव्या नायक, बबीता नायक, ज्योति नायक, जोधाबाई नायक, अरुणा नायक, लालन नायक, मुन्नी नायक, निर्मला किन्नर और श्वेता किन्नर आदि मौजूद थे।

झारखंड कैडेट तलवारबाजी टीम उत्तराखंड के लिए रवाना

धनबाद (आजाद सिपाही)। उत्तराखंड के रुद्रपुर में उत्तराखंड फेंसिंग एसोसिएशन की ओर से आयोजित 19वां कैडेट नैशनल फेंसिंग चैंपियनशिप के लिए झारखंड से 23 खिलाड़ियों (जिसमें 12 बालक और 11 बालिका) का चयन हुआ है। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने झारखंड टीम धनबाद से उत्तराखंड के रुद्रपुर के लिए रवाना हो गयीष वहां 8 से 12 जनवरी तक आयोजित प्रतियोगिता में शामिल होंगे। झारखंड टीम को धनबाद स्टेशन से राज्य संघ के महासचिव जयकुमार सिन्हा एवं संघ के संयुक्त सचिव अनिल बांसफोर ने शुभकामनाएं देकर रवाना किया। शुभकामनाएं देने वालों में राज्य संघ के अध्यक्ष अर्चित आनंद, चेयरमैन राजीव कुमार बिट्टू, कार्यकारी अध्यक्ष संजेश मोहन ठाकुर, उपाध्यक्ष कुलवंत सिंह, संघ के कोषाध्यक्ष कर्मवीर उरांव, संयुक्त सचिव राकेश कुमार मिश्रा, रामाशीष सिंह, रवि रंजन, झारखंड स्टेट टेबल टेनिस के उपाध्यक्ष अनिल महाजन, झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के ट्रेनर अमितेश, धनबाद फेंसिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुनील बाँसफोर, मुकेश कुमार बांसफोर के साथ-साथ अखिलेश, रूपेश, नितेश, निकेश आदि खिलाड़ी शामिल थे।

मंत्री सुदिव्य कुमार ने दिया खेल को आगे बढ़ाने के लिए मदद का आश्वासन

खेल मंत्री से मिला झारखंड ताइक्वांडो संघ का प्रतिनिधिमंडल

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। झारखंड ताइक्वांडो संघ का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को राज्य के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार से मिलकर हाल में ही कराए गए भगवान बिरसा मुंडा ट्रॉफी नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2024 के बारे में बताया। साथ ही प्रतियोगिता का

मोमेंटो व शॉल देकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता में खेल मंत्री को भी आना था पर किन्हीं कारणों से वो नहीं आ पाए थे। मंत्री ने ताइक्वांडो के बारे में बहुत सारी बातों पर बात की और विभाग की ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर झारखंड ताइक्वांडो संघ के महासचिव संजय शर्मा, उपाध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह, कोच अविनाश राम और आदित्या शर्मा शामिल थे।

रागिनी सिंह ने झमाड़ा प्लांट का किया निरीक्षण

हल घर जल योजना में पैसों की मची है लूट

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/जोड़ापोखर। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने मंगलवार को जामाडोबा जल सयंत्र केंद्र एवं जेएमसी प्लांट का निरीक्षण किया। झमाडा के जलगृह भंडारण, इंटेकवेल एवं जेएमसी द्वारा बनाया जा रहे प्लांट को देखने के बाद वहां, नगर आयुक्त की गैर मौजूदगी पर गहरी नाराजगी जाहिर की। कहा कि नगर आयुक्त डर से नहीं पहुंचे, की कहीं उनका काला चिट्ठा ना खुल जाए। कहा कि हर घर जल नल योजना केंद्र सरकार की है जिसके पैसों का बंदरबांट किया गया। जमीन पर कोई काम नहीं हुआ है। पहले मोटर पंप को बदलना करना था, जबकि पहले पाइप लाइन का काम किया गया।

जहां जिसको मिला राशि की लूट की गयी। जमीन पर कोई काम नहीं हुआ। प्रतिनिधि से लेकर नगर के अधिकारी तक 312 करोड़ रुपये को आपस में बांटा गया है। विधायक ने कहा कि पूर्व विधायक संजीव सिंह ने झमाडा प्लांट में मोटर पंप के लिए राशि आवंटित कराया था, लेकिन कुछ भी काम नहीं हुआ है। अभी पुराने मोटर पंप को रंग दिया गया। पर अब लूट नहीं होगा। हर 15 दिन के अंतराल पर प्लांट का निरीक्षण किया जाएगा। हर हाल में 2025 में हर घर में पानी पहुंचाया जाएगा। इस मौके पर शताक्षी सिंह, बाबू जैना, बच्चा गिरी, स्वरूप भट्टाचार्य, केडी पांडेय, केएन सिंह, संतोष सिंह, झमाड़ा के एसडीओ कौशलेश यादव, जेई आशुतोष राणा, जेएमसी के अधिकारी पृथ्वी मल्लिक, अमित कुमार, मो जियाउद्दीन और दिलीप हाथी आदि मौजूद थे।

झारखण्ड-सरकार
कृषि, पशुपालन एवम् सहकारिता विभाग, (पशुपालन प्रभाग)

आम सूचना
जिला पशुपालन पदाधिकारी, खूँटी

सभी आम पशुपालकों को सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय योजना अर्न्तगत जिला अर्न्तगत पशुपालकों के द्वार पर निःशुल्क पशु चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु जिला के सभी प्रखण्डों में चलन्त पशु चिकित्सा इकाई (Mobile Veterinary Unit) M.V.U. की सेवा बहाल की गयी है, जिसके अर्न्तगत जरूरत मंद व सुदुर ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालक अपने मोबाईल से 1962 (Help Line Number) को Call लगा कर बात कर अपने घर पर अपने बीमार व असामान्य प्रतीत होने वाले पशुओं की चिकित्सा निःशुल्क रूप से प्राप्त कर सकते हैं।

संपर्क करने हेतु प्रक्रिया

1) पशुपालक को 1962 पर Call कर बीमार पशुओं के लक्ष्ण का विवरण देना है।
2) कॉल सेन्टर के पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा लक्ष्ण के आधार पर पशु बीमारी का वर्गीकरण किया जाता है।
3) वर्गीकरण के अनुसार M.V.U. के पशु चिकित्सक को सूचना दिया जाता है।
4) तत्पश्चात् M.V.U., पशुपालक के घर जा कर बीमार पशुओं का उपलब्ध पशु दवाओं से उपचार करते है।
5) रिपोर्ट की ऑनलाईन प्रविश्टि की जाती है।
6) आवश्यकतानुसार बीमार पशुओं के सफल चिकित्सा हेतु रक्त, गोबर व अन्य का नमूना जांच हेतु लिया जा सकता है।

अतः सभी पशुपालकों से आग्रह किया जाता है कि किसी भी तरह के असामान्य व बीमार पशुओं का हेल्पलाईन न० 1962 पर Call करते हुए, Call पर आये पशु चिकित्सा अधिकारी को विस्तार से पशु बीमारी एवं अपने आवास संबंधी जानकारी दिया जाय और सरकार की इस कल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाया जाय।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी, खूँटी

PR 343630 Animal Husbandry(24-25)#D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गुमला
(समाज कल्याण शाखा)

निदेशक, समाज कल्याण, झारखण्ड राँची के पत्र– 3277/स0क0 दिनांक– 24.12.2024 द्वारा गुमला जिला अन्तर्गत विभिन्न परियोजनाओं के आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त सेविका एवं सहायिका के पदों पर चयन हेतु निर्धारित आमसभा की तिथिवार विवरणी निम्नवत है:–

क्र0	परियोजना का नाम	रिक्त आंगनबाड़ी केन्द्र का नाम	आमसभा की तिथि	पदनाम (सेविका/सहायिका)
1	सिसई	नगर खड़िया टोली	07.01.2025	सहायिका
2		नगर दसई टोली	07.01.2025	सहायिका
3		नगर बगाल टोली	08.01.2025	सहायिका
4		अरको सेमर टोली	09.01.2025	सहायिका
5		लेरंगा 2	09.01.2025	सहायिका
6		सहिजाना पूतरी टोली	10.01.2025	सहायिका
7		लंगटा पाबेया टंगरा टोली	13.01.2025	सहायिका
8		बुड़का बड़का टोली	13.01.2025	सहायिका
9		पोढ़ा रापू टोली	15.01.2025	सहायिका
10		मुरगु करंज टोली	15.01.2025	सहायिका
11		सिसई टंगरा टोली 2	16.01.2025	सहायिका
12		बरगाँव झरिया टोली	16.01.2025	सहायिका
13		पंडरानी करंज टोली	17.01.2025	सहायिका
14		गम्हरिया डहु टोली	17.01.2025	सहायिका
15		सिसई नवा टोली	20.01.2025	सहायिका
16		सकरौली कुम्बा टोली	20.01.2025	सहायिका
17		खेर्रा डिपा टोली	21.01.2025	सहायिका
18		ऊपर दारी	21.01.2025	सहायिका
19		कोचा करम टोली	22.01.2025	सहायिका
20		दारी अम्बा टोली	22.01.2025	सहायिका
21		ओलमुण्डा टोंगरी टोली	23.01.2025	सहायिका
22		कोड़ेकेरा बिल्होर टोली	23.01.2025	सहायिका
23		घाघरा कापो टोली	24.01.2025	सहायिका

ह/0
जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,गुमला।

PR.NO.343659 Women, Child Development & Social Security(24-25):D

कार्यालय– जिला उद्यान पदाधिकारी, लातेहार
संयुक्त कृशि भवन, किनामाड़ लातेहार– 829206
E-Mail Id- Dholatehar2020@rediffmail.com
अति अल्पकालीन उद्वरण सूचना।

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला उद्यान कार्यालय, लातेहार के अन्तर्गत वित्तीय वर्श 2024-25 में चल रहे राज्य उद्यान विकास योजना की उपयोजना "प्रोमोशन ऑफ अरबन फार्मिंग" के तहत जिला–लातेहार शहर एवं उसके आस–पास के सटे हुए शहरों में बसे परिवार के घरों के निकट खाली पड़े छोटे भू–खण्ड, सरकारी परिसर जहाँ स्थान उपलब्ध हो एवं Terrace Gardening अन्तर्गत जैविक एवं गुणवत्तायुक्त विभिन्न प्रकार के सब्जियों की खेती हेतु बीज, फुलों फलों तथा साज–सज्जा के पौधे एवं उपादान का क्रय हेतु पंजीकृत इच्छुक स्थानीय Service Provider/Nursery चयन के साथ समानों का दर निर्धारण हेतु दिनांक 08.01.2025 के पूर्वाहन 11:00 बजे से दिनांक 15.01.2025 के अपराहन 05:00 बजे तक दर हेतु उद्वरण मुहरबंद निविदा बंद लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्राप्त किया जायेगा जो दिनांक 16.01.2025 के अपराहन 11:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में उद्वरणकर्त्ता एवं उक्त योजना अन्तर्गत नामित जिला स्तरीय गठित समिति के उपस्थिति में जिला उद्यान कार्यालय, लातेहार में खोला जायेगा।

Technical Bid

Following documents are required for qualifying in technical bid to be submitted along with part-I technical bid. In no case document will be accepted after opening of EOI/RFP/RFE

I. Bidder must be reputed manufacturer/Authorised Dealer/Firms/Agency/Govt. or Non-Govt. Organisation/ Companies. (Enclose supporting documents).
II. It should have at least two year experience in the field of gardening or land scaping or roof top/terrace or horticulture related work. Supporting Work order/ experience certificate issued from Govt. or Non Govt. Organisation should be attached with proposal in support of experience.
III. Registration Certificate and detailed information of nursery, firm/Company etc should be attached. The Agency must have a demonstration plot and after sale service centre in Jharkhand.
IV. The bidder should furnish a self-attested copy of PAN & GST registration with their application.
V. The last three year average annual turnover of the agency/firm must not less than Rs. 10.00 Lakh, Audited Balance sheet along with the I.T Return for the last three financial year should he attached along with E.O.I/RFP. RFP.
VI. An affidavit on Non judicial stamp paper that the bidder hasn't been blacklisted by a central/state government institution and that there has been no litigation with any government department on account of similar services must be submitted.
VII. The agency/firm should furnish earnest money deposit of rupees 50,000.00 (fifty thousand) only in the form of bank draft in favour of District Horticulture officer Latehar, payable at latehar

Financial Bid

1. Financial bid should be submitted for each and every components mentioned in Annexure-VI in closed envelop clearly mentioning financial bid and agency name on the envelop
2. Tender document and list of plants, material, pot etc is mentioned in Annexure-VI which can be downloaded from www.atmalatehar.in

Note:- For any query one may contact District Horticulture Office, Latehar (Mob No. 8294871692)

PR 343674 Agriculture(24-25)D
District Horticulture Officer, Latehar

केंद्रीय सूचना मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वर्ष 2025 के लिए भारत सरकार के कैलेंडर का अनावरण किया

जनभागीदारी से जनकल्याण थीम पर, परिवर्तनकारी शासन के दशक का जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत सरकार ने परिवर्तनकारी शासन को रेखांकित करते हुए वर्ष 2025 के कैलेंडर के लिए जनभागीदारी से जनकल्याण (सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से सार्वजनिक कल्याण) को मुख्य थीम के रूप में चुना है। रेल भवन में आज कैलेंडर का अनावरण करते हुए, केंद्रीय सूचना और प्रसारण, रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले एक दशक में विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तनकारी शासन के स्पष्ट प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने गरीबों के कल्याण में सुधार, महिलाओं का सशक्तीकरण और देश में बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने में परिवर्तनकारी शासन की भूमिका पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ एल मुरुगन, सूचना औरप्रसारण सचिव संजय जाजू, पत्र सूचना ब्यूरो के प्रधान महानिदेशक श्री धीरेंद्र ओझा और केंद्रीय संचार ब्यूरो के महानिदेशक श्री योगेश बावेजा भी उपस्थित थे।

भारत सरकार के 2025 कैलेंडर की मुख्य बातें

कैलेंडर की शुरूआत आदर्श वाक्य सवेर्षां मंगलं कल्याण से होती है। इसके बाद कृषि, महिला सशक्तीकरण, युवा और राष्ट्र की प्रगति में क्षमता में क्षेत्रीय प्रगति पर प्रकाश डाला गया है। यह स्वच्छता पर भी जोर देता है जैसा कि मई के महीने में आंतरिक शुद्धता बाहरी स्वच्छता की ओर ले जाती है के आदर्श वाक्य के माध्यम से परिलक्षित होता है। जुलाई कैलेंडर व्यायाम स्वास्थ्य के लिए सबसे सुरक्षित नुस्खा है के आदर्श वाक्य पर आधारित है, जबकि स्वतंत्रता दिवस महीने की थीम एक स्वस्थ जीवन शैली के माध्यम से सौ साल लंबे जीवन की कामना करती है। कैलेंडर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान की स्वीकृति के रूप में ह्यउद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि के माध्यम से उद्यमों को प्रेरित करते हुए भी दशार्या गया है। जनजातीय गौरव दिवस के रूप में चिह्नित नवंबर महीने की विशेषता मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता है।

सदस्यता अभियान को लेकर लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने की बैठक

50-50 सदस्य बनाने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

राजधनवार। भाजपा का संगठन महापर्व के तहत सदस्यता अभियान को लेकर मंगलवार को धनवार के घोडथंभा मंडल सदस्यता प्रभारी, भाजपा नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह एवं सहायक प्रभारी पवन साव ने मंडल के मकडीहा, करगाली व जेरूवाडीह में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस क्रम में वे पंचायत - पंचायत भ्रमण कर हर बूथ पर तीन-तीन सक्रिय सदस्य बनाये तथा उन्हें अभियान में तेजी लाने तथा इसी सप्ताह 50-50 सदस्य बनाने का निर्देश दिया गया।

राजधनवार में सदस्यता अभियान चलाते भाजपा नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह।

बताया गया कि भाजपा में सक्रिय सदस्य बनने के लिए उन्हें पचास-पचास सदस्य बनाने होगें।

इस मौके पर श्री सिंह ने कहा कि भाजपा विचारधारा की पार्टी है। सदस्यता अभियान को लेकर लोगों में भारी उत्साह है। मौके पर घोड़थंभा मंडल अध्यक्ष कृष्णा वर्मा, दशरथ राम, भुनेश्वर राम, पिंटू पासवान, शिव नारायण यादव, दिलीप राम, रंजीत राम, विटट् साव, नरेश साव, प्रमानंद यादव, रामकिशोर चौधरी आदि कई मौजूद थे।

22वें नालको स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ चंद्र भानु सतपथी ने अपना वक्तव्य रखा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रख्यात विद्वान, आध्यात्मिक विचारक और लेखक डॉ. चंद्र भानु सत्पथी ने आज यहां 'नैतिक निगम प्रबंधन' विषयपर 22वेंनालको स्थापना दिवस व्याख्यानमाला केअवसर पर अपना व्यक्तव्य से सम्बोधित किया। 45वें स्थापना दिवस के भाग के रूप में, नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) ने नालको स्थापना दिवस व्याख्यानमाला के 22वें संस्करण का आयोजन किया। अपने संबोधन में, डॉ सतपथी ने पेशेवर और साथ ही व्यक्तिगत जीवन से अनैतिक प्रथाओं के पूर्ण उन्मूलन पर जोर देते हुए अपने विचार और ज्ञान साझा किये। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईमानदारी, जवाबदेही और पारदर्शिता संधारणीय कंपनी प्रथाओं की आधारशिला हैं, जो नैतिक निगम प्रबंधन पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, इसमें नैतिक मूल्यों का समर्थन करने वाले विकल्पों को यह सुनिश्चित करते हुए चुनना शामिल है कि सभी गतिविधियां सामाजिक, कानूनी और पर्यावरणीय दायित्वों के अनुरूप हों। सामुदायिक विकास और सामाजिक कल्याण में नालको की भूमिका की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी की विरासत न केवल व्यवसाय में बल्कि सामाजिक क्षेत्रों में भी व्यापक रूप से स्वीकार की जाती है। कार्यक्रम के प्रारम्भ में रमेश चंद्र जोशी, निदेशक (वित्त), नालको ने स्वागत भाषण के साथ विषय से परिचय कराया। नालको समूह की ओर से डॉ तापस कुमार पटनायक, निदेशक नालको ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर पद्म विभूषण पंडित हरिप्रसाद चौरसिया के शिष्यों द्वारा शास्त्रीय सह भक्तिमय बासुरी वादन भी प्रस्तुत किया गया। कर्मचारियों के साथ हीइस कार्यक्रम में उद्योग जगत के वरिष्ठ अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। आशुतोष रथ, कार्यपालक निदेशक (मा॰सं॰) ने कार्यक्रम का संचालन किया। उल्लेखनीय है कि नालको वर्ष 2002 से व्याख्यानमाला का आयोजन कर रहा है, जो ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करता हैतथा कंपनी और इसके व्यापक समुदाय के भीतर सीखने और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

संबलपुर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में आंशिक व्यवधान हो सकता है

बुर्ला (आजाद सिपाही)। ओड़िशा हाइड्रो पावर कॉपोरेशन लिमिटेड (ओएचपीसी) ने 132/33 के वी वह चिपिलिमा ग्रिड सबस्टेशन में रखरखाव कार्य के लिए गोशाला, चिपिलिमा, धामा, हातिबारी, जुजुमुरा, आईआईएम संबलपुर, पुलिस प्रशिक्षण संस्थान, सीआरपीएफ कैंप आदि और संबलपुर जिले के आसपास के क्षेत्रों का दौरा करेंगे। 09.01.2025 से दिनांक 11.01.2025 तक (तीन दिन) प्रातः 7 बजे से सायं 5 बजे तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति में आंशिक व्यवधान हो सकता है। बताया जाता है कि टीपीडब्ल्यूडीएल ने निर्बाध बिजली सेवा जारी रखने के लिए सभी प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त, हम उक्त क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं और जनता को सूचित करना चाहते हैं कि चूंकि पूर्ण रूप से विद्युतयुक्त ग्रिड सबस्टेशन आंशिक रूप से बंद रहेगा, इसलिए ऐसे समय हो सकते हैं जब उक्त क्षेत्र में उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बिजली प्रवाहित नहीं हो पायेगी। यहां यह उल्लेखनीय है कि स्थिर, निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवा के लिए यह रखरखाव कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए, टीपीडब्ल्यूडीएल के अधिकारी विद्युत सेवाओं में आंशिक व्यवधान के लिए खेद व्यक्त करते हैं और क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं और जनता से सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी ने भुवनेश्वर में डबल डेकर बसों को हरी झंडी दिखायी

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भुवनेश्वर के गड़कना स्थित मोहन नस डिपो में बहुप्रतीक्षित डबल डेकर बसों और हॉप-ऑन हॉप-ऑफ बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने पांच डबल डेकर बसों और 10 हॉप-ऑन हॉप-ऑफ बसों को हरी झंडी दिखायी। उन्होंने श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) की ई-बस सेवा का भी शुभारंभ किया। पुरी में एसजेटीए द्वारा कुल 25 ई-बसों का उपयोग किया जायेगा। शहरी विकास मंत्री कृष्ण चंद्र महापात्रा, स्कूल और जन शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड, भुवनेश्वर की सांसद अपराजिता सारंगी, भुवनेश्वर एकाम्र के विधायक बाबू सिंह सहित अन्य अतिथि और अधिकारी ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए। डबल डेकर और हॉप-ऑन हॉप-ऑफ बसों को हरी झंडी दिखाने के अलावा, ओड़िशा के मुख्यमंत्री ने अन्य अतिथियों के साथ जनता मैदान तक डबल डेकर बसों में से एक में यात्रा भी की। सूत्रों ने बताया कि इन सभी बस सेवाओं का उपयोग प्रवासी भारतीय दिवस समारोह के दौरान किया जायेगा, उन्होंने बताया कि समारोह में भाग लेने वाले लोगों को बसों से लाया-ले जाया जायेगा। राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (सीआरयूटी) इन सभी इलेक्ट्रिक बसों का प्रबंधन करेगा और उम्मीद है कि वह राज्य के विभिन्न शहरों जैसे भुवनेश्वर, कटक, पुरी और ब्रह्मपुर में ऐसी और बसें चलायेगा।

नये रायगढ़ रेलवे डिवीजन के लिए डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) की नियुक्ति की

- स्थानीय समुदायों के लिए बाजारों, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए बेहतर रेलवे सेवाएं।

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारतीय रेलवे के लिए एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में रायगढ़ रेलवे डिवीजन बिल्डिंग की आधारशिला रखी और जम्मू रेलवे डिवीजन का उद्घाटन किया, जो रेलवे नेटवर्क के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। इस विकास के साथ, जम्मू 69वां रेलवे डिवीजन और रायगढ़ 70वां बन गया है, जिससे पूरे देश में रेलवे के बुनियादी ढांचे को और मजबूती मिलेगी। नव स्थापित रायगढ़ रेलवे डिवीजन मुख्य रूप से ओड़िशा के दक्षिणी जिलों में रेलवे संचालन की देखरेख के लिए जिम्मेदार होगा। यह डिवीजन रायगढ़, कोरापुट, गजपति, नबरंगपुर, मलकानगिरी और कालाहांडी सहित आदिवासी और आकांक्षी जिलों के हितों की सेवा करेगा। क्षेत्र की रणनीतिक स्थिति और बढ़ता महत्व इस डिवीजन को राज्य के रेलवे नेटवर्क के आगे के विकास के लिए महत्वपूर्ण बनाता है। रायगढ़ रेलवे डिवीजन के निर्माण से इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ट्रेन संचालन और बुनियादी ढांचे के विकास दोनों में काफी तेजी आने की उम्मीद है। नये डीआरएम की नियुक्ति संभागीय मुख्यालयों के त्वरित क्रियांवयन और क्षेत्र में रेलवे के बुनियादी ढांचे के तेजी से विकास को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का दक्षिण ओड़िशा के आदिवासी क्षेत्र पर एक परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय उद्योगों के साथ संपर्क में सुधार होगा और पर्याप्त रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। बेहतर रेलवे सेवाओं के साथ, स्थानीय समुदायों को बाजारों, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक बेहतर पहुंच का अनुभव होगा, जिससे जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी। दक्षिणी ओडिशा में भविष्य की कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे के विकास से पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। ये मार्ग हरे-भरे हरियाली, झरनों और आदिवासी विरासत के लिए जाने जाने वाले सुंदर क्षेत्रों से गुजरते हैं, जिसमें कोरापुट-रायगढ़ खंड पूर्वी घाट के शानदार दृश्य पेश करता है। इस क्षेत्र से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों के आकर्षित होने की उम्मीद है। यह कोरापुट कॉफी और हल्दी के बाजार को बढ़ावा देगा और कृषि आधारित उद्योगों को समर्थन देगा। रायगढ़ रेलवे डिवीजन की स्थापना ओड़िशा में पर्यटन, आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। रेलवे नेटवर्क में सुधार से न केवल स्थानीय उद्योगों के लिए कनेक्टिविटी में सुधार होगा, बल्कि यह क्षेत्र एक प्रमुख आर्थिक केंद्र में भी तब्दील हो जायेगा। यह परियोजना आकांक्षी जिलों में कनेक्टिविटी बढ़ाकर, पर्यटन को बढ़ावा देकर और क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देकर राष्ट्र की समग्र प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है।

खोरधा जिले में जंगल के कुएं से 10 फुट का अजगर बचाया गया

टांगी (आजाद सिपाही)। ओड़िशा के खोरधा जिले में जंगल के अंदर एक खाली पड़े कुएं से मंगलवार को 10 फुट लंबे अजगर को बचाया गया। अजगर को टांगी फॉरेस्ट रेंज के अंतर्गत गिरिंदा के काजू के जंगल में खाली पड़े कुयें से बचाया गया। 10 फीट लंबा अजगर टांगी वन रेंज के अंतर्गत गिरिंडा के काजू के जंगल में एक खाली पड़े कुयें में गिर गया था। सांप कुएं से बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहा था। काजू बागान के गार्ड ने सांप को देखा और वन विभाग के अधिकारी को सूचना दी, जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन अधिकारियों और कुछ सर्प हेल्पलाइन सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से बचाव अभियान शुरू किया गया था। वन अधिकारियों, अग्निशमन अधिकारियों और सर्प हेल्पलाइन के सदस्यों ने अभियान शुरू किया और सांप को कुएं से बाहर निकाला। सांप को बचाकर वन विभाग को सौंप दिया गया है।

डॉ अच्युत सामंत को प्रथम पीआइओ उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया

पीआइओ फोरम ने हर चार साल में प्रवासी भारतीयों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव का प्रस्ताव रखा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। प्रवासी भारतीय दिवस की शुरूआत के साथ, भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक संगठन (जीओपीआईओ) ने केआईआईटी और केआईएसएस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत को शिक्षा और आदिवासी सशक्तिकरण में उनके अद्वितीय योगदान के लिए प्रथम पीआइओ उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार केआइआइटी-डीयू द्वारा आयोजित भारत के साथ पीआइओ संवाद 2025 सत्र के दौरान दिया गया। वैश्विक संबंधों को सशक्त बनानाः उभरते भारत में पीआइओ की भूमिका थीम वाले इस कार्यक्रम में दुनिया भर के गणमान्य व्यक्ति और नेता शामिल हुए। डॉ सामंत के साथ, मलेशिया के प्रधानमंत्री के ओएसडी शानमुगन मूकन और जेएनयू के प्रोफेसर अजय कुमार दुबे को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस आयोजन का एक प्रमुख आकर्षण भारत में हर चार साल में भारतीय प्रवासियों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित करने का प्रस्ताव था। इस महोत्सव का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर भारतीय मूल के लोगों (पीआइओ) की समृद्ध विरासत और योगदान का जश्न मनाना और भारत के साथ उनके संबंधों को मजबूत करना है। इस सत्र में केआइआइटी - ऊँब में (जीओपीआइओ) इंटरनेशनल चेयर का शुभारंभ भी हुआ, जो भारतीय प्रवासियों से संबंधित शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक पहल है। यह चेयर अकादमिक अध्ययनों की सुविधा प्रदान करेगी और दुनिया भर में पीआईओ के योगदान का दस्तावेजीकरण करेगी। डॉ सामंत ने अपने भाषण में आभार व्यक्त करते हुए कहा, पीआइओ के एक सत्र की मेजबानी करना केआइआइटी और केआइएसएस के लिए सम्मान की बात है। केआइआइटी में आज 12 छात्र थे, जो बढ़कर 80,000 से अधिक हो गये हैं और के आइएसएस देश में एक क्रांति बन गया है। मुझे उम्मीद है कि हमारे विशिष्ट अतिथि इस प्रगति को देखकर प्रसन्न होंगे (जीओपीआइओ) इंटरनेशनल के महासचिव ए रवेंदीरन अर्जुनन ने केआइआइटी के उल्लेखनीय विकास की प्रशंसा कीः केआइआइटी टाउनशिप ने छलांग और सीमा से विकास किया है। प्रवासी भारतीय दिवस की शुरूआत अटल बिहारी वाजपेयी से प्रवासी भारतीयों द्वारा किये गये अनुरोध से हुई थी, और आज राष्ट्र निर्माण में प्रवासी भारतीयों के योगदान को संरक्षित और प्रलेखित किया जाना चाहिए। ओड़िशा के ऐतिहासिक महत्व पर विचार करते हुए, अर्जुनन ने कहा, कलिंग अपने व्यापारियों और व्यवसायियों के लिए जाना जाता था, जो दुनिया भर में यात्रा करते थे।

उनके योगदान को अक्सर भुला दिया जाता है और अब समय आ गया है कि हम उनकी विरासत को संरक्षित करें। जीओपीआइओ इंटरनेशनल के अध्यक्ष डॉ पोन्नुसामी मुथैया ने प्रवासी भारतीय दिवस की उत्पत्ति का पता लगाया और इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे इस सम्मेलन ने प्रवासी भारतीयों को भारत के करीब लाया है। जीओपीआइओ के उपाध्यक्ष विनय दुसोये ने भारतीय संस्कृति और सभ्यता की रक्षा के महत्व पर जोर दिया और वैश्विक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा, प्रवासी भारतीयों को जोड़ने की प्रक्रिया हमारी युवा पीढ़ी पर निर्भर करती है। हमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार में खुद को स्थापित करना चाहिए और सांस्कृतिक संरक्षण सुनिश्चित करना चाहिए। केआइआइटी-डीयू के पूर्व राजनयिक और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के महानिदेशक देबराज प्रधान ने भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि केआइआइटी-डीयू के कुलपति प्रो सरनजीत सिंह ने भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों की भूमिका को रेखांकित किया। प्रो देबाशीष बंदोपाध्याय, प्रो कुलपति ने सांस्कृतिक कार्निवल के प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**